आज का विचार
लेखन के विरोध का जवाब सिर्फ लेखन ही हो सकता है और कुछ भी नहीं

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 18 मार्च, 2025 वर्ष 23, अंक 67, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

हरियाणा में 2.05 लाख करोड़ का बजट पेश, महिलाओं को हर माह मिलेंगे 2100 रुपये

बजट में कोई नया कर नहीं लगाया, पिछले 10 वर्षों में राज्य की जीडीपी औसतन 10.8 प्रतिशत व प्रति व्यक्ति आय औसतन 9.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बतौर वित्त मंत्री आज वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2,05,017.29 करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जो गत वर्ष के 1,80,313.57 करोड़ रुपए से 13.7 प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष के बजट में भी नागरिकों को राहत प्रदान करते हुए कोई नया कर नहीं लगाया गया है। यह बजट हरियाणा के हर वर्ग के लोगों की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014-15 में हरियाणा का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4,37,145 करोड़ रुपये था, जबकि वर्ष 2024-25 में हरियाणा की अनुमानित जीडीपी 12,13,951 करोड़ रुपये है। इसी प्रकार, वर्ष 2014-15 में हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय 1,47,382 रुपये थी, जबकि वर्ष 2024-25 में अनुमानित प्रति व्यक्ति आय 3,53,182 रुपये है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राज्य की जीडीपी औसतन 10.8 प्रतिशत और प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय औसतन 9.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

राजस्व घाटे में पिछले 10 वर्षों में आई कमी

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014-15 में हरियाणा के बजट में राजस्व घाटा तत्कालीन जीडीपी का 1.90 प्रतिशत था। वर्ष 2024-25 में राजस्व घाटा जीडीपी का 1.47 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसी प्रकार यदि राजस्व घाटे को कुल बजट के प्रतिशत के रूप में देखें तो यह 2014-15 के 13.4 प्रतिशत से कम होकर 2024-25 में 9.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। राजस्व घाटे में पिछले 10 वर्षों में काफी कमी आई है।

वर्ष 2025-26 बजट अनुमान में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 2.67 प्रतिशत तक रखने का लक्ष्य

वित्त मंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014-15 में हरियाणा के बजट में राजकोषीय घाटा तत्कालीन जीडीपी का 2.88 प्रतिशत था। वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 2.68 प्रतिशत रहने का अनुमान है। राजकोषीय उत्तरदायित्व तथा बजट प्रबन्धन अधिनियम (एफआरबीएम) एक्ट के अनुसार किसी भी वर्ष किसी भी राज्य सरकार का राजकोषीय घाटा उस राज्य की उस वर्ष की जीडीपी के 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। अतः इसमें 2014-15 के 2.88 प्रतिशत के मुकाबले अब 2.68 प्रतिशत तक की गिरावट हमारे कुशल वित्तीय प्रबंधन का परिचायक है। वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान में इसे और कम करते हुए जीडीपी के 2.67 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन पर बहुत बल दिया है। उन्होंने तुलनात्मक आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2014-15 में प्रभावी राजस्व घाटा जीडीपी का 1.89 प्रतिशत था, जो वर्ष 2024-25 में कम होकर केवल 1.01 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बकाया ऋण निर्धारित सीमा के अंदर

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी वर्ष किसी भी राज्य का बकाया ऋण उस राज्य की जीडीपी के प्रतिशत की एक निर्धारित सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए। वर्ष 2014-15 में हरियाणा सरकार के बकाया ऋण की जीडीपी की प्रतिशतता उस समय के वित्त आयोग द्वारा निर्धारित सीमा से 6.67 प्रतिशत बिंदु कम थी। वर्ष 2024-25 में भी सरकार के बकाया ऋण की जीडीपी की प्रतिशतता वित्त आयोग द्वारा निर्धारित सीमा से 6.67 प्रतिशत बिंदु ही कम रहेगी। स्पष्टतः आज के बकाया ऋण की प्रतिशतता निर्धारित सीमा से उतने ही प्रतिशत कम है जितनी यह वर्ष 2014-15 में था।

पिछले 10 वर्षों में सरकारी उपक्रमों द्वारा लिए गए ऋण में नहीं हुई बढ़ोत्तरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के उपक्रमों द्वारा लिए गए ऋण, जिन्हें सरकार के ऋण के आंकड़ों में शामिल नहीं किया जाता, में इन 10 वर्षों में एक भी रुपये की बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के कुल 43 उपक्रम हैं। इनमें से 24 उपक्रम कम्पनी एक्ट में व 19 उपक्रम कॉपरेटिव सोसाईटीज एक्ट में पंजीकृत हैं। इन 43 उपक्रमों का वर्ष 2014-15 में कुल बकाया ऋण 69,922 करोड़ रुपये था जो वर्ष 2023-24 में घटकर 68,295 करोड़ रुपये रह गया है। गौरतलब है कि वर्ष 2008-09 में इन सरकारी उपक्रमों का बकाया ऋण 30,233 करोड़ रुपये था।

सरकारी उपक्रमों का बकाया ऋण 1627 करोड़ रुपये कम हुआ

श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि जहाँ एक ओर 2008-09 से लेकर 2014-15 के बीच 6 वर्षों में सरकारी उपक्रमों का बकाया ऋण 30,233 करोड़ रुपये से बढ़कर 69,922 करोड़ रुपये हो गया था, वहीं 2014-15 से लेकर 2023-24 के बीच की 9 वर्षों की अवधि में सरकारी उपक्रमों का बकाया ऋण बढ़ने की बजाए 1627 करोड़ रुपये कम हुआ है। हमारी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में सरकारी उपक्रमों के ऋणों पर जबरदस्त नकेल कसी है। उन्होंने कहा कि उदय स्कीम के अंतर्गत बिजली निगमों के 25,950 करोड़ रुपये के ऋण वर्ष 2015-16 व 2016-17 में हरियाणा सरकार द्वारा अपने खाते में ले लिए गए। एचएसआईआईडीसी और एचएसवीपी की कार्य प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन किए गए। वर्ष 2023-24 के वास्तविक अनुमानों के हिसाब से 43 उपक्रमों में से 28 उपक्रम लाभ में हैं, जिन्होंने 1746 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। वर्ष 2014-15 में केवल 20 ही उपक्रम लाभ में थे, जिनका लाभ मात्र 450 करोड़ रुपये था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रत्येक हरियाणवी परिवार को खुशहाल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी।

संकल्प पत्र के 19 वायदों को किया पूरा, 14 वायदों पर कार्य प्रगति पर

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बतौर वित्त मंत्री वर्ष 2025-26 का राज्य बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरकार द्वारा चुनावों से पहले जनता से किए गए वादों के अनुरूप संकल्प पत्र के संकल्पों को निरंतर पूरा किया जा रहा है। 217 संकल्पों में से अब तक 19 वायदों को पूरा किया जा चुका है और 14 वायदों पर कार्य प्रगति पर है। राज्य बजट 2025-26 के प्रावधानों को सदन की स्वीकृति मिलने से लगभग 90 और संकल्पों को आगामी वित्त वर्ष में पूरा किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर चलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री श्री मनोहर लाल द्वारा वर्ष 2020 से हरियाणा में बजट पूर्व परामर्श की एक अनोखी प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसी कड़ी में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हितधारकों से सुझाव आमंत्रित करने के लिए हरियाणा की अर्थव्यवस्था के विभिन्न हितधारकों के साथ कुल 11 बैठकें की गई, जिनमें 1592 सुझाव प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि इस परिपाटी को एक कदम आगे बढ़ाते हुए 10 दिसम्बर, 2024 से एक ऑनलाईन पोर्टल भी शुरू किया गया था। इसके माध्यम से हरियाणा के कोने-कोने से घर बैठे लोगों ने बजट के लिए 8963 सुझाव भेजे। कुछ सुझाव ई-मेल और पत्रों के माध्यम से भी मिले। इसके अलावा कुछ आमजन ने अपने लिखित सुझाव भी प्रस्तुत किए। कुल मिलाकर लगभग 11,000 सुझावों पर चिंतन-मनन किया गया और अच्छे सुझावों को बजट में समायोजित किया गया। सभी हितधारकों के सुझावों को शामिल करके हर वर्ग के कल्याण के लिए संतुलित बजट बनाया गया है।

बजट में किस विभाग को क्या मिला

विभाग	बजट आवंटन
कृषि व संबंधित विभाग	07600.37 करोड़
पर्यावर, वन, जलवायु परिवर्तन	00714.89करोड़
सहकारिता	01254.97 करोड़
शिक्षा एवं खेलकूद	22312.46 करोड़
युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता	01372.10 करोड़
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	10539.96 करोड़
गृह एवं सिविल डिफैंस	08315.30 करोड़
ऊर्जा	06379.63 करोड़
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता	16650.78 करोड़
महिला एवं बाल विकास	02101.55 करोड़
विकास एव पंचायत	07313.98 करोड़
परिवहन एवं सिविल एविएशन	03904.73 करोड़
टाउन-कंट्री प्लानिंग, शहरी निकाय	05911.95 करोड़
उद्योग-वाणिज्य, एमएसएमई	01848.13 करोड़
सिंचाई एवं जल संसाधन	06024.72 करोड़
पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग	04950.96 करोड़
लोक निर्माण	04830.73 करोड़
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन	02866.58 करोड़

बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के विजन पर प्रतिबिंबित

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विधानसभा बजट सत्र के दौरान आज वित्त मंत्री के रूप में राज्य का बजट पेश करते हुए कहा कि हरियाणा को विकास की राह पर आगे बढ़ाने व भविष्य अनुकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए छः महत्वपूर्ण प्रस्तावों को बजट में शामिल किया गया है। इनमें मिशन हरियाणा-2047 उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की शुरूआत, डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर नाम से नया विभाग बनाना, हरियाणा एआई मिशन की स्थापना, 2000 करोड़ रुपये का एक फंड आफ फंड्स बनाने, संकल्प प्राधिकरण का गठन और युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय रोजगार दिलवाना शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इसी वर्ष मिशन हरियाणा-2047 नामक एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की शुरूआत की गई है, जिसके द्वारा हरियाणा के सकल घरेलू उत्पाद को 1 ट्रिलियन अमरीकी डालर के स्तर तक पहुंचाने और हरियाणा में 50 लाख नए रोजगार पैदा करने के लिए एक प्रभावी योजना विकसित करने के लिए कार्य शुरू कर दिया है। इस मिशन के लिए प्रारंभिक निधि के रूप में 5 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा को भविष्य सक्षम बनाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर नाम से एक नया विभाग बनाया जाएगा। यह विभाग आगामी चुनौतियों, विषमताओं और आर्थिक विकास की नई संभावनाओं को भांप कर दूसरे सभी विभागों को नीतिगत सुझाव देगा और समय रहते उनकी क्षमता भी बढ़ाएगा।

हरियाणा एआई मिशन की होगी स्थापना

वित्त मंत्री ने कहा कि डेटा-आधारित नीति निर्धारण तथा गवर्नेंस ऑटोमेशन से जनसेवा की क्षमता एवं दक्षता को ओर बेहतर करने के उद्देश्य से हरियाणा एआई मिशन की स्थापना की जाएगी। विश्व बैंक ने इसके लिए 474 करोड़ रुपये का सहयोग करने का आरंभिक आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि इस ए.आई. मिशन द्वारा गुड़गांव और पंचकूला में एक-एक हब स्थापित किया जाएगा। इन द्वारा हरियाणा के 50,000 से अधिक युवाओं और पेशेवरों को अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित किया जा सकेगा, जिससे वे नई नौकरियों और अवसरों के लिए तैयार हो सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार निजी निवेशकों को 2000 करोड़ रुपये का एक फंड आफ फंड्स बनाने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करेगी, जो हरियाणा के स्टार्टअप्स में निवेश करके प्रदेश को नवाचार और उद्यमिता के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। उल्लेखनीय है कि बजट से पूर्व मुख्यमंत्री ने हरियाणा के लगभग 60 ऊर्जावान युवाओं से विचार विमर्श किया जिन्होंने पिछले 3 वर्षों में अपने स्टार्टअप्स बनाए। उन्होंने स्कूल और कालेज के विद्यार्थियों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्टार्टअप इंटर्नशिप शुरू करने, उनकी मेंटरशिप करने तथा उनके लिए सस्ता इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए कई सुझाव दिए। प्रोडक्ट डिजाइन, ब्रांडिंग और विक्रय से जुड़े उनके सभी सुझावों को स्वीकार करते हुए हरियाणा वेंचर कैपिटल फंड को इन पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए है।

युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए संकल्प प्राधिकरण का होगा गठन

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को और आने वाली पीढ़ी को नशे के जाल में फसने से बचाने के लिए संकल्प प्राधिकरण नाम से एक नये प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। यह प्राधिकरण समूचे प्रदेश में नशे की मांग और आपूर्ति, दोनों को जड़ से खत्म करने के लिए सभी दूसरे विभागों के साथ तालमेल मिलाकर और सारे समाज को साथ लेकर, युवाओं को एक विवेकपूर्ण विकास के मार्ग पर ले जाने का सतत प्रयास करेगा।

इस प्राधिकरण के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रारम्भिक आवंटन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार डंकी रूट की गंभीर समस्या के निवारण के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस उद्देश्य से इसी सत्र में एक बिल लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा विदेश सहयोग विभाग के अंतर्गत कार्यरत हरियाणा ओवरसीज एंप्लॉयमेंट सैल और हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से सरकार इच्छुक युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय रोजगार दिलवाने के लिए सुरक्षित मार्ग प्रशस्त करेगी।

तुलसी गबार्ड ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने उन्हें हाल ही में संपन्न प्रयागराज महाकुंभ से लाए गए गंगाजल से भरा एक कलश भी भेंट किया। वहीं गबार्ड ने उन्हें तुलसी की माला दी।

फोटो : हि.स.

तुलसी गबार्ड ने इससे पहले कुछ साक्षात्कार दिए। इसमें उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में बातचीत की। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंधों का लम्बा इतिहास रहा है। हम इसे लगातार मजबूत होते हुए देख रहे हैं। हमारा मानना है कि यह संबंध आपसी हित शांति, समृद्धि, स्वतंत्रता और सुरक्षा के आसपास केंद्रित हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प को अच्छा दोस्त बताया और कहा कि दोनों नेता इस बात पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं कि साझा उद्देश्यों और साझा हितों को कैसे मजबूत किया जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प के पद संभालने के बाद अमेरिका का दौरा किया था।

गबार्ड ने बताया कि उन्होंने अपने समकक्षों के साथ बातचीत की है। वे रक्षा मंत्री से मिलीं। उनकी यह मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी और ट्रम्प की मुलाकात के आगे के क्रम में है। कैसे हम न केवल इंटेलिजेंस वाणिज्य और व्यापार और रक्षा में भी अपने रिश्ते को एकीकृत और मजबूत करना जारी रख सकते हैं।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच छह करार, चार घोषणाएं

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच छह करार हुए हैं। यह रक्षा, आर्थिक क्षेत्र, बागवानी-कृषि, पर्यावरण, शिक्षा और खेल के क्षेत्र से जुड़े हैं। इसके अलावा चार घोषणाएं की गई हैं। भारत-न्यूजीलैंड एफटीए तथा कौशल एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवाजाही पर वार्ता करेंगे। न्यूजीलैंड हिन्द-प्रशात सागरीय पहल (आईपीओआई) से जुड़ा है और आपदा अनुकुल बुनियादी ढांचा के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) का सदस्य बना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन 16-20 मार्च की भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री लक्सन का गर्मजोशी भरा और पारंपरिक स्वागत किया गया। दिल्ली के हैदराबाद हाउस में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने द्विपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री लक्सन ने वार्ता से पहले राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

फोटो : हि.स.

प्रधानमंत्री मोदी आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री लक्सन के साथ रायसीना संवाद के 10वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। दोनों देशों के बीच वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया।

संयुक्त वक्तव्य के अनुसार दोनों प्रधानमंत्रियों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया और बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। भारत और न्यूजीलैंड एक खुले, समावेशी, स्थिर और समृद्ध हिन्द प्रशांत के मजबूत पक्षधर हैं। दोनों प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संबंधों को रेखांकित किया। न्यूजीलैंड में भारतीय मूल की आबादी लगभग छह प्रतिशत है।

हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बजट में 12 नई योजनाओं की घोषणा की

संवाददाता
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 58,514 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस बजट में किसी भी नए कर का प्रावधान नहीं किया गया है। सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने, कर्मचारियों को राहत देने और विभिन्न वर्गों को लाभ पहुंचाने के लिए 12 नई योजनाओं की घोषणा की है।

बजट में 12 नई योजनाओं की घोषणा की गई है। इनमें मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्टअप योजना, एग्रीकल्चर लोन इंटरेस्ट सबवेंशन स्कीम, इंदिरा गांधी सुख सुरक्षा योजना, इंदिरा गांधी मातृ-शिशु संकल्प योजना, मुख्यमंत्री लघु दुकानदार कल्याण योजना, ग्रीन पंचायत योजना, राजीव गांधी वन संवर्धन योजना, रोगी मित्र योजना, आचार्य चरक योजना, मुख्यमंत्री वृद्धजन देखभाल योजना, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम और मुख्यमंत्री स्वच्छ जल शोधन योजना शामिल हैं।

गाय-भैंस के दूध और अनाज के बढ़े समर्थन मूल्य

मुख्यमंत्री सुक्खू ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए गाय के दूध का समर्थन मूल्य 45 रुपये से बढ़ाकर 51 रुपये और भैंस के दूध का समर्थन मूल्य 55 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये करने की घोषणा की है। प्राकृतिक रूप से उगाई गई मक्की का समर्थन मूल्य 30 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये और गेहूं का समर्थन मूल्य 40 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये किया गया। प्राकृतिक हल्दी की खरीद 90 रुपये प्रति किलो की दर से की जाएगी। एग्रीकल्चर लोन इंटरेस्ट सबवेंशन स्कीम के तहत ऋणग्रस्त किसानों को राहत दी जाएगी। सरकार वन टाइम सेटलमेंट के तहत किसानों के मूलधन पर लगने वाले ब्याज का 50 फीसदी वहन करेगी, जिससे जमीन नीलामी की स्थिति में फंसे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

बजट में कर्मचारियों और श्रमिकों को राहत

बजट में दिहाड़ीदार मजदूरों की दिहाड़ी में 25 रुपये की वृद्धि, आउटसोर्स कर्मियों का न्यूनतम वेतन 12,750 रुपये प्रतिमाह तय, आंगनबाड़ी कार्यकताओं के मानदेय में 500 रुपये की बढ़ोतरी, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं और आशा वर्कर को 300-300 रुपये अधिक मानदेय, मिड-डे मील कर्मियों, सिलाई शिक्षकों, पंचायत चौकीदारों, राजस्व चौकीदारों, आईटी शिक्षकों, जल शक्ति विभाग के मल्टीपर्पस वर्कर्स और पीडब्ल्यूडी के मल्टी टास्क वर्कर्स के मानदेय में 500 रुपये की बढ़ोतरी और जल रक्षक, पैरा फिटर, राजस्व लंबरदार और एसपीओ के मानदेय में 300 रुपये प्रति माह की वृद्धि की गई है। मनरेगा मजदूरों की दिहाड़ी में 20 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

डॉक्टरों के वजीफे में बढ़ोतरी

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों और एम्स चमियाणा में पढ़ रहे पीजी डॉक्टरों का वजीफा 1 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है, जबकि डीएनबी-सुपर स्पेशलिस्ट और सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों का वजीफा बढ़ाकर 1.30 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है।

सामाजिक योजनाओं का विस्तार

सामाजिक पेंशन योजनाओं में 37,000 नए लाभार्थी शामिल होंगे। इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के तहत 2025-26 में 21 साल की उम्र पूरी करने वाली बेटियों को 1,500 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे।

पर्यटन और पर्यावरण को बढ़ावा

मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्टअप योजना के तहत होम स्टे यूनिट्स को प्रोत्साहित किया जाएगा। थ्री स्टार से सेवन स्टार तक के 200 नए होटल ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए जाएंगे। 100 करोड़ रुपये की राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत महिला और युवक मंडलों को पौधरोपण के लिए 1 लाख रुपये प्रति वर्ष दिए जाएंगे।

ड्रग माफिया पर शिकंजा कसने के लिए एसटीएफ

मुख्यमंत्री ने ड्रग डिपेंडेंस प्रीवेंशन, डी-एडिक्शन एंड रिहैबिलिटेशन बोर्ड के गठन की घोषणा की, जो नशा मुक्ति के लिए ढत्रक्क चंडीगढ़ और अक्क्त्र दिल्ली के सहयोग से एक्शन प्लान तैयार करेगा। इसके अलावा, प्रदेश में ड्रग माफिया के खिलाफ एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) गठित की जाएगी।

ऑल्टो से विधानसभा पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुक्खू ने बजट पेश करने के लिए अपनी निजी ऑल्टो कार से विधानसभा पहुंचे और खुद गाड़ी चलाई। उनके साथ विधायक संजय अवस्थी और हरीश जनारथा मौजूद रहे। यह तीसरी बार है जब मुख्यमंत्री ने बजट वाले दिन अपनी निजी कार में विधानसभा जाने का निर्णय लिया।

हिमाचल बजट 2025-26 : किसानों को लोन चुकाने में बड़ी राहत

युवाओं के लिए पर्यटन स्टार्टअप योजना का एलान, हमीरपुर में बनेगा स्पाइस पार्क

संवाददाता
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सोमवार को प्रदेश विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश कर रहे हैं। इस बजट में उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने, किसानों को राहत देने और युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री ने पर्यटन स्टार्टअप योजना की घोषणा की। इस योजना के तहत गैर-जनजातीय क्षेत्रों में होम स्टे और होटल निर्माण के लिए हिमाचली युवाओं को दिए जाने वाले लोन पर सरकार 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी देगी।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने वृक्षारोपण पर इस वर्ष 100 करोड़ रुपये खर्च करने का निर्णय लिया है। महिला और युवक मंडलों को वृक्षारोपण के लिए एक-एक लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा। अगर लगाए गए पौधों की 100 प्रतिशत सर्वाइवल रेट रहती है, तो अगले पांच वर्षों तक हर साल एक-एक लाख रुपये की अतिरिक्त मदद मिलेगी। इसके अलावा, बाड़बंदी के लिए भी 2.40 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उनके 3 लाख रुपये तक के लोन को चुकाने के लिए वन टाइम सेटलमेंट पॉलिसी लागू करने की घोषणा की। इस योजना के तहत किसानों के मूलधन पर लगने वाले ब्याज का 50 प्रतिशत सरकार वहन करेगी। इसके लिए सरकार नई एग्रीकल्चर लोन स्कीम भी लेकर आएगी। कृषि और दुग्ध उत्पादकों को राहत देते हुए मुख्यमंत्री ने गेहूं और मक्की के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की घोषणा की। अब मक्की का समर्थन मूल्य 30 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये और गेहूं का समर्थन मूल्य 40 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये किया जाएगा। दूध उत्पादकों को भी राहत देते हुए गाय के दूध का समर्थन मूल्य 45 रुपये से बढ़ाकर 51 रुपये और भैंस के दूध का समर्थन मूल्य 55 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये कर दिया गया है। दूर-दराज के क्षेत्रों से दूध परिवहन के लिए सरकार 2 रुपये प्रति लीटर की अतिरिक्त मदद देगी।

100 गांवों में सिंचाई योजनाओं पर 10 करोड़ का निवेश

प्रदेश के किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा देने के लिए 100 गांवों में नई सिंचाई योजनाओं का निर्माण किया जाएगा, जिस पर 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना के तहत जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए जालीदार बाड़बंदी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

हमीरपुर में बनेगा स्पाइस पार्क, ऊना में लगेगा पोटैटो प्रोसेसिंग प्लांट

मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि हमीरपुर जिले में एक आधुनिक स्पाइस पार्क स्थापित किया जाएगा, जिससे किसानों को उनके मसालेदार फसलों का उचित मूल्य मिल सकेगा। वहीं ऊना जिले में 20 करोड़ रुपये की लागत से पोटैटो प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जाएगा, जिससे आलू किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

मनरेगा मजदूरों और पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय में बढ़ोतरी

सरकार ने मनरेगा मजदूरों की दिहाड़ी 300 रुपये से बढ़ाकर 320 रुपये करने का ऐलान किया है। वहीं पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय में भी बढ़ोतरी की गई है। जिला परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का मानदेय 1,000 रुपये बढ़ाया गया, जबकि सदस्यों का 500 रुपये बढ़ाया गया। जिला परिषद अध्यक्ष को अब 25 हजार वेतन प्रतिमाह मिलेगा। जिला परिषद उपाध्यक्ष को 19000 व सदस्य को 8300 वेतन मिलेगा, पंचायत समिति अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के मानदेय में 600 रुपये तथा सदस्यों के मानदेय में 300 रुपये की वृद्धि की गई है। पंचायत समिति अध्यक्ष का वेतन 12 हजार, उपाध्यक्ष का वेतन 9000 होगा जबकि पंचायत समिति सदस्य का वेतन 7500 होगा। ग्राम पंचायत प्रधान और उपप्रधान के मानदेय में 300 रुपये की बढ़ोतरी, जबकि ग्राम पंचायत सदस्यों को प्रति बैठक 300 रुपये मिलेंगे। पंचायत प्रधान को पहर माह 7500 और उप प्रधान को 5100 मिलेंगे। जबकि वार्ड मेंबर को हर बैठक में शामिल होने की 1050 रुपए दिए जाएंगे।

हल्दी का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय

सरकार ने कच्ची हल्दी का न्यूनतम समर्थन मूल्य 90 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित करने की घोषणा की, जिससे मसाला उत्पादकों को उचित मूल्य मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में निजी क्षेत्र में 1000 में बस परमिट देने का ऐलान किया।

ई-वाहनों को बढ़ावा, 3000 डीजल-पेट्रोल वाहनों को बदला जाएगा

पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने 3000 डीजल-पेट्रोल वाहनों को ई-व्हीकल में तब्दील करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि रिक्शा चालकों को ई-रिक्शा अपनाने पर 40 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी, जिससे उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी। इसके साथ ही सरकार 1000 नए बस रूटों के परमिट जारी करेगी, जिससे राज्य में परिवहन व्यवस्था और बेहतर होगी। सभी विधायक अपने क्षेत्रों के लिए बस रूट की मांग रख सकते हैं। मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में कहा कि हमीरपुर जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में 2025 से ई-वाहनों की शुरूआत की जाएगी, जिससे सरकारी कार्यों में ईंधन की बचत और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

नशा तस्करी के खिलाफ सख्त कदम, एसटीएफ गठित होगी

मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में घोषणा की है कि प्रदेश में नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) का गठन किया जाएगा। इसके अलावा राज्य सरकार विधानसभा में 'एंटी ड्रग बिल' लाएगी, जिससे नशे के कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई की जा सके। मुख्यमंत्री ने बजट में राजगढ़ और कंडाघाट में नए अग्निशमन केंद्र खोलने की घोषणा की है। साथ ही पुराने और अनुपयोगी दमकल वाहनों को स्क्रैप में डालने का निर्णय लिया गया है, जिससे अग्निशमन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन राशि में वृद्धि

मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत अनुदान राशि को 50,000 से बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया है।

सड़क निर्माण और डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा

सरकार ने मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत 100 करोड़ का बजट स्वीकृत किया है। साथ ही राजस्व विभाग का चरणबद्ध डिजिटाइजेशन किया जाएगा, जिससे राजस्व संबंधी मामलों का निपटारा ऑनलाइन किया जा सकेगा। इस प्रक्रिया के तहत नागरिकों को भूमि और अन्य राजस्व रिकॉर्ड देखने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। डिजिटल मैपिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी ताकि लोग अपने क्षेत्र का नक्शा आसानी से देख सकें।

सरकारी स्कूलों में ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य

सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता लाने के लिए 2025-26 के शैक्षणिक सत्र से प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। इससे न केवल शिक्षा व्यवस्था में सुधार होगा बल्कि अनुपस्थित शिक्षकों और छात्रों की जानकारी भी तुरंत उपलब्ध हो सकेगी। इसके अलावा सुजानपुर के सैनिक स्कूल के हॉस्टल की मरम्मत के लिए 3 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

बेटियों और महिलाओं के लिए बड़ी सौगात, अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन राशि में चार गुणा बढ़ोतरी

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू आज विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बजट में महिलाओं, बेटियों और दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री ने 'इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना' की शुरुआत करने की घोषणा की है। इस योजना के तहत बीपीएल परिवारों में जन्म लेने वाली दो बेटियों के लिए 25,000 रुपये का बीमा कराया जाएगा। यह योजना बेटियों के जन्म को प्रोत्साहित करने और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से लाई गई है। मुख्यमंत्री ने 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन की घोषणा की है। 1 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2026 तक यह पेंशन सभी पात्र दिव्यांगजनों को मिलेगी। पेंशन वितरण को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार एक ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च करेगी, जिससे लाभार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने बजट में कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि' के तहत 18 से 59 साल की पात्र महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह प्रदान किया जाता है। चरणबद्ध तरीके से इस योजना का लाभ सभी पात्र महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त 1 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच 21 वर्ष की उम्र पूरी करने वाली हर पात्र बेटी को 1500 रुपये प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। 1 जून 2025 से उन महिलाओं को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा, जो दूसरों के घरों में काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। उनकी पात्र बेटियों को भी 1500 रुपये प्रति माह की सहायता मिलेगी। इसके अलावा विधवा महिलाओं की बेटियों के लिए भी बजट में विशेष योजना लाई गई है। यदि वे प्रोफेशनल कोर्स करना चाहती हैं, तो सरकार उनकी फीस वहन करेगी। यदि वे पीजी की पढ़ाई के दौरान हॉस्टल में रहना चाहती हैं, तो उन्हें 3000 रुपये प्रतिमाह पीजी में रहने की एवज में दिया जाएगा।

प्रदेश के समग्र विकास को समर्पित सुक्खू सरकार का तीसरा बजट : कांग्रेस

प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए पेश किया गया बजट जिला कांगड़ा में पर्यटन विकास के साथ-साथ गांव-गरीब को सशक्त करने की प्रतिबद्धता लेकर आया है। पर्यटन विकास निगम के उपाध्यक्ष आर.एस. बाली, उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक देहरा कमलेश ठाकुर व विधायक ज्वालामुखी संजय रतन ने जारी संयुक्त प्रेस बयान में मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता की सराहना करते हुए बजट को जिला कांगड़ा के नवोत्थान का द्योतक बताया है। प्रदेश में वर्ष 2025-26 के लिए 58 हजार 514 करोड़ का बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने जिला कांगड़ा के प्रत्येक वर्ग के हितों की चिंता की है। आर.एस बाली ने कहा कि यह बजट जिले को पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित करने और आमजन को आत्मनिर्भर बनाने की एक विस्तृत योजना लेकर आया है। मुख्यमंत्री ने जिला कांगड़ा को प्रदेश की पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित करने के अपने संकल्प को दोहराते हुए इसे एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। उन्होंने गगल स्थित हवाई अड्डे के विस्तारीकरण के लिए भू-अधिग्रहण का कार्य निर्धारित समय अवधि में पूरा करने की बात कही। इसके लिए सरकार ने 3 हजार करोड़ रुपए के बजटीय प्रावधान की घोषणा की। बाली ने कहा कि इसके साथ पालमपुर और रक्कड़ में हेलीपोर्ट के निर्माण कार्य को भी मूर्त रूप दिया जाएगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए धर्मशाला में आईस स्केटिंग रिंक का निर्माण, पालमपुर और नगरोटा बगवां का सौन्दर्यीकरण तथा माता श्री ज्वालाजी मन्दिर के सौन्दर्यीकरण के लिए मुख्यमंत्री ने बजट में घोषणा की।

अनंतनाग के दूर-दराज के इलाकों में 16 एमओ तैनात हैं : सकीना इटू

संवाददाता
जम्मू

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने आज कहा कि अनंतनाग के उप जिला अस्पताल (एसडीएच), शांगस में आम जनता को निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए छह चिकित्सा अधिकारी और दो दंत चिकित्सक सहित अन्य समर्पित कर्मचारी तैनात हैं। मंत्री विधानसभा में रियाज अहमद खान द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर दे रही थीं। उन्होंने कहा कि नवंबर 2024 के महीने में जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (राजपत्रित) सेवाओं में 365 चयनित चिकित्सा अधिकारियों को चिकित्सा अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया गया था, इनमें से 16 को अनंतनाग जिले के दूर-दराज/परिधीय स्वास्थ्य संस्थानों में तैनात किया गया था जिससे जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया जा सके।

मंत्री ने बताया कि उप जिला अस्पताल (एसडीएच) शांगस में चिकित्सा अधिकारियों के 4 स्वीकृत पद हैं और सभी चार पद कार्यरत हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत 2 चिकित्सा अधिकारी भी एसडीएच शांगस में सेवा दे रहे हैं। इसके अलावा एसडीएच शांगस के लिए 2 डेंटल सर्जन के स्वीकृत पद भी मौजूद हैं। मंत्री ने कहा कि एसडीएच शांगस के लिए विशेषज्ञ पद सृजित किए गए थे, हालांकि बाद में सरकारी आदेश संख्या 875, दिनांक 06.09.2002 के अनुसार इन पदों को स्थगित रखा गया था। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य संस्थानों का उन्नयन मुख्य रूप से कई मापदंडों पर निर्भर करता है जैसे जनसंख्या, बुनियादी ढाँचा, आस-पास के स्वास्थ्य संस्थानों से दूरी, कार्यभार और आईपीएचएस मानदंड-2022 की शर्तों की पूर्ति और समय-समय पर जारी सरकार के परिपत्र निर्देश।

दिशाहीन और खोखले वादों का पिटारा है कांग्रेस का बजटः अनुराग ठाकुर

संवाददाता
शिमला

पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार के बजट को दिशाहीन और खोखले वादों का पिटारा बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बजट पेश करते वक्त केवल औपचारिकता पूरी की और यह नहीं बताया कि प्रदेश में आर्थिक आपातकाल के बाद इन घोषणाओं के लिए पैसा कहां से लाया जाएगा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को यहां कहा कि आज कांग्रेस सरकार ने बजट पेश करने के नाम पर फिर एक बार हिमाचल की जनता को छलने का काम किया है। मुख्यमंत्री का यह बजट पूरी तरह दिशाहीन और खोखले वादों का पिटारा है। आर्थिक आपातकाल की स्थिति में मुख्यमंत्री बजट के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभा रहे हैं। कांग्रेस सरकार ने हिमाचल को पूरी तरह केंद्र सरकार के भरोसे छोड़ दिया है और जिम्मेदारियों से भागती हुई दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री को यह बताना चाहिए कि जिन घोषणाओं का उन्होंने जिक्र किया है, उनके लिए फंड की व्यवस्था कहां से की जाएगी। अनुराग ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों के डीए पर तो बातें कीं, लेकिन पिछली किस्तों के बारे में वो चुप्पी साधे रहे। छठवां पे कमीशन पर भी मुख्यमंत्री कुछ नहीं बोल पाए। पीडी मल्टी टास्क वर्कर, वेटरिनरी असिस्टेंट, चौकीदार और एमडीएम वर्कर के हितों पर मुख्यमंत्री ने मौन रहना बेहतर समझा। कांग्रेस सरकार बताए कि जनता से किए गए झूठे वादे और गारंटियां इस बजट में कहां पूरी की गईं। अनुराग ने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार का बजट प्रदेश की जनता के लिए निराशाजनक साबित होगा।

संक्षिप्त-समाचार

27 मार्च को भाजपा करेगी विधानसभा घेराव

नाहन। सिरमौर जिला भाजपा प्रवक्ता मेलाराम शर्मा और संगड़ाह भाजपा मंडल के अध्यक्ष बलबीर ठाकुर ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे 27 मार्च को शिमला में भाजपा द्वारा आयोजित विधानसभा घेराव कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि 27 मार्च को शिमला में आयोजित हल्ला बोल और विधानसभा घेराव कार्यक्रम में पूरे प्रदेश से हजारों भाजपा कार्यकर्ता भाग लेंगे और सुक्खू सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा शिमला पहुंचकर सफल बनाया जाएगा।

संगड़ाह-हरिपुरधार सड़क पर निजी बस पहाड़ी से टकराई, कोई जानी नुकसान नहीं

नाहन। सिरमौर जिले के संगड़ाह-हरिपुरधार सड़क पर आज सुबह एक निजी बस पहाड़ी या सड़क के ऊपरी हिस्से से टकरा गई जिससे लगभग दर्जन भर यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। संगड़ाह अस्पताल पहुंचे दो घायल यात्रियों ने बताया कि ब्रेक फेल होने के बाद ड्राइवर ने बस को सड़क के ऊपरी हिस्से में टकराकर रुकवाया, ताकि बस खाई में गिरने से बड़ा हादसा न हो सके। घायलों के मुताबिक यदि बस को समय पर नियंत्रित नहीं किया जाता तो यह एक जानलेवा हादसा हो सकता था। हादसा मीनू कोच नामक बस का था जो हरिपुरधार से संगड़ाह की ओर आ रही थी। यह दुर्घटना डूम का बाग के पास हुई। पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

अग्निवीर भर्ती के लिए दो अलग-अलग श्रेणियों में कर सकते हैं आवेदन

हमीरपुर। थल सेना अग्निवीर भर्ती में पात्रता के आचार पर दो अलग-अलग श्रेणियों में आवेदन किया जा सकता है। थल सेना भर्ती कार्यालय हमीरपुर के निदेशक कर्नल बीएस भंडारी ने बताया कि थल सेना में अग्निवीरों की भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 12 मार्च से आरंभ कर दिया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 10 अप्रैल निर्धारित की गई है। इस भर्ती में उम्मीदवार अपनी पात्रता के आधार पर किसी भी दो श्रेणियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। दो विकल्प चाहने वाले उम्मीदवारों को दो श्रेणियों में फार्म अलग-अलग भरने होंगे। कर्नल बीएस भंडारी ने बताया क श्रेणियों की प्राथमिकता उम्मीदवार द्वारा आवेदन चरण के दौरान ही भरी जाएगी। भर्ती रैली पूरी होने के बाद अंतिम विकल्प पूछा जाएगा। आवेदन के इच्छुक एवं पात्र युवा वेबसाइट ज्वाइनइंडियनआर्मी.एनआईसी.इन पर लॉग इन कर सकते हैं।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बद्रिका आश्रम के श्री हरि मंदिर में पूजा अर्चना की

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज जिला सिरमौर के राजगढ़ उपमंडल के अंतर्गत गांव शलामू स्थित श्री बद्रीका आश्रम का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रीहरि मंदिर में पूजा अर्चना भी की। उन्होंने बद्रिका आश्रम के संस्थापक श्री ओम स्वामी से भेंट की तथा बद्रिका आश्रम द्वारा चलाई जा रही आध्यात्मिक, योग तथा साधना संबंधी जानकारी हासिल की। श्री ओम स्वामी ने राज्यपाल को शॉल व टोपी भेंट की। इस दौरान लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला बेटी नीति व दामाद अमित त्रिपाठी, नाती कुमारी अंबिका तथा अनिका, बद्रिका भी राज्यपाल के साथ थे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

बजट में सोलन और अर्की के लिए कई अहम योजनाओं की घोषणा : संजय अवस्थी

संवाददाता
सोलन

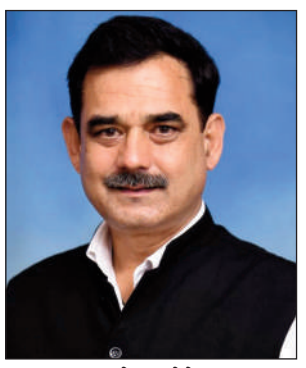

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा सोमवार को विधानसभा में वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तुत बजट को अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने संतुलित और सकारात्मक बजट बताया है। जिला सोलन के कण्डाघाट में दमकल केन्द्र खोलने, सोलन में महिला छात्रावास स्थापित करने, सोलन में इंडोर स्टेडियम निर्मित करने, नगर परिषद कुनिहार को विकास कार्यों के लिए 50 लाख रुपए आबंटित करने तथा अर्की में पेयजल योजना के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

संजय अवस्थी ने बजट के सम्बन्ध में अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सीमित संसाधनों के बावजूद न केवल हिमाचल के विकास को सर्वोपरि रखा है अपितु यह सुनिश्चित भी बनाया है कि वर्तमान प्रदेश सरकार का यह तीसरा बजट हिमाचल के सभी वर्गों के कल्याण को सुनिश्चित बनाने में सहायक सिद्ध हो। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश के युवाओं के लिए बेहतर सम्भावनाओं के द्वार खोलने वाला सिद्ध होगा।

विधायक ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार व्यवस्था परिवर्तन के साथ आत्मनिर्भर हिमाचल की परिकल्पना को साकार करने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विभिन्न नवीन योजनाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित बना रहे हैं कि समाज के सभी वर्ग लाभान्वित होकर हिमाचल की आर्थिकी को सुदृढ़ कर सकें।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्नों ने प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया

संवाददाता
कठुआ

टाइनी स्कॉलर्स स्कूल ने पहली और दूसरी कक्षा के छात्रों के लिए एक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें रचनात्मकता और उत्साह को सबसे आगे लाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पीयूषा खजूरिया (केएएस), विशिष्ट अतिथि डॉ. सबाहत रफीक (सहायक प्रोफेसर), विशिष्ट अतिथि मीरा जसरोटिया और टाइनी स्कॉलर्स स्कूल की एमडी मनीषा गुप्ता मौजूद थीं। कार्यक्रम की शुरूआत ज्ञान के प्रतीक औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। छात्रों ने कार, डोगरी महिला, रक्त की बूंद, पेड़, मछली, शहीद भगत सिंह, झांसी की रानी और कई अन्य वेशभूषा में मंच पर अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। पीयूषा खजूरिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। डॉ. सबाहत रफीक ने बच्चों के आत्मविश्वास और सार्वजनिक बोलने के कौशल को बढ़ाने में ऐसी गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया। मीरा जसरोटिया ने समग्र शिक्षा के प्रति स्कूल के समर्पण की सराहना की।

सभा को संबोधित करते हुए एमडी मनीषा गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और विद्यार्थियों को इस तरह की मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा को तलाशने और सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। बाद में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार और भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

विजेताओं में ग्रुप ए (कक्षा 1) प्रथम पुरस्कार देवांग, द्वितीय पुरस्कार प्रगुन कश्यप और अहाना को दिया गया, तृतीय पुरस्कार स्मायरा और आव्या जबकि सांत्वना पुरस्कार तक्ष्वी पासुलेह, प्रीति और अवीर सक्सेना को दिया गया। इसी प्रकार ग्रुप बी (कक्षा 2) में प्रथम पुरस्कार सक्षम ज्योति को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार अमायरा गुप्ता और आतिफ खान जबकि तृतीय पुरस्कार रूहान और भावेश और सांत्वना पुरस्कारू तंजील, वेदांत बनोत्रा, मितांशु वर्मा, कुमाक्षी को दिया गया।

हरियाणा सरकार के कर्मचारियों को यूनिफाइड पेंशन स्कीम का दिया जाएगा लाभ

परियोजनाओं को मिलेगी गति, पीएम गति शक्ति की तर्ज पर बनेगा एक नया पोर्टल

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा 24 जनवरी 2025 को अधिसूचित की गई यूनिफाइड पेंशन स्कीम की तर्ज पर हरियाणा सरकार के कर्मचारियों को भी यूपीएस का लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री, जिनके पास वित्त मंत्रालय का प्रभार भी है, ने आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बजट प्रस्तुत करते हुए सदन में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में लागू की जा रही इस योजना के तहत कम से कम 10 हजार रुपये प्रतिमाह पेआउट तथा 30 प्रतिशत फैमिली पेआउट के रूप में दिया जायेगा। ये दोनों लाभ 10 वर्ष की न्यूनतम सेवा के उपरांत दिये जायेगें। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेआउट का पूरा लाभ 25 वर्ष की सेवा के उपरान्त मिलेगा। इस स्कीम का लाभ आज हरियाणा सरकार में सेवारत लगभग 2 लाख कर्मचारियों के लिए पर्याप्त संख्या में आवास उपलब्ध करवाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में सभी विभागों के रुके हुए और अधूरे कामों को युद्ध स्तर पर शुरू करके पूरा करवाया जाना सरकार की पहली प्राथमिकता रहेगी। इसके लिए पीएम गति शक्ति की तर्ज पर शीघ्र ही एक नया पोर्टल बनाया जायेगा। इसके माध्यम से इन कार्यों की प्रगति की लगातार समीक्षा सुनिश्चित होगी।

श्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में हर शहर में एक 4-5 किलोमीटर लम्बी सड़क को तथा हर जिले में एक 10-15 किलोमीटर लम्बी सड़क को स्मार्ट मार्ग बनाया जाएगा। इसी तरह हर शहर में एक पुराने बाजार का स्मार्ट बाजार के रूप में और हर गांव में एक गली का स्मार्ट गली के रूप में कायाकल्प किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में विधानसभा के कार्यकाल के दौरान हर विधायक को अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये की राशि का विशेष प्रावधान किया गया है। यह राशि तीन किश्तों में दी जायेगी। इसके लिए हर विधायक को अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए 5 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की एकमुश्त सूची अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर देनी होगी। इस सूची में से पहली किश्त में 1.5 करोड़ रुपये की राशि विधायक द्वारा दी गई वरीयता अनुसार तुरंत जारी की जायेगी। इसी प्रकार, दूसरी किश्त 1.5 करोड़ रुपये की तथा अंतिम किश्त 2 करोड़ रुपये की जारी की जाएगी। अगली किश्त की राशि पिछली दी गई राशि के 70 प्रतिशत उपयोग के उपरांत जारी की जायेगी।

भारतीय सेना देश की रीढ़ है: बंडारू दत्तात्रेय

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्र के प्रति अनुकरणीय सेवा के लिए भारतीय सेना और पूर्व सैनिकों की सराहना करते हुए कहा कि हमारी सेना देश की रीढ़ की हड्डी है, जो अटूट समर्पण के साथ इसकी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करती है।

राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय आज सोमवार को राजभवन में आयोजित सैनिकों, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के साथ संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि सशस्त्र बल रक्षा के क्षेत्र में अपनी भूमिका से परे, आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने, आपदा राहत में सहायता करने और दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (डॉ) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) और उनकी पत्नी श्रीमती नीलम मिश्रा भी मौजूद रही।

राज्यपाल ने कहा कि वीरता और प्रतिबद्धता के साथ सेवा करने वाले पूर्व सैनिक विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व, युवाओं को सलाह देने और कल्याणकारी पहलों का समर्थन करके समाज में योगदान देना जारी रखते हैं। उन्होंने कहा कि उनका बलिदान और दृढ़ता पीढ़ियों को प्रेरित करती है, देशभक्ति और निस्वार्थ सेवा की भावना को दशार्ती है जो राष्ट्र के ताने-बाने को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों में राष्ट्रवाद की भावना बहुत प्रेरणादायक है।

राज्यपाल श्री दत्तात्रेय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत का रक्षा क्षेत्र तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। केंद्र सरकार ने वन रैंक-वन पेंशन को लागू कर सैनिकों व पूर्व सैनिकों का सम्मान बढ़ाया है। राज्यपाल ने केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना के लाभों पर भी प्रकाश डाला। लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (डॉ) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) ने भी ओआरओपी योजना को लागू करने की प्रतिबद्धता को पूर्ण करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की, जो जवानों के लिए वरदान साबित हुई है। एक सेवारत सैन्य अधिकारी के रूप में अपने अनुभव साझा करते हुए, एलजी ब्रिगेडियर (डॉ) बीडी मिश्रा ने कहा कि हमने कभी अपने बारे में नहीं सोचा, बल्कि राष्ट्र और तिरंगे के बारे में सोचा। हमने सभी बाधाओं और चुनौतियों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उन्होंने सैनिकों और पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपने युद्ध लड़े हैं, आप बहादुर हैं। आइए हम अपने साथी नागरिकों के लिए कुछ करें। समाज को कुछ देने के लिए केवल थोड़ा सा प्रयास करना पड़ता है, जिसके लिए हमें परिस्थितियों को समझने की जरूरत है।

मशहूर कॉमेडियन बौना कलाकार दर्शन को रेप के मामले में 20 साल सजा

संवाददाता
हिसार

एडीजे सुनील जिंदल की अदालत ने हरियाणा के मशहूर कॉमेडियन बौना कलाकार दर्शन को नाबालिग से रेप के मामले में 20 साल की सजा सुनाई है। इसके अलावा कोर्ट ने दोषी पर एक लाख सात हजार रुपए का जुमार्ना भी किया है और इसके लिए एक साल तक का समय दिया है। अदालत ने उसे 11 मार्च को दोषी करार देते हुए 13 मार्च को सजा दिन तय किया गया था, जिसे बाद में 17 मार्च तक टाल दिय गया था। अदालत ने सोमवार को इस मामले में अपना फैसला सुनाया।

जिले के अग्रोहा थाने में दर्ज इस मामले में इस समय उक्त कॉमेडियन दर्शन जमानत पर चल रहा था। सजा सुनाए जाने पर कोर्ट से बाहर आते समय दोषी मुंह छिपाते नजर आया। अदालत के फैसले के अनुसार कॉमेडियन दर्शन को पोक्सो एक्ट में 20 साल सजा व एक लाख जुमार्ना, धारा 363 में तीन साल सजा व पांच हजार जुमार्ना, धारा 343 में एक साल सजा व एक हजार जुमार्ना तथा धारा 506 में दो साल सजा व एक हजार जुमार्ना लगाया गया है। मामले के अनुसार सितंबर 2020 को अग्रोहा क्षेत्र के एक गांव की महिला ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ रेप करने की शिकायत पुलिस को दी थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी कलाकार को भी गिरफ्तार किया था। हालांकि बाद में उसे जमानत मिल गई थी।

पीड़िता की वकील रेखा मित्तल ने बताया कि दर्शन यूट्यूब पर अपनी कॉमेडी वीडियो बनाता था। पिछले कई दिनों से वह नाबालिग लड़की को एक्ट्रेस बनाने का झांसा दे रहा था। इसी के चलते 21 सितंबर 2020 को दर्शन ने नाबालिगा को फोन कर कहा कि एक वीडियो शूट करनी है, जिसमें उसका भी रोल है। नाबालिग लड़की दर्शन के घर गई। इसके बाद उसे वह और उसका भाई बाइक पर एक जगह ले गए।

सिरसा और फतेहाबाद जिला में गंभीर रूप धारण करती जा रही है नशे की समस्या: कुमारी सैलजा

संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा खासकर सिरसा और फतेहाबाद जिला में नशे की समस्या गंभीर रूप धारण करती जा रही है। एक ओर जहां घर के घर उजड़ते जा रहे है वहीं नशे की ओवर डोज से युवाओं की मौत का सिलसिला जारी है। जबकि सरकार गांवों के नशा मुक्त होने का पंचायतों से जबरन प्रस्ताव पारित करवाकर अपनी पीठ थपथपा रही है, नशा न तो कल रूका था न आज रूक रहा है, अगर शासन और प्रशासन ऐसे ही काम करता रहा तो आगे भी नशे का धंधा फलता-फूलता रहेगा।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में नशा नासूर की तरह फैल रहा है, नशे से युवा मौत का शिकार हो रहे है तो घर के घर बरबाद हो रहे हैं। नशा पंजाब और राजस्थान के साथ लगते हरियाणा के लोकसभा क्षेत्रों में अधिक प्रभावी है। हिसार, सिरसा, भिवानी-महेंद्रगढ़, अंबाला और कुरुक्षेत्र आदि इससे प्रभावित है, इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के साथ लगते करनाल, सोनीपत, फरीदाबाद व गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्रों में भी नशीले पदार्थ काफी बिक रहे हैं। जित दूध दही का खाणा, वह मेरा हरियाणा के नाम से पहचान बनाने वाले प्रदेश की आज की तस्वीर काफी डरावनी है। प्रदेश के कुल 22 जिलों में 13 जिले बुरी तरह से नशे की चपेट में हैं और ये जिले नशे के हॉट स्पाट बन चुके हैं। सरकार इस मामले में हाथ पर हाथ रखकर बैठी रही, अगर सरकार चाहती तो नशा तस्कर इस जमीन पर खड़े तक नहीं हो सकते थे।

कुमारी सैलजा ने कहा कि पंजाब को उड़ता पंजाब के नाम से जाना जाने लगा और अब हरियाणा की भाजपा सरकार ने इस प्रदेश को नशे में उड़ता हरियाणा में तब्दील कर दिया। सरकार का नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ये स्वीकार कर रहा है कि प्रदेश के 22 में से 13 जिले नशे की भयानक चपेट में हैं। पर हालात देखकर लग रहा है कि आज पूरा प्रदेश नशे का हब बन चुका है। सरकार को प्रदेश के युवाओं की कोई फिक्र ही नहीं है। भाजपा सरकार ने दस साल के कार्यकाल में प्रदेश को नशा, अपराध और बेरोजगारी का हब बनाकर रख दिया है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा और फतेहाबाद जिला के नशे की ओवरडोज से एक के बाद एक युवाओं की मौत हो रही है। रोडी क्षेत्र में दो माह में करीब युवाओं की मौत हो चुकी है, रतिया क्षेत्र में भी नशे की ओवरडोज से अनेक युवाओं की मौत हो चुकी है। शहरों के साथ अब गांवों में भी सिंथेटिक नशा पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नशा मुक्ति केंद्रों के हालात भी खराब हैं और प्रदेश में मनोचिकित्सकों की संख्या भी कम है। कांग्रेस ने हर बार इस मुद्दे को उठाती रही है। नशा करने वालों में युवाओं के साथ महिलाओं की भी तादाद बढ़ी है।

संक्षिप्त-समाचार

पानीपत में 800-800 मेगावॉट बिजली प्लांट लगाने की प्रक्रिया शुरू

पानीपत। हरियाणा बजट 2025 में पानीपत को कोई नई सौगात नहीं मिली। सिवाय इसके कि पानीपत में 800-800 मेगावॉट के दो अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल परियोजना लगाए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बता दें कि पानीपत में चार यूनिटों के पुराना होने के कारण 2015 में बंद करने का निर्णय लिया था और 30 जून 2016 को सभी चार यूनिटों को बंद कर दिया गया था । विपक्ष के नेता जितेंद्र जुनेजा ने बताया कि सरकार द्वारा पानीपत की हमेशा उपेक्षा की जाती रहीं है और 2025 के बजट में भी पानीपत को कुछ न देकर यह सरकार द्वारा पानीपत का अपमान है।जबकि पानीपत से सरकार को सबसे ज्यादा रिवेन्यू जाता है और तो ओर पानीपत से दो दो मंत्री होते हुए बजट में पानीपत को नजरअंदाज करना कुछ ओर कहानी बयां करता है। उन्होंने कहा कि पानीपत में बिजली की दो यूनिट लगाने से पानीपत को क्या फायदा होगा। भाजपा के जिला अध्यक्ष दुष्यन्त भट्ट ने बजट 2025पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हरियाणा का बजट आम आदमी से लेकर नौकरशाह, व्यापारी, उद्योगपति , सभी को ध्यान में रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा तैयार किया है , ओर इस वर्ष का बजट ओर वर्षों की तुलना में काफी अच्छा बजट है।व्यापारी संजय नंदवानी ने बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार ने पानीपत को कुछ न देकर सौतेला व्यवहार किया है। जबकि पूरे हरियाणा में सबसे ज्यादा रिवेन्यू पानीपत देता है। आगे उन्होंने कहा कि अगर सरकार पानीपत को कुछ नहीं देती तो है तो पानीपत से रिवेन्यू भी न ले , पानीपत को विकसित बनाने के लिया यहां से जाने वाले रिवेन्यू के आधे में ही हम पानीपत को पेरिस बना देंगे।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, ससुरालजनों पर हत्या का लगाया आरोप

फतेहाबाद। जिले के रतिया उप मंडल के गांव अलीका में संदिग्धों परिस्थितियों में एक विवाहित महिला की मौत हो गई। इस मामले में सोमवार को पंजाब से पहुंचे मृतका के परिजनों व अन्य रिश्तेदारों ने मृतक के पति सहित अन्य ससुरालजनों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया। सूचना मिलने पर रतिया सदर पुलिस व सीन ऑफ क्राइम के इंचार्ज जोगिंदर सिंह गांव में घटना स्थल पर पहुंचे और मौके का जायजा लिया। बाद में महिला की शव को पोस्टमार्टम के लिए रतिया नागरिक अस्पताल में लाया गया जहां पर पुलिस ने मृतक महिला के परिजनों के बयानों के आधार पर पति सहित ससुरालजनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया। पुलिस को दिए बयानों में भाई गुरप्रीत व परिजनों ने बताया कि गांव दलेलवाला जिला मानसा निवासी दर्शन चंद की पुत्री रचना की शादी लगभग 14 वर्ष पहले गांव अलीका निवासी नानक चंद के बेटे सचिन उर्फ राजू के साथ हुई थी। परिजनों ने आरोप लगाया कि शादी के बाद इस दंपति को एक लडका व एक लडकी भी हुए लेकिन पति सचिन व इसके ससुरालजन रचना को दहेज के लिए प्रताड़ित करते रहते थे और कई बार मामले को लेकर पंचायती भी हुई थी। महिला के परिजनों ने आरोप लगाया कि पति सचिन द्वारा बार-बार ससुरालजनों से दहेज की मांग की जाती थी और वह कई बार उसकी डिमांड पूरी भी कर देते थे। कुछ दिन पहले भी पति ने अपने जन्मदिन पर तीन तोले सोना और 10 हजार की डिमांड की थी जिस पर वह सचिन को तीन तोले सोना देकर गए थे और 10 हजार रुपये गूगल पे में भी डाल दिया था लेकिन इसके बाद भी उसकी डिमांड खत्म नहीं हुई। परिजनों ने आरोप लगाया कि रविवार शाम उनके पास रचना के ससुराल से फोन आया की रचना को हार्ट अटैक आ गया और उसकी मौत हो गई है। इसके बाद सभी रिश्तेदार गांव अलीका में आ गए थे। सोमवार को उसके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। परिजनों ने आरोप लगाते हो कहा कि जब रचना को नहलाया जा रहा था तो उन्होंने देखा कि उसके गर्दन व शरीर पर चोट के निशान है जिससे आशंका हुई कि रचना की उसके पति व अन्य ससुराल वालों ने गला घोटकर हत्या की है। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही रतिया सदर थाना अध्यक्ष राजवीर सिंह भी मौके पर पहुंच गए।

राज्यपाल को हरियाणा लोक सेवा आयोग ने 58 वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय से आज राजभवन में हरियाणा लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री आलोक वर्मा के नेतृत्व में आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 323 की अनुपालना में राज्यपाल को वर्ष 2023-2024 की 58वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने राज्यपाल को 58वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि रिपोर्ट में आयोग द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण दशार्या गया है। उन्होंने राज्यपाल को रिपोर्ट के कुछ मुख्य बिंदुओं से अवगत करवाते हुए बताया कि आयोग ने वर्ष 2023-24 में विभिन्न पदों के लिए कुल 50 विज्ञापन जारी किए। आयोग ने वर्ष 2023-24 में रिकार्ड भर्ती कर कुल 1831 उम्मीदवारों को ग्रुप-ए और बी के पदों पर चयन करते हुए अनुशंसा सरकार को भेजी गई। आयोग ने इसके लिए वर्ष भर में 23 छटनी परीक्षाएं, 25 विषय ज्ञान परीक्षाएं व 62 साक्षात्कार आयोजित किए हैं।

आयोग के सचिव श्री मुकेश कुमार आहुजा ने बताया कि आयोग का मुख्य कार्य सरकार की मांग के अनुसार ग्रुप-ए और बी के विभिन्न पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन/भर्ती करना है। इसके अतिरिक्त आयोग सरकार को हरियाणा सिविल सेवाएं (दण्ड एवं अपील) नियम-2016 के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाही के मामलों व विभिन्न विभागों के सेवा नियम बनाने व उनमें संशोधन करने के मामलों में भी अपना परामर्श देता है। इन सभी मामलों का विवरण भी वार्षिक रिपोर्ट में शामिल है। इस रिपोर्ट में आयोग का संक्षिप्त इतिहास, उसके मुख्य कार्यों, आयोग द्वारा अपनाई गई भर्ती प्रक्रिया, आयोग के खर्चों व आर०टी०आई० के अन्तर्गत निपटाए गए मामलों का सम्पूर्ण विवरण दिया गया है।

बजट में जनता को मिली राहत और खुशहाली: जगमोहन गोयल

एजेंसी (हि.स.)
पलवल

भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) के वरिष्ठ नेता जगमोहन गोयल ने राज्य के वित्त मंत्री नायब सिंह द्वारा पेश किए गए पहले बजट की सराहना की। उन्होंने इसे प्रदेश की जनता के लिए एक ऐतिहासिक और लाभकारी बजट बताया, जो हर वर्ग के लिए सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा।

गोयल ने सोमवार को कहा कि वित्त मंत्री नायब सिंह ने इस बजट में न केवल आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, बल्कि आम आदमी, किसान, व्यापारी और युवाओं के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की हैं। उन्होंने विशेष रूप से प्रदेश के किसानों के लिए दी गई योजनाओं की सराहना की, जिनसे उनकी आय में वृद्धि हो सकेगी। इसके अलावा, छोटे व्यापारियों और व्यापारियों को राहत देने के लिए बजट में कई प्रावधान किए गए हैं। गोयल ने कहा कि बजट में बेरोजगारी के मुद्दे पर भी गंभीरता से विचार किया गया है। युवाओं को रोजगार देने के लिए विशेष योजनाओं का एलान किया गया है, जिससे प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं को अपनी मेहनत का सही मूल्य मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए निवेश से प्रदेश में समग्र विकास होगा। बजट में किए गए फैसलों से राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और प्रदेश को नई ऊँचाइयों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री नायब सिंह के पहले बजट को लेकर भाजपा नेता जगमोहन गोयल ने इसे राज्य के विकास और जनता की भलाई के लिए एक निर्णायक कदम बताया और इस बजट को लेकर जनता में खुशी की लहर का स्वागत किया।

हरियाणा का नया बजट विकास की नई दिशा: मेयर राजीव जैन

एजेंसी (हि.स.)
सोनीपत

हरियाणा विधानसभा में प्रस्तुत 2025-26 के बजट को सोनीपत के मेयर राजीव जैन ने सोमवार को प्रदेश के लिए ऐतिहासिक और दूरदर्शी बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को इस संतुलित बजट के लिए बधाई दी।

मेयर जैन ने शिक्षा में डिजिटल सुधारों, बुनियादी सुविधाओं और रोजगारपरक प्रशिक्षण योजनाओं की सराहना की। बजट में स्कूल शिक्षा विभाग को 17,848.70 करोड़, उच्चतर शिक्षा विभाग को 3,874.09 करोड़ और आईटीआई विभाग को 574.03 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में 15 मेडिकल कॉलेज, 10 दंत चिकित्सा कॉलेज और 111 नर्सिंग कॉलेज कार्यरत हैं। एमबीबीएस की सीटें 2,185, पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री की 1,043 और डीएम/एमसीएच की 37 कर दी गई हैं। कई जिला अस्पतालों को अपग्रेड करने का प्रस्ताव रखा गया है।

बजट में औद्योगिक संपदाओं में इनक्यूबेशन सेंटर और मल्टी-लेवल पार्किंग की सुविधा देने की योजना है। एक ब्लॉक, एक उत्पाद योजना के तहत 10 नए औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। आईएमटी खरखौदा की तर्ज पर 10 नए आईएमटी स्थापित किए जाएंगे। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत लिंगानुपात 868 से बढ़कर 910 हुआ।

पांच करोड़ रुपए की लागत से सात किमी. लंबी रोड होगी चौड़ी, भाजपा नेताओं ने आज रोड को चौड़ा करने के कार्य का शुभारंभ किया

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के प्रयासों से टांगरी बांध रोड को चौड़ा करने का कार्य प्रारंभ, वाहन चालकों को मिलेगा फायदा

संवाददाता
अम्बाला/चंडीगढ़

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज के प्रयासों से आठ किलोमीटर लंबी टांगरी बांध रोड को चौड़ा करने का कार्य सोमवार को प्रारंभ कर दिया गया है। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पार्षद श्याम सुंदर अरोड़ा ने कई भाजपा पार्षदों व कार्यकताओं की मौजूदगी में नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। दोपहर महेश नगर पंप हाउस के निकट निर्माण कार्य प्रारंभ करने के कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेताओं ने ह्लअनिल विज जिंदाबादह्व के नारे लगाते हुए कार्य की शुरूआत की।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज के प्रयासों से सात किलोमीटर लंबी रोड को लगभग पांच करोड़ रुपए की लागत से चौड़ा किया जाएगा। यह कार्य प्रारंभ आज प्रारंभ हो चुका है जिसे बहुत जल्द पूरा कर लिया जाएगा। पहले रोड 18 फुट चौड़ी थी और अब इसकी चौड़ाई बढ़ाकर 21 फुट की जा रही है। रोड के चौड़ा होने वाहन चालकों को इसका सर्वाधिक लाभ मिलेगा। महेशनगर पंप हाउस से लेकर रामगढ़ माजरा तक रोड चौड़ी होगी।

रोड चौड़ा करने के कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेताओं ने खुशी जताई और कहा कि कैबिनेट मंत्री अनिल विज के प्रयासों से पहले टांगरी बांध रोड बनाते हुए जनता को बहुत बड़ा लाभ दिया गया। इस रोड के बनने से वाहन चालकों का जगाधरी रोड तक आना-जाना पहले से भी ज्यादा आसान

हो गया है। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन रितेश अग्रवाल के अलावा भाजपा पार्षद श्याम सुंदर अरोड़ा के अलावा, संजीव अत्री, गौरव सैनी, रमन छतवाल, पूर्व पार्षद नरेश शर्मा, आरती सहगल, रंजू वर्मा, अजय महाजन, दीपक कुमार, बद्री प्रसाद, राजकुमार, अमित, सचिन, रोहित धीमान, गौतम, अमन आदि मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज के प्रयासों से बहुत जल्द टांगरी बांध रोड को अब जीटी रोड से भी जोड़ दिया जाएगा। जीटी रोड से टांगरी बांध रोड को जोड़ने का कार्य प्रगति पर है जोकि बहुत जल्द पूरा कर लिया जाएगा। इस रोड के बनने से लोग जगाधरी रोड से सीधा जीटी रोड पर आ-जा सकेंगे। इससे पहले छावनी क्षेत्र में जगाधरी रोड से जीटी रोड तक केवल स्टाफ रोड मुख्य रोड थी। मगर अब भविष्य में नई रोड बनने से वाहन चालकों को फायदा होगा। टांगरी बांध से जीटी रोड तक बनने वाली रोड अम्बाला-सहारनपुर रेलवे लाइन से होते हुए सेक्टर 33-34 से होकर जीटी रोड से जुड़ेगी। रोड बनने से शाहपुर, मच्छौंडा, चंद्रपुरी, घसीटपुर, सुंदर नगर, सेक्टरवासियों को शहर की ओर आने जाने में बहुत लाभ मिलेगा।

संपादकीय

वैश्विक गुरू पीएम मोदी ने अपने 3 घंटों के लंबे इंटरव्यू में अमेरिका, चीन, पाकिस्तान और एआई पर किये बड़े खुलासे!

वैश्विक गुरू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अमेरिकी पॉडकास्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विशेषज्ञ लेक्स फ्रिडमैन को एक विशेष साक्षात्कार दिया। यह साक्षात्कार तीन घंटे से अधिक समय तक चला, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन, राजनीतिक यात्रा, वैश्विक राजनीति, भारत-पाकिस्तान संबंध, चीन के साथ संबंधों और अन्य प्रमुख विषयों पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से रखते हुए, भारत के विकास, विश्व शांति और वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। आइए इस इंटरव्यू के प्रमुख बिंदुओं को विस्तार से समझें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने प्रारंभिक जीवन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ अपने जुड़ाव और राजनीति में उनके प्रवेश के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने संघर्षों और चुनौतियों का सामना करते हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सेवा और समर्पण की भावना के साथ काम करने से ही समाज और राष्ट्र की प्रगति संभव है। उन्होंने बताया कि उनका राजनीतिक सफर साधारण परिवेश से शुरू हुआ, लेकिन दृढ़ निश्चय, अनुशासन और कठोर परिश्रम के चलते वे देश के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समर्पण, लगन और ईमानदारी जरूरी होती है। उनका मानना है कि प्रत्येक भारतीय के पास देश के विकास में योगदान देने की अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी मित्रता पर बात की। उन्होंने ह्यूस्टन में आयोजित 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम का उल्लेख किया, जिसमें ट्रंप ने उनके साथ मंच साझा किया था। मोदी ने इस कार्यक्रम को भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने कहा कि वह 'इंडिया फर्स्ट' में विश्वास रखते हैं, जबकि ट्रंप 'अमेरिका फर्स्ट' में, और इसी कारण दोनों के संबंध अच्छे रहे हैं। भारत और अमेरिका के संबंधों पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश लोकतंत्र, नवाचार और वैश्विक स्थिरता को मजबूत करने की दिशा में एक साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे भारत और अमेरिका की साझेदारी विज्ञान, तकनीक, रक्षा और व्यापार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और पाकिस्तान के बीच के संबंधों पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत हमेशा शांति और सह-अस्तित्व का पक्षधर रहा है। उन्होंने 2014 में अपने शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित करने का जिक्र किया, जिससे दोनों देशों के बीच शांति वार्ता को बढ़ावा मिल सके। हालांकि, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के बावजूद शांति और सौहार्द की नीति पर चलता रहेगा। भारत का मुख्य उद्देश्य अपने नागरिकों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत ने हमेशा वार्ता और कूटनीति को प्राथमिकता दी है और आगे भी सकारात्मक संबंध स्थापित करने के लिए तत्पर रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और चीन के बीच के संबंधों पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को प्रतिस्पर्धा को प्राथमिकता देनी चाहिए, न कि टकराव को। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी कई बार मुलाकात हो चुकी है, और बातचीत के माध्यम से आपसी समस्याओं को हल करने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 2020 के बाद दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली में समय लगेगा, लेकिन भारत शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में कार्यरत है। उन्होंने बताया कि चीन और भारत, दोनों ही प्राचीन सभ्यताएं हैं और दोनों देशों के पास मिलकर काम करने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने इस बात को दोहराया कि आर्थिक और व्यापारिक सहयोग से ही दोनों देशों के संबंध और मजबूत हो सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक राजनीति में संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान इन संगठनों की प्रभावशीलता पर संदेह उत्पन्न हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व के स्थायित्व के लिए बनाई गई संस्थाएं प्रासंगिकता खो रही हैं, और इन्हें समयानुसार सुधारने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत वैश्विक नेतृत्व में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुसार खुद को ढालना होगा और विकासशील देशों की आवाज को अधिक महत्व देना होगा। लेक्स फ्रिडमैन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखते हैं, इसलिए इस विषय पर चर्चा होना स्वाभाविक था। प्रधानमंत्री मोदी ने एआई की महत्ता को स्वीकार करते हुए कहा कि यह तकनीक मानवता के लिए कई अवसर प्रदान कर सकती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई का उपयोग समाज के लाभ के लिए होना चाहिए, और इसे नैतिक सिद्धांतों के साथ विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत में डिजिटल क्रांति के चलते एआई, रोबोटिक्स, और डेटा साइंस के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने युवाओं को इन क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि भारत आने वाले वर्षों में तकनीकी नवाचारों का केंद्र बनेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, योग और आयुर्वेद के महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे योग ने वैश्विक स्तर पर लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मानसिक और आध्यात्मिक विकास का भी माध्यम है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर गर्व जताया कि योग को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी गई है। उन्होंने भारतीय परंपराओं, संस्कृति और आध्यात्मिकता की भूमिका को भी रेखांकित किया और बताया कि कैसे भारत अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी आधुनिक तकनीक और नवाचार में अग्रसर हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष: आप नए संबंधों की शुरूआत कर सकते हैं। व्यवसायिक स्तर पर महत्वपूर्ण अनुबंध मिलने की संभावना है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। मानसिक तनाव में कमी आएगी और मेहनत का सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

वृषभ: आपके व्यवहार में विनम्रता और सरलता बनी रहेगी। सामाजिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रख सकते हैं। कठिनाइयों का डटकर सामना करेंगे। बातचीत में शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। युवा प्रेम संबंधों को अधिक समय देंगे। सरकारी कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं।

मिथुन: आप पुरानी गलतियों में सुधार करने की कोशिश करेंगे। स्वभाव में सहजता बनाए रखें। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़ा चिंतित रह सकते हैं। कार्यभार अधिक रहेगा, जिससे मानसिक दबाव महसूस कर सकते हैं। नया वाहन खरीदने की संभावना बन रही है।

कर्क: आज आपका दिन उल्लास से भरा रहेगा। दांपत्य जीवन में चली आ रही परेशानियां समाप्त होंगी। व्यापार में कोई बड़ा जोखिम उठाने से बचें। आत्मप्रशंसा करने से बचें, कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। अधिक स्वार्थी होने से बचें। संतान के विवाह से जुड़ी चिंताएं समाप्त हो सकती हैं।

सिंह: आपकी सोच संतुलित और सकारात्मक रहेगी। व्यापार में वृद्धि होने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रियजन से मन की बात साझा कर सकते हैं। पिता से सराहना मिलेगी। घर के लिए नया सामान खरीदने का योग बन सकता है।

कन्या: व्यवसाय में पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक होगा। कार्यस्थल पर आपको नई जिम्मेदारी या उच्च पद मिल सकता है। जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। विदेश यात्रा से लाभ होगा। वरिष्ठ अधिकारियों से अच्छे संबंध स्थापित होंगे। संवाद कौशल की सराहना होगी।

तुला: आप किसी नए काम की शुरूआत कर सकते हैं। कला और रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। साझेदारी के व्यापार में लाभ होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम और समर्पण बढ़ेगा। प्रेम संबंधों में उत्पन्न गलतफहमियां दूर होंगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

वृश्चिक: राजनीति से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों का ध्यान भटक सकता है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। पैरों में दर्द की समस्या हो सकती है। किसी दुविधा का समाधान मिलेगा। महंगी वस्तुएं खरीदते समय सतर्कता बरतें।

धनु: आज कार्यभार अधिक रहेगा, जिससे व्यस्तता बनी रहेगी। वरिष्ठ अधिकारी आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। परिवार के सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे। विवाहेतर संबंधों से दूर रहें। प्रभावशाली लोगों से सहयोग मिलेगा। शेयर बाजार से आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है।

मकर: आज रुके हुए कार्य पूर्ण हो सकते हैं। कार्यस्थल पर संतुष्टि मिलेगी। पारिवारिक माहौल सहयोगात्मक रहेगा। वित्तीय मामलों के लिए दिन अनुकूल है। अनजान लोगों पर अत्यधिक विश्वास करने से बचें। कुछ लोग आपकी निजी बातों को जानने की कोशिश कर सकते हैं।

कुंभ: धार्मिक और आध्यात्मिक चिंतन के लिए दिन अनुकूल रहेगा। बच्चों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। सरकारी कार्यों में कुछ बाधाएं आ सकती हैं। जीवनसाथी की कुछ बातें अप्रिय लग सकती हैं। छात्र उच्च शिक्षा को लेकर गंभीर रहेंगे। कार्यस्थल पर कोई महत्वपूर्ण कार्य अटक सकता है।

मीन: आज आराम करने पर ध्यान दें। कुछ लोग आपको भड़काने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन संयम बनाए रखें। अपनी प्रतिष्ठा को लेकर सतर्क रहें। कार्य योजनाओं में विलंब हो सकता है। आध्यात्मिक विषयों में रुचि बढ़ सकती है। माता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कांग्रेस गठबंधन शासित राज्यों में तुष्टीकरण की स्पर्धा

रमेश शर्मा (हि.स.)

कांग्रेस और उनके गठबंधन वाली विभिन्न सरकारों में हिन्दू हितों को सीमित करके मुस्लिम तुष्टीकरण की मानों कोई स्पर्धा चल रही है। मुस्लिम तुष्टीकरण की दिशा में एक सरकार कोई घोषणा करती है तो दूसरी सरकार उसका अनुसरण करते हुये और नई सौगात दौड़कर नया इतिहास बना रही है। इसे हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, कर्नाटक, केरल आदि सरकारों की घोषणाओं से समझा जा सकता हैं। वास्तव में मुस्लिम तुष्टीकरण की यह स्पर्धा देश के नौ प्रदेशों में चल रही है। इनमें कांग्रेस अथवा उनके गठबंधन दलों की सरकारें हैं। इनमें कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और झारखंड प्रमुख हैं। ये सरकारें दोनों प्रकार से तुष्टीकरण कर रही हैं। एक ओर मुस्लिम हितों का संवर्धन और दूसरी ओर हिन्दू हितों का शोषण। इसके लिए, हिमाचल प्रदेश सरकार का नया निर्णय सामने आया है।

हिमाचल प्रदेश सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण का बजट तो बढ़ाया लेकिन सरकार की दो योजनाओं का व्यय मंदिर ट्रस्ट के कंधे पर डाल दिया है। हिमाचल प्रदेश ही नहीं देशभर के अधिकांश मंदिरों ट्रस्ट के संचालन पर राज्य सरकारों का नियंत्रण होता है। यह हिमाचल प्रदेश में भी है। हिमाचल सरकार ने इसी का लाभ उठाया है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी बड़े मंदिरों को पत्र लिखकर दो योजनाओं में आर्थिक सहायता मांगी है। इस पत्र के साथ ही मंदिर ट्रस्ट से जुड़े अधिकारियों ने सूची बनाकर इन मंदिरों से प्राप्त होने वाली कुल राशि का आकलन कर लिया है। इससे कई कदम आगे अब कर्नाटक सरकार ने अपने बजट में मुस्लिम समाज को सशक्त बनाने के लिए, घोषणाओं की झड़ी लगा दी है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के पास वित्त विभाग भी है। उन्होंने पिछले दिनों वर्ष 2025-26 केलिये अपनी सरकार का बजट प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने बजट में मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए एक दो नहीं कुल तेरह योजनाओं की घोषणा की हैं। इसमें सबसे बड़ी घोषणा है सरकारी ठेकों में मुस्लिम ठेकेदारों को चार प्रतिशत आरक्षण देना। इस निर्णय के साथ ही अब कर्नाटक के शासकीय, अर्ध शासकीय निर्माण कार्य के ठेकों में चार प्रतिशत कार्य मुस्लिम ठेकेदारों को ही दिये जायेंगे। अब तक विभिन्न राज्य सरकारों ने सरकारी नौकरियों में तो मुसलमानों को आरक्षण का प्रावधान किया है। लेकिन ठेकों में आरक्षण देने की घोषणा करने वाला कर्नाटक पहला राज्य बन गया है। सरकारी ठेकों में मुस्लिम आरक्षण की घोषणा के साथ कर्नाटक में इमामों को छह हजार रुपये मासिक भत्ता देने, मुस्लिम लड़कियों के लिए 15 नए महिला महाविद्यालय खोलने की घोषणा भी की है। ये नये महाविद्यालयों का निर्माण वक्फ की जमीन पर होगा। लेकिन इनके निर्माण कार्य पर पूरा पैसा सरकार लगाएगी। इनके संचालन में वक्फ बोर्ड की भूमिका प्रमुख होगी।

तुष्टीकरण की अन्य घोषणाओं में अल्पसंख्यक समाज के सामूहिक विवाह आयोजित करने वाले अशासकीय संगठनों को प्रति जोड़े पचास हजार रुपये की राशि देने, 250 मौलाना आजाद मॉडल इंग्लिश मीडियम स्कूल में चरणबद्ध तरीके से 'प्री-प्राइमरी' से पूर्व विश्वविद्यालय कक्षाएं शुरू करने, उर्दू माध्यम की शिक्षा देने वाले सौ विद्यालयों को अनुदान के रूप में सौ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना पर कुल चार सौ करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित है। इसमें सौ करोड़ की राशि इस वर्ष के लिए है। कर्नाटक के विभिन्न नगरों में अल्पसंख्यक समाज केलिये अलग कॉलोनियों का विकास होगा। इस मद पर एक हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है।

वक्फ संपत्तियों और कब्रिस्तानों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सरकार 150 करोड़ रुपये व्यय करेगी। मुस्लिम सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए 50 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में नए आईटीआई कॉलेज की स्थापना की जाएगी ताकि मुस्लिम समाज के बच्चों का 'स्किल डेवलपमेंट हो सके। इनमें मुस्लिम छात्रों के लिए 50 प्रतिशत शुल्क की छूट दी जाएगी। इसके अतिरिक्त उलाल नगर में मुस्लिम लड़कियों के लिए आवासीय महाविद्यालय की स्थापना की जाएगी। जो मुस्लिम छात्र विदेश जाकर पढ़ना चाहते हैं उनके लिए छात्रवृत्ति में वृद्धि की जायेगी। बेंगलुरु नगर के हज भवन का विस्तार किया जायेगा। इसके साथ मुस्लिम छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने की भी घोषणा की गई है।

कर्नाटक सरकार का कुल बजट 4.09 करोड़ रुपये का है। इसमें मुस्लिम और ईसाई समाज को लगभग 4700 करोड़ का प्रावधान किया गया है। एक सामान्य नागरिक की भांति कर्नाटक के अल्पसंख्यक समाज को अन्य प्रावधानों के लाभ तो मिलेंगे ही। इनके साथ अल्पसंख्यक कल्याण के इन प्रावधानों का अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा मुस्लिम तुष्टीकरण की ये घोषणाएं पहली नहीं हैं। कर्नाटक सरकार धर्म के आधार पर मुस्लिम समाज को चार प्रतिशत आरक्षण की घोषणा पहले की जा चुकी है। मुस्लिम समाज को यह चार प्रतिशत आरक्षण हिन्दुओं के ओबीसी समुदाय के आरक्षण कोटे से दिया जाना है। ओबीसी हिन्दू समाज का एक वर्ग समूह है। इस वर्ग केलिये आरक्षण कोटे की सीमा 32 प्रतिशत है। इस वर्ग में मुस्लिम समाज को शामिल करने का अर्थ है हिन्दू समाज के ओबीसी समूह के हितों में चार प्रतिशत की कटौती हो जाएगी। कर्नाटक में ओबीसी कोटे से मुसलमानों को यह आरक्षण कांग्रेस ने पहले भी लागू किया था। लेकिन बीच में भाजपा सत्ता में आई तो ओबीसी कोटे से मुसलमानों को आरक्षण दिए जाने इस निर्णय को बदल दिया था। लेकिन कर्नाटक में दोबारा कांग्रेस की सरकार आई तो यह निर्णय पुनः लागू हो गया। कर्नाटक सरकार द्वारा की गई इन नई घोषणाओं में उलेमाओं के उस तेरह सूत्रीय मांगपत्र की झलक है जो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जारी हुआ था। उसमें उर्दू भाषा के विकास, सरकारी ठेकों में प्राथमिकता, मुस्लिम कॉलोनी के विकास आदि की मांगे शामिल थीं। एक मांग में थोड़ा अंतर आया है। तब उलेमाओं ने सेना और पुलिस भर्ती में मुसलमान युवकों को प्राथमिकता देने की मांग की थी। कर्नाटक सरकार की घोषणा में यह बिन्दु तो नहीं है। लेकिन मुस्लिम लड़कियों को 'आत्मरक्षा प्रशिक्षण' की घोषणा की गई है। इससे उनकी क्षमता में वृद्धि होगी जो पुलिस एवं सेना की भर्ती स्पर्धा में लाभ देगा।

कर्नाटक राज्य के बजट की एक विशेषता और है। इस बजट में एक ओर अल्पसंख्यक कल्याण के लिये उदारता से नई नई घोषणाएं की गई हैं। वहीं, दूसरी ओर सरकार के खजाने में मंदिरों से होने वाली आय में वृद्धि का आकलन किया गया है। कर्नाटक के मंदिरों से होने वाली इस आय वृद्धि पर यद्यपि सरकार ने कुछ नहीं कहा लेकिन कर्नाटक के अर्थशास्त्रियों के आकलन के अनुसार इस वर्ष कर्नाटक सरकार को मंदिरों से होने वाली आय में चार प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है। मंदिरों में होने वाली आय का मुख्य स्त्रोत श्रद्धालुओं का दान चढ़ावा होता है। जाग्रति के साथ मंदिरों में जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ रही है और दान का औसत भी। इसी के कारण यह वृद्धि अनुमानित है। अन्य राज्यों की भांति कर्नाटक में भी सरकार अनेक मंदिर ट्रस्ट संचालन में सहभागिता है। यह आय इन्हीं मंदिरों से होती है। इससे स्पष्ट है कि सरकार मंदिरों से तो धन लेगी और मुस्लिम तुष्टीकरण पर व्यय करेगी।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

हिन्दू धर्म, उपवास और प्रधानमंत्री मोदीः संदर्भ-पॉडकास्ट संवाद

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स.)

विश्व भर में कहीं भी, किसी भी कौने में हिन्दू होकर जीवन जीने के मायने क्या हैं, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर से बहुत स्पष्ट तरीके से व्याख्यायित कर दिया है। उन्होंने दुनिया को समझाया है कि कैसे एक हिन्दू अपने जीवन में सर्वसमावेशी है। वास्तव में जो आज हिन्दू दृष्टि पर किसी न किसी रूप में दोष मढ़ने का कार्य कर रहे हैं, उन्हें चाहिए कि वे एक बार अवश्य प्रधानमंत्री मोदी के लेक्स फ्रिडमैन के साथ हुए पॉडकास्ट संवाद को सुने। निश्चित ही उनके जितने भी भ्रम हिन्दू धर्म और इससे जुड़ी परंपराओं को लेकर हैं वह दूर हो जाएंगे।

वस्तुतः प्रधानमंत्री मोदी उच्चतम न्यायालय का संदर्भ देकर समझाते हैं कि हिंदू धर्म कोई पूजा-पाठ पद्धति का नाम नहीं है, यह तो वे ऑफ लाइफ अर्थात 'जीने का ढंग' या 'तरीका' है। जैसे किसी व्यक्ति की जीवनशैली उसकी आदतों और रोजमर्रा की गतिविधियों का समुच्चय है, ठीक वैसे ही भारत में जन्मा यह सनातन हिन्दू धर्म है। प्रधानमंत्री मोदी यहां कहते हैं कि हिन्दू धर्म से जुड़े शास्त्र यह कई तरह से समझाते हैं कि कैसे शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा के माध्यम से मनुष्यत्व को ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है। इसके लिए हिन्दू धर्म कुछ रास्ते और परंपरागत व्यवस्थाओं के माध्यम से स्वयं को नित्य प्रकाशित करते रहने का मार्ग भी बताता है। जिसमें से एक उपवास भी है।

लेक्स फ्रिडमैन, ने जब प्रधानमंत्री मोदी से उपवास के बारे में जानना चाहा, तब उन्होंने सहज रूप से बताया कि आखिर हिन्दू धर्म में उपवास के मायने क्या हैं। वैसे उपवास को लेकर चरक संहिता में कहा गया है -

'दोषः कदाचित कुप्यन्ति, जिता लंघन पचनेया।
जिता संशोधनहेतुर, न तेषां पुनरुद्धभव।।'

अर्थात, हम केवल अपने शरीर का विषहरण करके अपने सभी दोषों (वात, पित्त और कफ) को संतुलित कर सकते हैं। अगर पाचन क्रिया ठीक रहेगी और हम समय-समय पर उपवास करते रहेंगे, तो हम हमेशा स्वस्थ रहेंगे। वास्तव में यह स्वस्थ रहना शरीर तक सीमित नहीं, यह हमारी इंद्रियों और मन से भी जुड़ा हुआ है, जिसका कि निहितार्थ श्रीमद् भगवद्गीता के दूसरे अध्याय के 59वें श्लोक में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बताया है- 'विषया विनिवर्तन्ते निराहारस्य देहिनः रसवर्जं रसोऽप्यस्य परं दृष्ट्वा निवर्तते'। तात्पर्य कि निराहार मनुष्य के विषय दूर हो जाते हैं, साधक इंद्रियों को अपने भोग की वस्तुओं से रोक सकता है, लेकिन वस्तुओं के स्वाद की भावना बनी रहती है। हालाँकि, यह स्वाद भी उन लोगों के लिए समाप्त हो जाता है, जिन्हें सर्वोच्च शक्ति का एहसास होता है। इसलिए अपने संवाद में प्रधानमंत्री मोदी उपवास पर व्यापक संवाद करते हैं।

उनके अनुसार उपवास जीवन को अंतर बाह्य दोनों प्रकार के अनुशासन के लिए बहुत ही उपकारक है। यह जीवन को गढ़ने में भी काम आता है। जब आप उपवास करते हैं, तो आपकी जितनी इंद्रियाँ हैं, खासकर के सुगंध की हो, स्पर्श की हो, स्वाद की हो। ये सभी बहुत जागरुक हो जाती हैं। दूसरा; उपवास, आपके विचार प्रभाव को ये बहुत ही तीक्ष्णता देते हैं, नयापन देते हैं। प्रधानमंत्री कह रहे हैं, कि यह एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। उनके लिए उपवास एक उपासना है, जो उन्हें बाहर से अंदर की यात्रा और अंदर से होते हुए बाहर, संपूर्ण ब्रह्माण्ड की यात्रा कराती है। यह एक अद्भुत अनुभूति है।

लेक्स फ्रिडमैन ओर अधिक पूछे जाने पर प्रधानमंत्री मोदी उन्हें हिन्दू धर्म की चातुर्मास उपवास व्यवस्था के बारे में बताते हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि हमारे यहाँ चातुर्मास की परंपरा है। जब वर्षा ऋतु होती है। तो हम जानते हैं मनुष्य की पाचन शक्ति काफी कम हो जाती है। इसलिए वर्षा ऋतु में एक समय ही भोजन करना है। यानी 24 घंटों में एक समय। मोदी बता रहे हैं कि वो जून मध्य से इसका आरंभ करते हैं और फिर दिवाली का करीब-करीब नवंबर माह आ जाता है। लगभग चार से साढ़े चार महीनों तक यह चातुर्मास की परंपरा चलती है। जिसमें वे चौबिस घंटे में एक बार भोजन लेते हैं। फिर नवरात्रि आती है, जो पूरे देश में दुर्गा पूजा का उत्सव है, शक्ति उपासना का उत्सव है, वो नौ दिन का होता है। दूसरा एक मार्च-अप्रैल महीने में नवरात्रि पुनः आती है, जिसे 'चैत्र नवरात्रि' कहते हैं। तब फिर से नौ दिन मैं उपवास करता हूँ। फिर वे आगे स्पष्ट करते हैं कि वास्तव में उपवास प्रत्येक व्यक्ति का अपना निजी मामला है, इसलिए हमारे यहां हिन्दू परंपरा में कोई इसकी पब्लिसिटी वगैरह नहीं करता। यह उपवास रखनेवाले एवं इसके महत्व को समझनेवाले प्रत्येक के जीवन का एक सामान्य हिस्सा है।

यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेडिटेशन के माध्यम से बहुत सरल ढंग से सनातन हिन्दू धर्म की परंपरा में नाद ब्रह्म के महत्व को भी प्रतिपादित करते दिखे। वे अपनी हिमालयन लाइफ को याद करते बता देते हैं कि कैसे एक संत ने उन्हें एक बर्तन में एक-एक गिरती पानी की बूंद और उसकी टपक-टपक की ध्वनि से सिखाया कि तुम कुछ मत करो, सिर्फ इसी की आवाज सुनो, कोई और आवाज तुमको सुनाई नहीं देनी चाहिए। कितने ही पक्षी बोलते हों, हवा की आवाज आती हो, कुछ नहीं, तुम इस पानी की जो बूंद बर्तन में गिरती हैं, उसे सुनों और अंदर तक अपने रोम-रोम में महसूस करो। यहीं से प्रधानमंत्री मोदी की ध्यान यात्रा आरंभ हो जाती है। कोई मंत्र नहीं, सिर्फ टप-टप की ध्वनि और इस तरह से उस नाद-ब्रह्म से मोदी अपना नाता जोड़ने में सफल हो जाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां अपनी बातचीत में कुछ मंत्रों का जिक्र भी करते हैं और हिन्दू धर्म को जीनेवाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उसे पूर्णता का अनुभव करा देते हैं। उन्होंने कहा- ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदम पूर्णात्पूर्णमुदच्यते। यानी पूरे जीवन को एक सर्कल के अंदर उस (ब्रह्म) ने रखा हुआ है। पूर्णता ही सर्वस्व है, पूर्णता प्राप्त करने का विषय है। उसी प्रकार से हमारे यहां (हिन्दू परंपरा में) कल्याण की बात कही गई है, सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। यानी सबका भला हो, सबका सुख हो, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग भवेत। अतः इन सभी मंत्रों में भी लोगों के सुख की बात है, लोगों के आरोग्य का बात है और फिर करें क्या ? ॐ शांतिः, शांतिः, शांतिः।

हमारे हर मंत्र के बाद आएगा, 'Peace, Peace, Peace' यानी ये जो धार्मिक संस्कार भारत में डेवलप हुए हैं, वो हजारों सालों की ऋषियों की साधना से निकले हुए हैं। लेकिन वे जीवन तत्व से जुड़े हुए हैं। वैज्ञानिक तरीके से रखे हुए हैं। वास्वत में यही भारत है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सभी को बहुत सहजता से व्यापक अर्थों में समझाने का प्रयास किया है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ख्याति की बैसाखी बनता साहित्य में चौर्य कर्म

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स.)

साहित्यिक चोरी आज बड़ी चुनौती बन गई है, जहां एक लेखक के विचारों, शब्दों या रचनाओं पर दूसरे लेखक द्वारा उचित स्वीकृति के बिना दावा किया जाता है। यह कृत्य न केवल साहित्यिक नैतिकता का उल्लंघन करता है बल्कि सच्चे लेखक की मौलिकता और रचनात्मकता को भी कमजोर करता है। कॉपी-पेस्ट करने का मुद्दा हिंदी साहित्य में तेजी से प्रचलित हो रहा है, खासकर इस डिजिटल युग में, जहां लेख, कविताएं और कहानियां ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध हैं। साहित्यिक चोरी में किसी और के साहित्य को बिना श्रेय दिए लेना या उसमें मामूली बदलाव करके उसे अपना बताकर पेश करना शामिल है। यह व्यवहार मूल लेखकों के अधिकारों का उल्लंघन करता है और रचनात्मकता और मौलिकता को दबाता है। कुछ व्यक्ति इस हद तक चले जाते हैं कि वे दूसरों के साहित्य को अपना बता देते हैं। साहित्यिक चोरी के एक रूप में कहानी के पात्रों को बदलना और उसे मूल रचना के रूप में विपणन करना शामिल है। इस कुकृत्य में ऐसे लोग भी हैं जो स्थापित लेखकों की प्रसिद्ध कृतियों को अपनी कृति के रूप में प्रस्तुत करते हैं, तथा अक्सर साहित्यिक क्षेत्र में मान्यता और प्रसिद्धि पाने की कोशिश करते हैं।

साहित्यिक चोरी तब होती है जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे लेखक के शब्दों को बिना अनुमति या उचित श्रेय दिए अपने शब्दों के रूप में प्रस्तुत करता है। इसमें वे स्थितियां भी शामिल हैं जहाँ कोई लेखक बिना उचित उद्धरण के अपने पहले से प्रकाशित साहित्यिक काम का पुनः उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त, यदि कोई व्यक्ति मूल विचारों और संरचना को बरकरार रखते हुए किसी दूसरे की सामग्री में मामूली बदलाव करता है, तो उसे भी साहित्यिक चोरी माना जाता है। यह समस्या विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में प्रचलित है, और दुर्भाग्य से, यह आज भी जारी है। साहित्यिक चोरी के कई रूप हैं, और यहां तक कि दोहराव को भी रचनात्मक चोरी के रूप में देखा जा सकता है। उदाहरण के लिए, कई हिंदी लेखक होली या दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान विभिन्न प्रकाशनों में अपनी रचनाएं पुनः प्रकाशित करते हैं। एक मजबूत समीक्षा संस्कृति की कमी ने साहित्यिक चोरी को साहित्य का एक परेशान करने वाला पहलू बना दिया है। आजकल, कोई भी किसी रचना को उसे बिना किसी जांच के प्रकाशित करवा सकता है, जिससे ऐसी स्थिति बन जाती है जहां मूल लेखक ठगे रह जाते हैं। 'निजी' पाठ्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध लेखकों की कृतियां लेना और उन्हें अपने नाम से प्रकाशित करना आम बात हो गई है। इस व्यवहार को खत्म करने के लिए केवल आलोचना ही अपर्याप्त लगती है। साहित्यिक चोरी सिर्फ नए लेखकों या प्रसिद्धि चाहने वालों की ही बैसाखी नहीं है, यहां तक कि स्थापित हिंदी लेखक भी दूसरों की रचनाओं में थोड़ा-बहुत बदलाव करके उन्हें अपना बता देते हैं। साहित्यिक चचाओं में साहित्यिक चोरी के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिनमें कुछ लेखकों पर प्रसिद्ध पुस्तकों के अंशों को अपनी रचनाओं में शामिल करने का आरोप लगाया गया है, जिससे अंततः उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है।

किसी अन्य लेखक के काम या विचारों का उपयोग करते समय, उचित श्रेय देना आवश्यक है। अपने स्वयं के विचारों और शैली को व्यक्त करके मौलिक लेखन को अपनाएं, यह सुनिश्चित करें कि हिंदी साहित्य में नए दृष्टिकोण और रचनात्मकता पनपे। दूसरों के काम की अनजाने में नकल करने से बचें। हिंदी लेखकों को अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए अपनी रचनाओं के लिए कॉपीराइट सुरक्षित करना चाहिए। साहित्यिक नैतिकता को बनाए रखें, और लेखकों और पाठकों दोनों को मौलिकता की वकालत करते हुए साहित्यिक चोरी के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। साहित्यिक चोरी के खिलाफ लड़ाई में आलोचक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अफसोस की बात है कि प्रकाशन उद्योग में कई संपादक साहित्य की बारीकियों को पूरी तरह से नहीं समझ पाते हैं। ऐतिहासिक संदर्भ की समझ की यह कमी इस मुद्दे की विडंबना को और बढ़ा देती है। मौलिक साहित्यिक कृतियों का प्रभावी ढंग से मूल्यांकन करने के लिए, स्तंभों या पत्रिकाओं के संपादक के रूप में काम करने वाले किसी भी व्यक्ति के पास साहित्य में मजबूत आधार और ज्ञान होना चाहिए। हिंदी साहित्य में साहित्यिक चोरी और कॉपी-पेस्ट की बढ़ती समस्या चिंताजनक है, लेकिन इससे निपटने के लिए प्रभावी उपाय किए जा सकते हैं। साहित्य की विशिष्टता को बनाए रखने और लेखकों के अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूकता को बढ़ावा देना और नैतिक मानकों का पालन करना आवश्यक है। साहित्यिक कृतियों में मौलिकता सुनिश्चित करके हम हिंदी साहित्य के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। साहित्यिक चोरी लेखकों की ईमानदारी को कमजोर करती है और साहित्यिक रचनाओं की प्रमाणिकता को कम करती है। साहित्यिक दुनिया में नवाचार को बढ़ावा देने और स्वतंत्र अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए मौलिकता को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, सभी लेखकों को नैतिक प्रथाओं को बनाए रखते हुए अपने काम को रचनात्मक और मौलिक बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। हरियाणा में इस मुद्दे पर बहस छिड़ी हुई है। हाल ही में एक ख्यातिनाम लेखक पर यह आरोप लगा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंजाब सरकार प्ले-वे स्कूलों के पंजीकरण को पारदर्शी और जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए जल्द ही ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च कर रही है: डॉ. बलजीत कौर

संवाददाता
चंडीगढ़

- प्रदेश के सभी निजी प्ले-वे स्कूलों और ईसीसीई संस्थानों को छह महीनों के भीतर सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा
- प्रारंभिक बाल शिक्षा और बच्चों के समग्र विकास के लिए विभाग द्वारा दो प्रमुख संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर किए गए हस्ताक्षर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार प्रदेश के बच्चों के समग्र विकास और उनकी प्रारंभिक शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि प्रदेश के निजी प्ले-वे स्कूलों के पंजीकरण को पारदर्शी बनाने और इसे जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए जल्द ही एक ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल लॉन्च किया जा रहा है।

इस संबंध में आगे जानकारी देते हुए मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि प्रदेश के सभी निजी प्ले-वे स्कूलों और अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई) संस्थानों को छह महीनों के भीतर सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि निजी प्ले-वे स्कूलों के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए ज़िला कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि प्रारंभिक बाल शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा निजी प्ले-वे स्कूलों को नियमित करने के लिए नए दिशा-निर्देशों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए एक मानक, खेल-आधारित पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा।

डॉ. बलजीत कौर ने आगे बताया कि पंजाब सरकार द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सेवाएं प्रदान करने और अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई) की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रदेश में साझा पाठ्यक्रम लागू करने हेतु सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा दो प्रमुख संस्थानों झ्र प्रथम और रॉकेट लर्निंग के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य पूरे पंजाब में बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सीखने के परिणामों को सुनिश्चित करना, साथ ही निजी और सरकारी प्रारंभिक शिक्षा संस्थानों को एक एकीकृत ढांचे के अंतर्गत लाना है।

अमृतसर मंदिर पर ग्रेनेड हमले का आरोपित मुठभेड़ में ढेर, साथी फरार

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

- मुठभेड़ में पुलिस कांस्टेबल घायल, बाल-बाल बचे इंस्पेक्टर

पंजाब पुलिस ने दो दिन पहले अमृतसर के मंदिर पर ग्रेनेड हमला करने के आरोपित को सोमवार सुबह खंडखाला इलाके में एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया, जबकि हमले का एक अन्य आरोपित मौके से फरार हो गया। बदमाशों की फायरिंग में एक कांस्टेबल घायल हुआ है। पुलिस फरार बदमाश को तलाश कर रही है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि 15 मार्च की रात अमृतसर के ठाकरद्वारा मंदिर पर ग्रेनेड हमला किया गया था।

अमृतसर में इस मामले की एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू दी। जांच के दौरान एसएचओ छेहर्टा को अपराध में इस्तेमाल की गई बाइक के बारे में एक विश्वसनीय जानकारी मिली थी। इसी आधार पर सीआईए और छेहर्टा पुलिस की टीमों ने आरोपितों को पकड़ने के लिए सोमवार सुबह तड़के खंडवाला में अभियान चलाया। पुलिस ने आरोपितों की बाइक रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपितों ने बाइक छोड़कर पुलिस पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। आरोपितों की इस फायरिंग से एक कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह घायल हो गया। गुरुप्रीत के बाएं हाथ पर गोली लगी। बदमाशों की एक गोली इंस्पेक्टर अमोलक सिंह की पगड़ी में लगी और वे बाल बाल बच गए। एक गोली पुलिस वाहन पर भी लगी। बदमाशों की फायरिंग के जवाब में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश गुरसिदक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसका साथी विशाल मौके से फरार हो गया।

मुठभेड़ में घायल बदमाश गुरसिदक और कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान गुरसिदक की मौत हो गई। पुलिस अब इस मामले में पाकिस्तान और आईएसआई से आरोपितों के संभावित संबंधों की भी जांच कर रही है। फिलहाल, फरार आरोपित विशाल की तलाश जारी है और पुलिस उसे पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

आज लाड़वा मे शुरू हुई सरसों की सरकारी खरीद : संत कुमार

संवाददाता
लाड़वा

लाड़वा मंडी मे आज से सरसों की सरकारी खरीद शुरू हो गई है मार्किट कमेटी सचिव संत कुमार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि सरकार के आदेशानुसार सरसों की सरकारी खरीद आज शुरू कर दी गई है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि सरसों का न्यूनतम मूल्य 5950 रुपये प्रति किवंटल रखा गया है। सचिव ने बताया कि सरकारी खरीद के साथ साथ मंडी मे प्राइवेट खरीद भी शुरू हो रही है जिसमे पीली सरसों 7500 रुपये प्रति किवंटल बिक रही है।

संत कुमार ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले मे 3 मंडियों को खरीद के लिए चयनित किया गया है जिनमे प्रमुखतय लाड़वा, इस्माइलाबाद, शाहबाद मारकंडा मंडी शामिल है। उन्होंने किसानों से कहा की आप तीनों मंडियों मे किसी भी मंडी मे अपनी फसल बेच सकते हैं। सचिव ने कहा कि किसानों को खरीद मे कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी व उनकी फसल का दाना दाना खरीदा जाएगा।

संधवां ने एन.सी.ई.आर.टी. पंजाबी प्राइमर पाठ्यपुस्तक में आवश्यक सुधारों को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अर्ध-सरकारी पत्र लिखा

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को एक अर्ध-सरकारी पत्र लिखकर उनका ध्यान नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एन.सी.ई.आर.टी.), नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पंजाबी पाठ्यपुस्तक ₹पंजाबी प्राइमर₹ (पंजाबी काईदा) में मौजूद कई गलतियों की ओर दिलाया है। यह पुस्तक बालवाटिका/आंगनवाड़ी स्तर के बच्चों और वयस्क साक्षरता कार्यक्रमों के लिए तैयार की गई है, जिसमें स्पेलिंग और तथ्यों, विशेष रूप से पंजाबी वर्णमाला के प्रकाशन में कई त्रुटियां हैं।

उन्होंने बताया कि उक्त पुस्तक में सबसे बड़ी गलतियों में से एक यह है कि पंजाबी वर्णमाला को सही क्रम ਉ (ओ) से शुरू करने के बजाय गलत तरीके से ਅ (अ) से शुरू किया गया है। इस प्रकार की बुनियादी गलतियां न केवल युवा छात्रों को भ्रमित करती हैं, बल्कि वयस्क साक्षरता अभियानों की प्रभावशीलता को भी कमजोर कर देती हैं। स संधवां ने कहा कि यह आवश्यक है कि शैक्षिक सामग्री, विशेष रूप से बुनियादी शिक्षा के लिए तैयार की गई सामग्री, में शुद्धता और प्रमाणिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखा जाए।

उन्होंने भारत सरकार के शिक्षा मंत्री से अपील की कि पंजाबी भाषा के योग्य विशेषज्ञों और विद्वानों से इस पाठ्यपुस्तक की तुरंत समीक्षा और संशोधन करवाया जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विद्यार्थियों को सही और विश्वसनीय सामग्री मिले। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस प्रकार की गलतियों को रोकने के लिए सभी आगामी प्रकाशनों के लिए एक सख्त संपादकीय और गुणवत्ता-जांच प्रक्रिया स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है।

स्पीकर संधवां ने इस बात पर जोर दिया कि हमारे देश में बुनियादी शिक्षा और साक्षरता कार्यक्रमों की सफलता के लिए त्रुटि-मुक्त अध्ययन सामग्री सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस मामले का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील भी की।

पलवल के भाजपा जिलाध्यक्ष विपिन बैंसला बने

एजेंसी (हि.स.)
पलवल

फोटो : हि.स.

भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) के संगठन में एक महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है, जिसमें विपिन बैंसला को पलवल जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भाजपा के राज्य नेतृत्व द्वारा यह निर्णय लिया गया, और विपिन बैंसला को पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को मजबूती से चलाने की जिम्मेदारी दी गई है। इस अवसर पर विपिन बैंसला ने पार्टी नेतृत्व का धन्यवाद किया और कहा कि उन्हें पलवल जिले में पार्टी को और मजबूत करने के लिए जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे वह पूरी ईमानदारी और मेहनत से निभाएंगे। बैंसला ने कहा कि उनका उद्देश्य पार्टी के कार्यकताओं के साथ मिलकर भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना है पार्टी को और भी मजबूती से आगे बढ़ाना है।

पलवल जिले के भाजपा कार्यकताओं में विपिन बैंसला की नियुक्ति को लेकर खुशी का माहौल है। बैंसला ने इस जिले में पार्टी के विस्तार और संगठनात्मक कामों पर जोर देने की बात कही। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकताओं को हर स्तर पर सक्रिय और सजग बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी। विपिन बैंसला के इस नए पद पर नियुक्त होने से भाजपा कार्यकताओं में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है और यह माना जा रहा है कि उनका नेतृत्व पलवल में पार्टी के लिए और भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

इस बीच, खेल मंत्री गौरव गौतम ने विपिन बैंसला को भाजपा पलवल जिलाध्यक्ष बनने पर बधाई दी। उन्होंने बैंसला की नेतृत्व क्षमता पर विश्वास जताते हुए कहा कि वह पलवल जिले में भाजपा की स्थिति को और सुदृढ़ करेंगे। गौतम ने बैंसला के नेतृत्व में पार्टी को नई ऊँचाइयों तक पहुंचने की शुभकामनाएं दीं।

घर से चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता
लाड़वा

जिला पुलिस ने घर से चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने घर से चोरी करने के आरोप मे मनप्रीत सिंह उर्फ अभिषेक वासी अमीन जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 9 मार्च 2025 को थाना लाडवा पुलिस को दी अपनी शिकायत में प्रिंस वासी महावीर कालोनी लाडवा ने बताया कि वह नोएडा मे नौकरी करता है। उसके माता-पिता उससे मिलने के लिए नोएडा आए हुए थे। दिनांक 9 मार्च को सुबह उसके पडोसी ने फोन करके बताया कि उसके घर पर चोरी हो गई है। जब वह नोएडा से वापस आकर देखा कि उनके घर का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर जाकर देखा तो उसके घर से कोई नामालूम चोर करीब 5 लाख रुपये, सोने चांदी के गहने , घडिया व घर का अन्य सामान चोरी करके ले गया। जिसकी शिकायत पर थाना लाडवा में मामला दर्ज करके जांच अपराध अन्वेषण शाखा-2 को दी गई। दिनांक 16 मार्च को अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी मोहन लाल के मार्ग-निर्देश में सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र कुमार, नवीन कुमार, मुख्य सिपाही कुलदीप व सिपाही अमित कुमार की टीम ने घर से चोरी करने के आरोप मे मनप्रीत सिंह उर्फ अभिषेक वासी अमीन जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को माननीय अदालत में पेश करके अदालत के आदेश से 1 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया ।

संक्षिप्त-समाचार

दादरी, हिसार व यमुनानगर में खुलेंगे सेना भर्ती तैयारी सेंटर

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने शहीद सैनिकों व अर्द्ध सैनिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना शुरू करने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोमवार को बजट पेश करते हुए कहा कि छठी से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए 60 हजार रुपये प्रति वर्ष, डिप्लोमा या स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए 72 हजार रुपये प्रति वर्ष तथा स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के लिए 96 हजार रुपये प्रति वर्ष छात्रवृत्ति योजना शुरू की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो हजार पूर्व सैनिकों को रोजगार प्रशिक्षण देने के लिए वीर उड़ान योजना शुरू की जाएगी। सफल प्रशिक्षण प्राप्त करने पर 50 हजार का अनुदान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बजट में रेवाड़ी में सैनिक संग्रहालय बनाने का ऐलान करते हुए कहा कि सैनिकों तथा अर्द्ध सैनिकों के लिए हरियाणा में अलग से हेल्पलाइन शुरू की जाएगी। चरखी-दादरी, हिसार, यमुनानगर में सेना भर्ती की तैयारी के लिए सशस्त्र बल तैयारी संस्थान बनाए जाएंगे। इसके अलावा पूर्व सैनिकों को रोजगार देने के लिए एचकेआरएनएल में उप-पोर्टल शुरू किया जाएगा।

हरियाणा में बनेगा डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर

चंडीगढ़। हरियाणा में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर के नाम से नया विभाग बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोमवार को विधानसभा में पहला बजट पेश करते हुए यह ऐलान किया। वित्त मंत्री ने कहा कि इस विभाग के माध्यम से प्रदेश में हर वर्ग की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाएंगी। इस विभाग के गठन ने हरियाणा सरकार भविष्य की जरूरतों के आधार पर पहले ही अपनी रणनीति बना सकेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने हालही में विभिन्न शहरों के स्टार्टअप के साथ बैठकें की हैं। जिसके बाद सरकार ने इस दिशा में कई योजनाएं बनानी शुरू कर दी है। बजट में सरकार ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने वाले निजी निवेशकों की मदद के लिए दो हजार करोड़ रुपये का एक फंड ऑफ फंडस बनाने का फैसला किया है। जिससे प्रदेश में नए स्टार्टअप्स को अवसर मिलेंगे। बजट में वित्त मंत्री ने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस का है। जिसके चलते सरकार ने डेटा आधारित नीति निर्धारण व गवर्नेंस ऑटोमेशन से जनसेवा के लिए हरियाणा एआई मिशन की स्थापना करने का फैसला किया है। जिसके तहत गुरुग्राम और पंचकूला में एक-एक एआई हब स्थापित किया जाएगा। युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए सरकार ने संकल्प प्राधिकरण की स्थापना का फैसला किया है। जिसे संकल्प, सबस्टांस एब्यूस एंड नारकोटिक्स नॉलेज, अवेयरनेस एंड लिब्रेशन प्रोग्राम अथारिटी का नाम दिया जाएगा। इस प्राधिकरण के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रारम्भिक आवंटन किया गया है। बजट में सीएम ने ऐलान किया कि ओवरसीज एम्पलॉयमेंट सेल और हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से युवाओं को अंतरराष्ट्रीय रोजगार दिलाया जाएगा। इसी प्रकार प्रदेश की जीएसडीपी को एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने और हरियाणा में 50 लाख नए रोजगार पैदान करने के लिए मिशन-047 की शुरूआत की जाएगी।

सोनीपत में बाइक को मारी थी टक्कर, 2 महीने की सजा व 21 हजार जुर्माना

सोनीपत। खरखौदा न्यायालय में न्यायाधीश विक्रांत ने एक्सीडेंट के मामले में लापरवाही से बगैर लाईसेंस के बाइक चलाने और दूसरी बाइक को टक्कर मारने के दोषी पाए जाने पर सोमवार को निजामपुर खुर्द गांव के आशीष को 2 महीने की सजा व 21 हजार रुपए जुमार्ना लगाया है। एक्सीडेंट में सामने वाले युवक के पांव में फ्रेक्चर आ गया था। जिसके बाद मामला न्यायालय में चला हुआ था। यह एक्सीडेंट सैदपुर एरिया में 30 अगस्त 2024 को हुआ था। जिसमें राजेश की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। जब वे सैदपुर इंडस्ट्री से अपने घर जा रहे थे तो उस दौरान आरोपी आशीष ने रांग साइड से आते हुए उनकी बाईक को टक्कर मार दी थी। जिसमें उसके साले को चोट लगी थी। खरखौदा न्यायालय पब्लिक प्रोसीक्यूटर इंदू ने बताया कि इस मामले में सोमवार को न्यायधीश विक्रांत ने आरोपी को दो महीने की सजा व 21 हजार रुपए जुमार्ना लगाया है। इसलिए बगैर लाईसेंस के कोई भी वाहनना चलाए। जांच में ये भी सामने आया था कि आरोपी किसी और की बाईक लेकर चला रहा था ।

नारनौंद डेरे में बाबा पर लगाए गंभीर आरोप, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हिसार। जिले के नारनौंद क्षेत्र के गांव कोथ कलां के बाबा काला पीर डेरे के महंत बाबा शुक्राईनाथ के खिलाफ ग्रामीण लामबंद हो गए हैं। महंत के खिलाफ एकत्रित हुए ग्रामीणों ने सोमवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर बाबा पर गंभीर आरोप लगाए। इससे पहले ग्रामीणों ने ग्राम सभा की बैठक की, जिसमें उन्होंने बाबा शुकाई नाथ पर अनेक गंभीर आरोप जड़े। उन्होंने कहा कि बाबा आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। वह गांव के लोगों के खिलाफ अपराधियों को भड़काता है। डेरे में महिलाओं से जबरन नृत्य करवाता है और उन पर गलत नजर रखता है। बाहर की महिलाओं को रात में डेरे में रखने का भी आरोप है। ग्रामीणों का आरोप है कि बाबा डेरे की कृषि भूमि और चंदे की राशि का दुरुपयोग कर रहा है। वह इस धन को जनहित के कार्यों की बजाय अपने ऐश-आराम पर खर्च करता है। एसडीएम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि तीन महीने में पिछले सात वर्षों के चंदे और कृषि भूमि की आय का ऑडिट कराया जाएगा। ग्राम सभा ने प्रशासन से मांग की है कि जब तक किसी नए बाबा को गद्दी पर नहीं बिठाया जाता, तब तक डेरे को प्रशासन अपने नियंत्रण में ले। इससे गांव में शांति और भाईचारा बना रहेगा और किसी अप्रिय घटना से बचा जा सकेगा। ग्रामीणों में सुरेश कोथ, पूर्व सरपंच अनिल संधू, कृष्ण फौजी ने बताया कि बाबा शुकाई नाथ को दादा काला पीर डेरे में केयरटेकर के रूप में बैठाया गया था। उस समय आए महंतों ने कहा था कि अगर ग्रामीणों को ठीक लगे तो कुछ समय बाद उन्हें गद्दी पर बैठाया जाएगा, लेकिन ग्रामीणों को बाबा शुकाई नाथ मंजूर नहीं हैं। उनका व्यवहार ग्रामीणों के प्रति सही नहीं है। बाबा शुकाई नाथ द्वारा गांव में राजनीति फैलाकर भाईचारे को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जब तक देशभर के आठ पीर मिलकर दादा काला पीर डेरे की गद्दी पर किसी महंत को नहीं बैठाते, तब तक प्रशासन डेरे को अपने अधीन ले और उसकी देखरेख करे। उन्होंने कहा कि बाबा शुकाई नाथ डेरे में आने वाले पैसे का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसी कारण ग्राम सभा ने प्रस्ताव पास कर प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 30 मार्च को लाडवा उपमंडल के विकास कार्यों की करेंगे समीक्षा

परिवहन विभाग ने 7 नए बस क्यू शैल्टरों के निर्माण को दी मंजूरी, जल्द शुरू होंगे निर्माण कार्य : पंकज सेतिया

अनिल गोयल
लाड़वा

एसडीएम लाडवा पंकज सेतिया ने कहा कि हरियाणा परिवहन विभाग ने बीड मथाना, मथाना, सोंटी, बीड सोंटी, निवारसी मोड, निवासी कॉलोनी और बोहली मोड में नए 7 बस क्यू शैल्टरों के निर्माण को मंजूरी दी है, जल्द ही इनके निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। परिवहन विभाग ने बाबैन बस स्टैंड पर रात को प्राइवेट बसों के ठहराव को रोकने के लिए एक कर्मचारी भी नियुक्त किया है, ताकि रोडवेज की बसों को पूरी जगह मिलती रहे।

एसडीएम पंकज सेतिया सोमवार को जिला परिषद के पंचायत भवन में उपमंडल लाडवा के विकास कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इन सभी कामों की हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 30 मार्च को विधानसभा के विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। सभी विभाग अध्यक्ष अपने-अपने विभागों के कामों की प्रगति रिपोर्ट बनाकर जल्द भेंजें।

एसडीएम ने बीडीपीओ बाबैन को निर्देश दिए कि बाबैन बस स्टैंड, तहसील क्षेत्र और मार्केट कमेटी क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए। कचरा उठाने के लिए जो व्हीकल लगाया गया है, उसका निरंतर निरीक्षण किया जाए। साथ ही नालों की सफाई का अस्टीमेट बनाकर भेजा जाए। महिला एवं बाल कल्याण विभाग की अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो उपमंडल के अंतर्गत आने वाले गांवों में स्थित सरकार बिल्डिंगों और किराये पर चल रही आंगनवाडी केन्द्रों की संख्याओं का डाटा उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने बताया कि 8 मार्च को पंचकूला से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा उपमंडल के विभिन्न गांवों में तैयार की गई आंगनवाड़ी की 6 भवनों का उद्घाटन भी किया।

एसडीएम ने एचएसएएमबी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में 12 सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है, जिस तय समय पर पूरा किया जाए और प्रस्तावित अन्य सड़कों के निर्माण कार्य को जल्द शुरू कराया जाए। उन्होंने कहा कि गांव बीड बरटोली, मेहरा, जोगी माजरा में बनाई जा रही व्यायामशालाओं के निर्माण को तय समय पर पूरा किया जाए। एसडीएम ने शिक्षा विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग, फायर एंड सेफ्टी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग के अधिकारियों को को अपने-अपने कामों की प्रगति रिपोर्ट बनाकर भेजने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला परिषद के सीईओ वीरेन्द्र चौधरी, डीडीपीओ विकास, रोडवेज जीएम शेर सिंह, एक्सईएन एचएसएएमबी सतीश कुमार, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी अमित मैहला, बीडीपीओ लाडवा साहब सिंह , एसएमओ लाडवा डा.कृष्ण कुमार, बीडीपीओ बाबैन रूबल दीनदयाल सहित अधिकारीगण मौजूद रहे।

डबल इंजन की सरकार ने सहारनपुर को दी नई पहचान: सीएम योगी आदित्यनाथ

योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान कार्यक्रम में हुए शामिल

एजेंसी (हि.स.)
सहारनपुर

- सरकार इसलिए नहीं बनाई जाती कि वह भाई भतीजावाद करके लूट करे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सहारनपुर के वुड कार्विंग को वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट के माध्यम से वैश्विक मान्यता मिल रही है। आज दुनिया में करीब एक हजार करोड़ की कीमत के वुड कार्विंग प्रोडेक्ट का एक्सपोर्ट हो रहा है। सहारनपुर का वुड कार्विंग दुनिया के मार्केट में पहुंच रहा है। सहारनपुर को दिल्ली और लखनऊ से जोड़ने के लिए कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। जल्द ही सहारनपुर से दिल्ली का रास्ता मात्र पौने दो घंटे में पूरा किया जा सकेगा। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सहारनपुर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के तहत 365 उद्यमियों को ऋण वितरण में कही। उन्होंने कहा कि यहां पर मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय का निर्माण अंतिम दौर में है जबकि 10 साल पहले यहां विश्वविद्यालय का निर्माण एक कल्पना थी। वहीं मां शाकुम्भरी धाम का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। ऐसे में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होगी। सहारनपुर में एक अलग ही ऊर्जा देखने को मिलती है। उस ऊर्जा के साथ जब डबल इंजन की सरकार जुड़ती है तो सहारनपुर को एक नई पहचान प्राप्त होती है। मुझे यहां के ऊजार्वान उद्यमी, युवाओं और अन्नदाता किसानों से बहुत कुछ जानने और सीखने का अवसर प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कई उद्यमियों को ऋण का चेक, ओडीओपी के तहत वुड कार्विंग प्रोडक्ट बनाने के टूल्स और प्रमाण पत्र प्रदान किए। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवा उद्यमियों के लगाए गए ओडीओपी प्रोडेक्ट की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। स्टॉलों पर जाकर प्रोडेक्ट की जानकारी हासिल की।

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई सरकार इसलिए नहीं बनायी जाती है कि वह भाई भतीजावाद करके लूट खसोट करे बल्कि इसलिए बनायी जाती है कि वह आपकी पहचान और उद्यमिता का सम्मान करने के साथ उसे आगे बढ़ाए। पूरे प्रदेश में होली की खुशियां उत्साह और उमंग के साथ मनायी गयी। वहीं सरकार ने यूपी पुलिस के 60,244 आरक्षी पदों का झटके में रिजल्ट निकाल करके युवाओं के सपनों को उड़ान दी है। इस रिजल्ट में सहारनपुर के भी बहुत सारे युवाओं ने अपनी जगह बनायी है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 से 2017 के बीच उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में केवल 10,000 महिलाएं ही कार्य करतीं थीं जबकि हमने एक ही भर्ती में 12,000 से अधिक बेटियों को भर्ती किया है। इससे पहले भी 1,56,000 भर्ती की गई थी। वहीं पिछली सरकारों में भाई भतीजा वाद के अलावा कुछ नहीं होता था। पिछले साढ़े सात वर्षों में 7 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी गयी है। इन भर्तियों में कोई भाई भतीजा वाद, जातिवाद, क्षेत्र और भाषा का आरोप नहीं लगा सकता है।

सीएम ने कहा कि अच्छा कार्य करने के लिए अच्छी नियत, सकारात्मक पहल और टीमवर्क चाहिए। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में कोई उद्योग लगाना नहीं चाहता था। उस दौरान कस्बे के कस्बे खाली हो गए थे, प्रदेश से व्यापारी भाग रहा था। बेटियां स्कूल पढ़ने के लिए दूर के रिश्तेदारों और हॉस्टल में रहने के लिए मजबूर थीं। वहीं इन 8 वर्षों में बेटी, व्यापारी, आम नागरिक सभी सुरक्षित हैं जबकि माफिया और उनके गुर्गे असुरक्षित जरूर हुए हैं। आज प्रदेश देश में बड़ी अर्थव्यवस्था बन कर उभरा है।

16 लाख से अधिक महिलाओं को मिली 2100 करोड़ से अधिक की सहायता

एजेंसी (हि.स.)
अहमदाबाद

- गंगा स्वरूपा आर्थिक सहायता योजना के जरिए विधवा महिलाओं के साथ खड़ी है गुजरात सरकार
- बजट में गत वर्ष की तुलना में 700 करोड़ रुपये की वृद्धि, वर्ष 2025-26 का बजट 3015 करोड़ रुपये

गुजरात में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली राज्य सरकार विभिन्न महिला-उन्मुखी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण योजना है गंगा स्वरूपा आर्थिक सहायता योजना। राज्य की विधवा महिलाएँ आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनें तथा गौरवपूर्वक जीवन यापन कर सकें, इसके लिए गुजरात सरकार ने गंगा स्वरूपा आर्थिक सहायता योजना को क्रियान्वित किया है। इसके तहत 16 लाख से अधिक महिलाओं को मिली 2100 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता मिली है।

अधिक से अधिक विधवा महिलाओं को आर्थिक लाभ मिले, इस उद्देश्य से गंगा स्वरूपा आर्थिक सहायता योजना के बजट में राज्य सरकार द्वारा लगातार वृद्धि की गई है। राज्य सरकार के सूचना विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार पिछले एक वर्ष में ही इस योजना के बजट में बहुत बड़ी यानी लगभग 700 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है। वर्ष 2024-25 में इस योजना के लिए 2362.67 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था, जिसके सापेक्ष वर्ष 2025-26 में इस योजना के लिए 3015 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2024-25 के लिए गंगा स्वरूपा आर्थिक सहायता योजना अंतर्गत 16.49 लाख विधवा महिलाओं को 2161.64 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता (फरवरी 2025 तक) का भुगतान किया गया, जो महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने की गुजरात सरकार की प्रतिबद्धता दशार्ता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी 'वुमन लेड डेवलपमेंट' यानी महिलाओं के नेतृत्व में विकास का मंत्र दिया है। देश की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया है। गुजरात सरकार इसी नक्शे कदम पर बढ़ने को प्रयासरत है।

गंगा स्वरूपा आर्थिक सहायता योजना अंतर्गत प्रावधान

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2019 में इस योजना अंतर्गत विधवा महिलाओं को दी जाने वाली मासिक आर्थिक सहायता बढ़ाकर 1250 रुपये की गई थी और यह राशि लाभार्थी महिलाओं को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) द्वारा देने का निर्णय किया गया था। इसके अतिरिक्त, पूर्व में लाभार्थी गंगा स्वरूपा (विधवा महिला) उसके पुत्र के वयस्क (21 वर्षीय) होने पर योजना अंतर्गत दी जाने वाली सहायता बंद कर दी जाती थी। यह शर्त निरस्त कर अब इस योजना अंतर्गत गंगा स्वरूपा महिलाओं को आजीवन सहायता दी जाती है। इसी प्रकार ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक आय सीमा 47,000 रुपये से बढ़ाकर 1,20,000 रुपये जबकि शहरी महिलाओं के लिए वार्षिक आय सीमा 68,000 रुपये से बढ़ाकर 1,50,000 रुपये की गई है।

नेतान्याहू करेंगे शिन बेट प्रमुख रोनेन बार की छुट्टी

एजेंसी (हि.स.)
तेल अवीव

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शिन बेट सुरक्षा सेवा के प्रमुख रोनेन बार को हटाने का फैसला किया है। महीनों के तनाव के बाद उन्होंने रोनेन बार से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें सूचित किया कि वह इस सप्ताह सरकार के समक्ष उनके निष्कासन का प्रस्ताव रखेंगे। यह जानकारी प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय ने रविवार को दी। सीएनएन की खबर के अनुसार, माना जाता है कि शिन बेट सुरक्षा सेवा के प्रमुख रोनेन बार को हटाने के लिए नेतन्याहू को सरकार में बहुमत का समर्थन प्राप्त है। इस बीच एक बयान में रोनेन बार ने कहा कि वह अपना पद छोड़ने से पहले कुछ जिम्मेदारियों को पूरा करने का इरादा रखते हैं। उधर, नेतन्याहू ने रविवार को जारी वीडियो बयान में कहा कि बार के निरंतर अविश्वास के कारण यह निर्णय लिया गया। नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में इजराइल के युद्ध लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बार को हटाना जरूरी होगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने अकसर शिनबेट की आलोचना की है। सुरक्षा चूक के लिए इसके अफसरों को दोषी ठहराया है। वह सात अक्टूबर, 2023 के हमास के हमले को बड़ी सुरक्षा चूक मानते हैं। इस हमले में 1,200 से अधिक लोग मारे गए थे। शिन बेट ने माना है कि एजेंसी हमलों को रोकने के लिए अपने मिशन में विफल रही है। लेकिन वह यह भी मानते हैं कि सात अक्टूबर के हमले से पहले हमास कतर की आर्थिक मदद से समृद्ध था। उसे इजराइल सरकार का आशीर्वाद प्राप्त था।

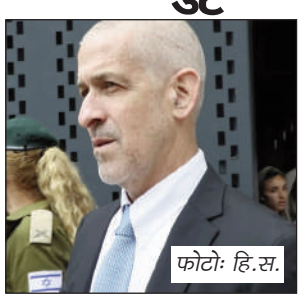
फोटोः हि.स.

स्पाइसजेट प्रमुख अजय सिंह एयरलाइन में करेंगे 294 करोड़ रुपये निवेश

नई दिल्ली। स्पाइसजेट एयरलाइंस के संस्थापक और प्रमोटर अजय सिंह अपनी प्रमोटर समूह कंपनी स्पाइस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के जरिए एयरलाइन में अतिरिक्त 294.09 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इससे निजी एयरलाइन में प्रमोटर समूह की हिस्सेदारी 29.11 फीसदी से बढ़कर 33.47 फीसदी हो जाएगी। स्पाइसजेट ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि उसके संस्थापक अजय सिंह वारंट को इक्विटी शेयरों में बदलकर प्रवर्तक समूह इकाई के जरिए एयरलाइन में 294 करोड़ रुपये निवेश करेंगे। इसके बाद एयरलाइन में प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी बढ़कर 33.47 फीसदी हो जाएगी। कंपनी के मुताबिक अजय सिंह 13,14,08,514 वारंट को समान संख्या में इक्विटी शेयरों (13.14 करोड़ इक्विटी शेयर) में बदलकर स्पाइसजेट में 294.09 करोड़ रुपये डालेंगे। इस खबर के बाद स्पाइसजेट एयरलाइन के शेयरों में भारी उछाल देखने को मिला है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 6.4 फीसदी बढ़कर 48.40 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था, जो सोमवार को शुरूआती कारोबार में 0.6 फीसदी ऊपर था।

एशियन फिल्म अवार्ड में भारत का जलवा

एजेंसी (हि.स.)
हांगकांग

- पायल की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' और 'संतोष' की अभिनेत्री शहाना को शीर्ष सम्मान

'एशियन फिल्म अवार्ड 2025' में भारत का जलवा रहा। पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म और फिल्म 'संतोष' की अभिनेत्री शहाना गोस्वामी और इसकी निर्देशक संध्या सूरी को शीर्ष सम्मानों से नवाजा गया। 'एशियन फिल्म अवार्ड 2025' के 18वें पुरस्कार समारोह का आयोजन हांगकांग के वेस्ट कॉव्लून कल्चरल जिले के जिकू सेंटर में 16 मार्च को किया गया। एशियन फिल्म अवार्ड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर विजेताओं की सूची और विस्तृत विवरण साझा किया है। वेबसाइट के अनुसार, ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार प्रदान किया गया। कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट 'ब्लैक डॉग' (चीन), 'एक्सहुमा' (दक्षिण कोरिया), 'टेकी कॉमेथ' (जापान) और 'ट्विलाइट ऑफ द वॉरियर्स: वॉल्ड इन' (हांगकांग) के साथ प्रतिस्पर्धा में थी।

अभिनेत्री शहाना को फिल्म 'संतोष' में शानदार भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया। साथ ही इस फिल्म के लिए सूरी को सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक का पुरस्कार भी मिला। फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट पिछले वर्ष कान फिल्म महोत्सव में 'ग्रैंड प्री' पुरस्कार जीतकर इतिहास रच चुकी है। इस फिल्म में केरल की दो नर्सों प्रभा (कनी कुसरुति) अनु (दिव्या प्रभा) और महाराष्ट्र के सुदूर गांव की विधवा पार्वती (छाया कदम) की कहानी है। तीनों एक अस्पताल में काम करती हैं। प्रभा और अनु रूम पार्टनर हैं। पार्वती चाय बनाती हैं। इस फिल्म में मुंबई का स्याह संघर्ष दिखता है। फिल्म 'संतोष' की नायिका नवविवाहित गृहिणी संतोष (शहाना गोस्वामी) है। उसे अपने दिवंगत पति की पुलिस कांस्टेबल की नौकरी मिल जाती है और वह एक लड़की की हत्या की जांच में उलझ जाती है। संतोष के निर्माण में भारत के साथ ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस ने सहयोग किया है। यह फिल्म उत्तर भारत के एक गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित है। पुलिस कांस्टेबल की नौकरी मिलना उसके जीवन में कई मुश्किलों और संघर्षों का कारण बनती है। फिल्म की शूटिंग अगस्त से अक्टूबर 2023 के बीच लखनऊ और आसपास के इलाकों में की गई थी। इसे 97वें अकादमी पुरस्कारों (ऑस्कर) में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म के लिए ब्रिटेन की एंट्री के तौर पर भी चुना जा चुका है।

मारुति सुजुकी अप्रैल से वाहनों की कीमत में 4 फीसदी तक की करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने अप्रैल से अपने वाहनों की कीमतों में चार फीसदी तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह कच्चे माल की बढ़ती लागत के असर को कम करने के लिए यह वृद्धि करेगी, जो मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को शेयर बाजार को नियामक फाइलिंग में बताया कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और परिचालन व्यय के मद्देनजर उसने अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों को बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा कि वह अपने वाहनों की कीमतों में चार फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। मारुति सुजुकी घरेलू बाजार में शुरूआती स्तर की ऑल्टो के-10 से लेकर इनविक्टो तक के मॉडल को बेचती है। एमएसआईएल ने पिछले साल दिसंबर, 2024 में अपने वाहनों की कीमतों में 4 फीसदी की वृद्धि की थी, जो जनवरी 2025 में लागू हुआ था। इस दौरान मारुति सुजुकी इंडिया ने अलग-अलग मॉडल की कीमतों में 1,500 रुपये से लेकर 32,500 रुपये तक की बढ़ोतरी की थी।

नेपाली संसद में यौन व्यवसाय को कानूनी मान्यता देने का प्रस्ताव, विपक्षी दलों का विरोध

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के प्रमुख सचेतक श्याम घिमिरे ने संसद में यौन व्यवसाय को कानूनी मान्यता देने के प्रस्ताव पेश किया है, जिसका विपक्षी दलों ने जमकर विरोध किया है। नेपाली कांग्रेस के इस प्रस्ताव पर सोमवार को संसद में जानकार हंगामा हुआ है। विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव को संसद के रेकॉर्ड से ही हटाने की मांग की है। सोमवार को नेपाल की संसद में विपक्षी सांसदों ने कांग्रेस के उस प्रस्ताव का जमकर विरोध किया है, जिसमें पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए यौन व्यवसाय को कानूनी मान्यता देने का प्रस्ताव रखा। संसद में कांग्रेस पार्टी के प्रमुख सचेतक घिमिरे ने कहा कि धार्मिक पर्यटकों के नेपाल आने से देश के अर्थतंत्र पर कोई खास फायदा नहीं हो रहा है, क्योंकि धार्मिक पर्यटक अधिक पैसा खर्च नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए यौन व्यवसाय को कानूनी मान्यता देने की आवश्यकता है। घिमिरे का तर्क है कि गैर कानूनी ढंग से बड़े पैमाने पर नेपाल में यौन व्यवसाय हो रहा है। अगर इसको कानूनी मान्यता मिल जाए तो न सिर्फ पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा, बल्कि देश को आर्थिक लाभ भी होगा।

संक्षिप्त-समाचार

काठमांडू से उत्तर प्रदेश जा रही मिनी बस दुर्घटनाग्रस्त, 17 यात्री घायल

काठमांडू। काठमांडू से उत्तर प्रदेश के रायबरेली की ओर जा रही एक भारतीय मिनी बस सोमवार की सुबह हेटौडा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। बस में सवार सभी 17 यात्रियों के घायल होने की खबर है, जिनमें चार की अवस्था गंभीर बताई गई है। हेटौडा के डीएसपी श्याम अर्याल ने बताया कि काठमांडू घूमने आए रायबरेली के यात्री मिनी बस (यूपी-70/एनटी 6917) से वापस जा रहे थे, तभी ब्रेक फेल होने के कारण हेटौडा में इंद्रसरोवर धाराखोलछा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में बस चालक सहित सभी 17 यात्री घायल हो गए हैं। घायलों में चार यात्रियों की अवस्था गंभीर है। पुलिस के मुताबिक गंभीर रूप से घायल रायबरेली जिले के निवासी 55 वर्षीय राज करण तिवारी, 38 वर्षीय जीतेन्द्र प्रताप सिंह, 44 वर्षीय अजय मिश्र और 38 वर्षीय अभय प्रताप सिंह को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी यात्रियों को सामान्य उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है।

मध्य और पूर्वी अमेरिका में तूफान का कहर, 39 लोगों की मौत

वाशिंगटन। मध्य और पूर्वी अमेरिका में तूफान ने कहर बरपाया है। अब तक कम से कम से 39 लोगों की मौत हो गई। बवंडर के बीच ओले गिरे हैं। कई जगह बारिश से भी भारी तबाही हुई है। सीएनएन की खबर के अनुसार, शनिवार को ट्यूपेलो में 5.12 इंच बारिश होने से दैनिक बारिश का रिकॉर्ड टूट गया। इससे पहले 15 मार्च, 1973 को 2.82 इंच बारिश हुई थी। बॉलिंग ग्रीन में भी शनिवार को 3.3 इंच बारिश के साथ दैनिक रिकॉर्ड टूट गया। 1922 में 15 मार्च को 2.25 इंच बारिश हुई थी। अलबामा, मिसिसिपी, मिसौरी, अर्कांसस और केंटकी, इंडियाना, साउथ कैरोलिना और पॉलडिंग काउंटी और जॉर्जिया बवंडर से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई जगह हवा की गति 89 मील प्रति घंटे रही।

दूरसंचार विभाग ने लॉन्च किया 5जी हैकाथॉन, विजेता को मिलेंगे पांच लाख रुपये

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 5जी इनोवेशन हैकाथॉन 2025 की घोषणा की है। यह छह महीने तक चलेगा, जिसका उद्देश्य सामाजिक और औद्योगिक चुनौतियों के समाधान के लिए अभिनव 5जी-संचालित समाधानों के विकास में तेजी लाना है। यह छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों के लिए खुली है। इसमें विजेता को 5 लाख रुपये तक का प्रथम पुरस्कार मिलेगा। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि ये हैकथॉन एआई-संचालित नेटवर्क के रखरखाव, आईओटी-सक्षम समाधान, 5जी प्रसारण, कृषि, स्मार्ट स्वास्थ्य, औद्योगिक स्वचालन, गैर-स्थलीय नेटवर्क, डी2एम, वी2एक्स और क्वांटम संचार जैसे प्रमुख 5जी अनुप्रयोगों पर केंद्रित प्रस्ताव को आमंत्रित करता है। छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों के लिए आयोजित यह कार्यक्रम मेंटरशिप, फंडिंग और 100 से अधिक 5जी यूज केस लैब्स तक पहुँच प्रदान करता है, जिससे प्रतिभागियों को दूरदर्शी विचारों को तकनीक में बदलने में मदद मिलती है। मंत्रालय के मुताबिक इसके लिए 15 मार्च से लेकर 15 अप्रैल 2025 तक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे, 01 अक्टूबर 2025 को अंतिम विजेताओं की घोषणा की जाएगी और हर दो सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट और एक केंद्रीकृत ट्रैकिंग डैशबोर्ड के माध्यम से कार्यक्रम के लक्ष्यों को पूरा किया जाएगा। इसके तहत प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए नेटवर्क स्लाइसिंग, सेवा की गुणवत्ता और कॉल-फ्लो परिदृश्यों जैसी 5जी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 5जी इनोवेशन हैकाथॉन 2025 को सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देकर 5जी तकनीक की परिवर्तनकारी क्षमता के उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह हैकाथॉन, 5जी नवाचार में अग्रणी होने के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

जनवरी के मुकाबले फरवरी में थोक महंगाई दर में 0.07 फीसदी बढ़कर 2.38 फीसदी हुई

नई दिल्ली। फरवरी में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर 2.38 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने जनवरी में यह 2.31 फीसदी थी। फरवरी, 2025 में थोक महंगाई दर में वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, खाद्य वस्तुओं, अन्य विनिर्मित वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं और कपड़ा आदि के मूल्यों में बढ़ोत्तरी के कारण है। पिछले महीने जनवरी में यह 2.31 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि विनिर्मित खाद्य उत्पादों की महंगाई फरवरी में बढ़कर 11.06 फीसदी हो गई, वनस्पति तेल में 33.59 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि पेय पदार्थों की महंगाई इस दौरान मामूली रूप से बढ़कर 1.66 फीसदी हो गई। हालांकि, सब्जियों की कीमतों में नरमी आई और आलू की महंगाई 74.28 फीसदी से घटकर 27.54 फीसदी पर आ गई है। इसके अलावा ईंधन और बिजली श्रेणी की महंगाई में फरवरी में 0.71 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि पिछले महीने जनवरी में इसमें 2.78 फीसदी की गिरावट आई थी। फरवरी महीने में खुदरा महंगाई दर दाल और सब्जियों के सस्ती होने की वजह से घटकर सात महीने के निचले स्तर 3.61 फीसदी पर आ गई है, जो जनवरी महीने में 4.31 फीसदी थी।

छत्तीसगढ़ में एक लाख के इनामी नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

कोंड़ागांव। छत्तीसगढ़ के कई नक्सल प्रभावित जिलों में सक्रिय बारसूर एरिया कमेटी अंतर्गत बारसूर एलओएस कैडर के एक लाख के इनामी नक्सली राजमन होड़ी ने सोमवार को पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। नक्सली राजमन जिला कोण्डागांव, नारायणपुर, बस्तर और दंतेवाड़ा के सीमावर्ती नक्सल प्रभावित इलाकों में सक्रिय था। आत्मसमर्पित नक्सली को 25 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के हमलों से दहला पाकिस्तान

- नेशनल असेंबली के स्पीकर ने सुरक्षा पर आज बैठक बुलाई

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

फोटोः हि.स.

बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में हो रहे हमलों के मुद्दे पर चर्चा करने के नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने आज बैठक आहूत की है। यह बैठक दोपहर 1:30 नेशनल असेंबली भवन में होगी। स्पीकर ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर संसदीय समिति से इस दौरान मौजूद रहने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अयाज सादिक से बैठक बुलाने का आग्रह किया था। डान अखबार के मुताबिक, बंद कमरे में होने वाली इस बैठक में पाकिस्तान आर्मी के अधिकारी संसद को बताएंगे कि जमीनी हालात क्या हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर नेशनल असेंबली के स्पीकर ने मंगलवार दोपहर 1:30 बजे बंद कमरे में विशेष सत्र बुलाया है। यह बैठक नेशनल असेंबली हॉल में होगी।

बताया गया है कि हुकूमत प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और प्रांत में बढ़ते आतंकवादी हमलों में शामिल अन्य आतंकवादी संगठनों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाने पर भी विचार कर रही है। इस बीच नेशनल असेंबली के एक सूत्र ने साफ किया है कि चूंकि सुरक्षा पर कोई संसदीय समिति गठित नहीं की गई है, इसलिए नेशनल असेंबली से रक्षा और विदेश मामलों पर स्थायी समितियों के सदस्य, संघीय कैबिनेट के सदस्य, चार प्रांतों के मुख्यमंत्री और सभी संसदीय दलों के नेता या उनके प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, सैन्य नेतृत्व बैठक के दौरान बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा की मौजूदा सुरक्षा स्थिति से अवगत कराएगा।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन करना होगा आसान, ऐप लॉन्च

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित नए संसद भवन में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के लिए एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया। इस ऐप के जरिए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन करना आसान हो जाएगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना से जुड़ी जानकारियां देने के लिए पहले सुविधा केंद्र की शुरूआत की गई है। यह केंद्र कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने बनाया है। यहां से युवाओं को इंटर्नशिप के बारे में जानकारी और मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत इंटर्नशिप करने के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख पहले 12 मार्च थी, लेकिन इसको बढ़ाकर 31 मार्च तक कर दिया गया है। मोबाइल ऐप के लॉन्च होने के बाद युवाओं के लिए सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और देश की टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप करना और भी आसान हो जाएगा। आवेदक प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर भी आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत पहले दौर में 1.27 लाख युवाओं को इंटर्नशिप करने का अवसर मिला था। अब दूसरे दौर में 1.25 लाख से ज्यादा युवाओं को इंटर्नशिप का मौका देने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने इस योजना के पायलट प्रोजेक्ट के लिए 840 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, जिसमें से 48 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। इस योजना के लिए पात्र आवेदक की आयु 21 से 24 वर्ष होनी चाहिए, उसने कक्षा 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण की हो। इसके साथ ही उसके पास स्नातक की डिग्री, आईटीआई डिप्लोमा या अन्य तकनीकी योग्यता हो।

कार्यक्रम

समय के साथ जीवन प्रबंधन को जोड़ते हुए नैतिक मूल्यों के लिए कार्य करने पर जोर दिया

राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए पारदर्शिता से जुड़ी कार्य संस्कृति का हो विकास: राज्यपाल

एजेंसी (हि.स.)
जयपुर

फोटोः हि.स.

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि प्रशासनिक और लेखा सेवा में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए अधिकारी पूर्ण पारदर्शिता की कार्य की संस्कृति का विकास करें। उन्होंने समय के साथ जीवन प्रबंधन को जोड़ते हुए नैतिक मूल्यों के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजकीय सेवा में आने के बाद अधिकारियों को यह चाहिए कि वे जन कल्याण से जुड़े कार्यों और विकास योजनाओं का प्रभावी रूप में क्रियान्वयन करें।

बागडे सोमवार को राजभवन में राजस्थान प्रशासनिक और लेखा सेवा के वर्ष 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। राजभवन में अतिरिक्त मुख्य सचिव और हरिश्चन्द्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान की महानिदेशक श्रेया गुहा की पहल पर इन अधिकारियों की राज्यपाल से मुलाकात हुई।

इस दौरान राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों के कार्य और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि राज्य और देश के विकास में वे भविष्य में सार्थक भूमिका निभाएं। उन्होंने लोकसभा के पहले अध्यक्ष रहे गणेश वासुदेव मावलंकर का उदाहरण देते हुए कहा कि संसदीय परम्पराओं और मयार्दाओं के साथ लोक प्रशासन की देश में उन्होंने नींव रखी। उन्होंने आचार्य चाणक्य और अन्य महापुरुषों का संदर्भ देते हुए कहा कि राजकीय सेवा में ईमानदारी और राजकीय हित को प्रमुखता देते हुए कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जीवन में भोजन के साथ हर स्तर पर व्यवस्थित नियोजन और प्रबंधन यदि आप करते हैं, तभी पदस्थापित पद पर अपने आपको प्रभावी रूप में साबित कर पाएंगे।

राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज ने अधिकारियों से पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच जरूरी है। अधिकारी राजकीय हित में अपनी पूर्ण क्षमता के साथ काम करें। आरंभ में हरिश्चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान की अतिरिक्त महानिदेशक शैली कृष्णा ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा और लेखा सेवा के प्रशिक्षु 107 अधिकारियों के प्रशिक्षण और ओटीएस की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

न्यूकैसल यूनाइटेड ने 70 साल बाद जीता घरेलू खिताब, लिवरपूल को 2-1 से हराकर जीता कप

दो साल पहले न्यूकैसल को लीग कप फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

न्यूकैसल यूनाइटेड ने 70 वर्षों का घरेलू ट्रॉफी सूखा समाप्त करते हुए रविवार को वेम्बली स्टेडियम में लीग कप (जिसे काराबाओ कप भी कहा जाता है) के फाइनल में मौजूदा चैंपियन लिवरपूल को 2-1 से हरा दिया। डैन बर्न और अलेक्जेंडर इसाक के गोलों ने न्यूकैसल को ऐतिहासिक जीत दिलाई और जिओर्डी प्रशंसकों के लिए जश्न का माहौल बना दिया। यह न्यूकैसल के लोकल हीरो डैन बर्न के लिए भी खास दिन रहा, जिन्होंने 45वें मिनट में दमदार हेडर के जरिए अपनी टीम को बढ़त दिलाई। न्यूकैसल के प्रशंसकों के जबरदस्त समर्थन के बीच टीम ने सात मिनट बाद ही दूसरा गोल दाग दिया, जब स्वीडिश स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक ने लिवरपूल के गोलकीपर काओइम्हिन केलहर को छकाते हुए गोल दागा।

- लिवरपूल के स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सालाह पहली बार 90 मिनट तक खेलने के बावजूद न तो कोई शॉट ले सके और न ही कोई मौका बना सके

फोटोः हि.स.

हालांकि, प्रीमियर लीग के टॉप पर चल रही लिवरपूल ने स्टॉपेज टाइम में इटली के फेडेरिको चिएसा के गोल से वापसी की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और जीत न्यूकैसल के नाम रही।

दो साल पहले न्यूकैसल को लीग कप फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी किस्मत बदल दी। न्यूकैसल के कप्तान ब्रूनो गिमारेस ने ट्रॉफी उठाने से पहले कहा, यह जीत हमारे प्रशंसकों के लिए है। जब मैं यहां आया था, तो मैंने कहा था कि मैं इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना चाहता हूं, और अब हम कह सकते हैं कि हम चैंपियन हैं।

दूसरी ओर, लिवरपूल की टीम इस मैच में फीकी नजर आई और पेरिस सेंट-जर्मेन से चैंपियंस लीग में पेनल्टी शूटआउट में हारने के बाद पूरी तरह थकी हुई दिखी। लिवरपूल के स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सालाह पहली बार 90 मिनट तक खेलने के बावजूद न तो कोई शॉट ले सके और न ही कोई मौका बना सके।

लिवरपूल के मैनेजर अर्ने स्लॉट के लिए यह पहला वेम्बली फाइनल था, जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे। उन्होंने स्वीकार किया, यह निराशाजनक प्रदर्शन था। न्यूकैसल ने वही किया जो वह चाहता था और उसने जीत डिजर्व की।

मैच की शुरूआत में न्यूकैसल अधिक आक्रामक नजर आया और सैंड्रो टोनाली ने पोस्ट के पास से एक तेज शॉट लगाया। लिवरपूल की टीम पहले हाफ को 0-0 से खत्म करने की कोशिश में थी, लेकिन 45वें मिनट में डैन बर्न ने कीरन ट्रिपियर के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर न्यूकैसल के प्रशंसकों को खुशी से झूमने पर मजबूर कर दिया।

दूसरे हाफ की शुरूआत में ही न्यूकैसल ने फिर से दबाव बनाया और 52वें मिनट में जैकब मर्फी के हेडर को इसाक ने गोल में तब्दील कर दिया। इसाक का यह 23वां गोल था और अब वह न्यूकैसल के नए सुपरस्टार बन चुके हैं। लिवरपूल ने आखिरी क्षणों में वापसी की कोशिश की और कर्टिस जोन्स के एक जोरदार शॉट को न्यूकैसल के गोलकीपर निक पोप ने रोक लिया। हालांकि, चिएसा ने स्टॉपेज टाइम में एक गोल कर लिवरपूल की उम्मीदों को जगाने की कोशिश की, लेकिन अंततः न्यूकैसल ने जीत हासिल की।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 36 सदस्यीय संभावित कोर ग्रुप की घोषणा की

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार समारोह के बाद आज बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में वापसी की। हॉकी इंडिया ने इस कैंप के लिए 36 खिलाड़ियों को बुलाया है, जो 28 मार्च तक चलेगा। भारतीय टीम ने हाल ही में एफआईएच हॉकी प्रो लीग (पुरुष) 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उसने अपने घरेलू मैदान पर खेले गए आठ मैचों में से पांच में जीत दर्ज की।

भारत फिलहाल 15 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड और बेल्जियम क्रमशः 16 अंकों के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं। कैंप को लेकर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, खिलाड़ियों के लिए यह काफी व्यस्त सत्र रहा है, जिसमें लगातार प्रतियोगिताएं और उच्च स्तरीय मैच शामिल रहे। इस कैंप में हमारा फोकस फिटनेस और कंडीशनिंग पर रहेगा, साथ ही हालिया प्रदर्शन का विश्लेषण भी किया जाएगा। हमारा ध्यान प्रो लीग के अगले चरण के लिए टीम को तैयार करने पर रहेगा और मैं देखना चाहूंगा कि कुछ युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को कैसे साबित करते हैं।

संभावित कोर ग्रुप

गोलकीपरः कृष्ण बहादुर पाठक, पवन, सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनहल्लि शशिकुमार।
डिफेंडर्सः जर्मनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, अमनदीप लकड़ा, नीलम संजीप, वरुण कुमार, यशदीप सिवाच।
मिडफील्डर्सः राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, मोहम्मद रहील मौसीन, विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, पूवन्ना सीबी।
फॉरवर्ड्सः अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, अंगद बीर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे, बॉबी सिंह धामी, सुदीप चिरमाको, सेल्वम कार्ति, शिलानंद लकड़ा, दिलप्रीत सिंह, उत्तम सिंह।

इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड से लिया बदला, मेसी के गोल से 2-1 की हासिल की जीत

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत इंटर मियामी ने रविवार को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस की तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड को 2-1 से हराकर पिछले सत्र के प्लेऑफ में मिली हार का बदला ले लिया। वेटरन हैती इंटरनेशनल फाफा पिको ने 89वें मिनट में हेडर के जरिए निर्णायक गोल दागा, जिससे मियामी ने इस सत्र में अपनी अजेय लय को बरकरार रखा। अटलांटा ने मैच की शुरूआत में ही इंटर मियामी पर दबाव बना दिया और 11वें मिनट में आइवरी कोस्ट के इमैनुएल लाटे लाथ ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल मिगुएल अल्मिरोन के एक शानदार पास से बना, जिसे ब्रूक्स लेनन ने क्रॉस में तब्दील किया और लाथ ने हेडर के जरिए गेंद को नेट में डाल दिया। हालांकि, मियामी को बराबरी करने में ज्यादा समय नहीं लगा। 20वें मिनट में अटलांटा के पोलिश मिडफील्डर बार्टोज सिल्स्ज की गलती का फायदा उठाते हुए मेसी ने गेंद छीन ली। उन्होंने डिफेंडर डेरिक विलियम्स को छकाते हुए शानदार फिनिशिंग के साथ गेंद को गोलकीपर ब्रैड गुजान के ऊपर से नेट में डाल दिया। दूसरे हाफ में मियामी ने कई मौके बनाए, लेकिन अटलांटा के अनुभवी गोलकीपर ब्रैड गुजान ने शानदार बचाव किया। 65वें मिनट में उन्होंने मेसी के एक शानदार शॉट को रोका। हालांकि, 89वें मिनट में मियामी को विजयी गोल मिल ही गया।

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश को पीसीबी ने भेजा कानूनी नोटिस

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के 30 वर्षीय ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अनुबंध उल्लंघन के मामले में कानूनी नोटिस भेजा है। बॉश ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) 2025 से अपना नाम वापस ले लिया था, जिसके बाद ढउइ ने यह कदम उठाया। कॉर्बिन बॉश को आगामी आईपीएल 2025 के लिए मुंबई इंडियंस ने लिजाड विलियम्स की जगह टीम में शामिल किया है। लिजाड विलियम्स चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बॉश पहले पीसीएल 2025 में पेशावर जल्मी के लिए खेल रहे थे, लेकिन आईपीएल में अवसर मिलने के बाद उन्होंने पीसीएल से नाम वापस ले लिया। पीसीबी ने रविवार को जारी किए गए बयान में कहा, खिलाड़ी को उसके एजेंट के माध्यम से कानूनी नोटिस भेजा गया है और उससे अनुबंधित प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने की वजह स्पष्ट करने के लिए कहा गया है। पीसीबी ने यह भी स्पष्ट किया कि बॉश के इस कदम से लीग पर क्या असर पड़ेगा, यह भी नोटिस में उल्लेख किया गया है।

युवाओं के लिए आगे बढ़ने का बड़ा अवसर है खेलो इंडिया पैरा गेम्स : नवदीप सिंह

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

पैरालिंपिक खेल 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाले भाला फेंक खिलाड़ी नवदीप सिंह का मानना है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स पैरा एथलीटों के निरंतर विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, और यह देश में पैरा खेलों को बढ़ावा देने में सरकार की गहरी दिलचस्पी को दशार्ता है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी 2025) का दूसरा संस्करण गुरुवार (20 मार्च) से शुरू होने वाला है। अर्जुन पुरस्कार विजेता एथलीट ने बताया कि कैसे यह टूर्नामेंट पैरा एथलीटों के लिए खेल इकोसिस्टम विकसित करने में मदद कर रहा है।

नवदीप ने साई मीडिया से कहा, केआईपीजी 2025 वरिष्ठ एथलीटों के लिए एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का एक बेहतरीन मंच है। हम हर समय एक-दूसरे को प्रेरित भी करते हैं। यह हमें अपने प्रशिक्षण मॉड्यूल का परीक्षण करने और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पहले अपनी ताकत और कमजोरियों का अभ्यास करने में मदद करता है। हमें नवोदित एथलीटों से मिलने और प्रतियोगिताओं पर अलग-अलग विचारों और विचारों का आदान-प्रदान करने का भी मौका मिलता है। उल्लेखनीय है की नई दिल्ली में तीन स्थानों - जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, इंदिरा गांधी स्टेडियम और डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज - में सात दिवसीय टूर्नामेंट में 1200 से अधिक एथलीट भाग लेंगे।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स का उद्घाटन संस्करण दिसंबर 2023 में हुआ और सफल साबित हुआ। केआईपीजी के पहले संस्करण में भाग लेने वाले कम से कम 25 एथलीट पेरिस में 2024 पैरालिंपिक के लिए भारत के 84 सदस्यीय दल में शामिल थे। नवदीप सिंह ने केआईपीजी 2023 में भी भाग लिया था और रजत पदक जीता था। पेरिस में, उन्होंने एफ41 श्रेणी में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता। पैरा भाला फेंक खिलाड़ी ने बताया कि कैसे घरेलू स्तर के टूर्नामेंट देश में प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करते हैं और कई खेलों में भारत के लिए पैरा एथलीटों की एक पाइपलाइन बनाते हैं। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, पेरिस पैरालिंपिक में भारत के प्रदर्शन के बाद पैरा खेलों में रुचि बढ़ रही है, जिसमें कई युवा खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। मुझे विश्वास है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में भी कई नए एथलीट भाग लेंगे। मुझे उम्मीद है कि देश को नई प्रतिभाएं देखने को मिलेंगी, जिससे भविष्य की संभावनाओं को पहचानने में मदद मिलेगी।

नवदीप ने आगे कहा, घरेलू टूर्नामेंट पैरा एथलेटिक्स के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। हाल ही में संपन्न विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 में कई नए एथलीटों को भी शामिल किया गया और उन्हें अवसर मिले। केआईपीजी 2025 देश में प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा।

भारत ने वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब जीता

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

रायपुर में रविवार रात खेले गए इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण के फाइनल में भारत ने वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के लिए अंबाती रायुडू ने 50 गेंदों में 74 रनों की शानदार पारी खेली और टीम को 149 रनों के लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें पहले सचिन तेंदुलकर और फिर गुरकीरत सिंह मान व युवराज सिंह का साथ मिला। रायुडू ने पूरे मैदान में बेहतरीन शॉट लगाए, जबकि तेंदुलकर ने स्ट्राइक रोटेट करते हुए एक शानदार अपर कट खेलकर छक्का जमाया। हालांकि, उनकी पारी ज्यादा लंबी नहीं चली और टीनो बेस्ट ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया।

इसके बाद, रायुडू और गुरकीरत ने पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि, भारत ने जल्दी-जल्दी तीन विकेट गंवाए, लेकिन युवराज सिंह और स्टुअर्ट बिन्नी ने 18वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर टीम को जीत दिला दी। इससे पहले, वेस्टइंडीज के लिए ड्वेन स्मिथ ने 35 गेंदों में 45 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, लेकिन उन्हें कप्तान ब्रायन लारा और विलियम पर्किन्स का अधिक सहयोग नहीं मिला।

शुरू करना चाहते हैं मंगलवार का व्रत तो जानें कुछ जरूरी बातें

मंगलवार के व्रत को लेकर ऐसी मान्यता है यह बल, साहस, सम्मान और पुरुषार्थ को बढ़ाने वाला माना जाता है। इस व्रत को करने से हनुमानजी की प्रसन्न होकर हमारे जीवन के सभी संकटों को दूर करते हैं। साथ ही यह भी माना जाता है कि इस व्रत करने से हम सभी प्रकार की बुरी शक्तियों और नेगेटिव एनर्जी से दूर रहते हैं। कभी सोचा है कि हनुमानजी की व्रत मंगल को ही क्यों किया जाता है ? आज हम आपको बता रहे हैं कि किस वजह से हनुमानजी की पूजा मंगलवार को की जाती है।

व्रत के दौरान इन नियमों का करें पालन

- मंगलवार के व्रत में सबसे ज्यादा ध्यान पवित्रता का रखा जाता है।
- पूजा के वक्त मन को इधर-उधर न भटकने दें। शांत मन से प्रभु का ध्यान करें।
- मंगलवार के दिन व्रत रखते हैं तो नमक का सेवन न करें। इसके साथ ही अगर किसी मीठी वस्तु का दान करते हैं तो उसे स्वयं ग्रहण न करें।
- मंगलवार के व्रत में भूलकर काले या सफेद वस्त्र पहनकर हनुमानजी की पूजा न करें। इस दिन लाल कपड़े पहनना सबसे अच्छा होता है।
- व्रत रखने वाले व्यक्ति को दिन भर में केवल एक बार भोजन करना चाहिए।

व्रत का आरंभ कब से करें

यदि आप रखना चाहते हैं मंगलवार का व्रत तो इसका आरंभ किसी भी महीने के शुक्ल पक्ष के पहले मंगलवार से करना सबसे अच्छा माना जाता है। यदि मन में कोई मनोकामना लेकर आप यह व्रत शुरू करना चाहते हैं तो 21 या 45 मंगलवार व्रत करने का संकल्प लेना चाहिए। ऐसा करने से आपके मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। 21 या 45 मंगल व्रत करने के बाद आपको उद्यापन करना चाहिए। इस दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाने के साथ ही दान पुण्य भी करना चाहिए।

क्या महिलाएं कर सकती हैं यह व्रत

महिलाओं के मन में हनुमानजी की पूजा को लेकर अक्सर संदेह बना रहता है। लेकिन पुराणों में बताया गया है कि महिलाएं भी बजरंगबली की पूजा कर सकती हैं और व्रत रख सकती हैं। किसी ग्रंथ में यह नहीं लिखा है कि महिलाओं को हनुमानजी की पूजा नहीं करना चाहिए। बस महिलाओं द्वारा हनुमानजी को लाल वस्त्र या फिर चोला नहीं चढ़ाया जाना चाहिए, क्योंकि वह आजीवन ब्रह्मचारी थे। महिलाओं को मासिक धर्म के बीच में मंगलवार पड़े तो व्रत नहीं करना चाहिए।

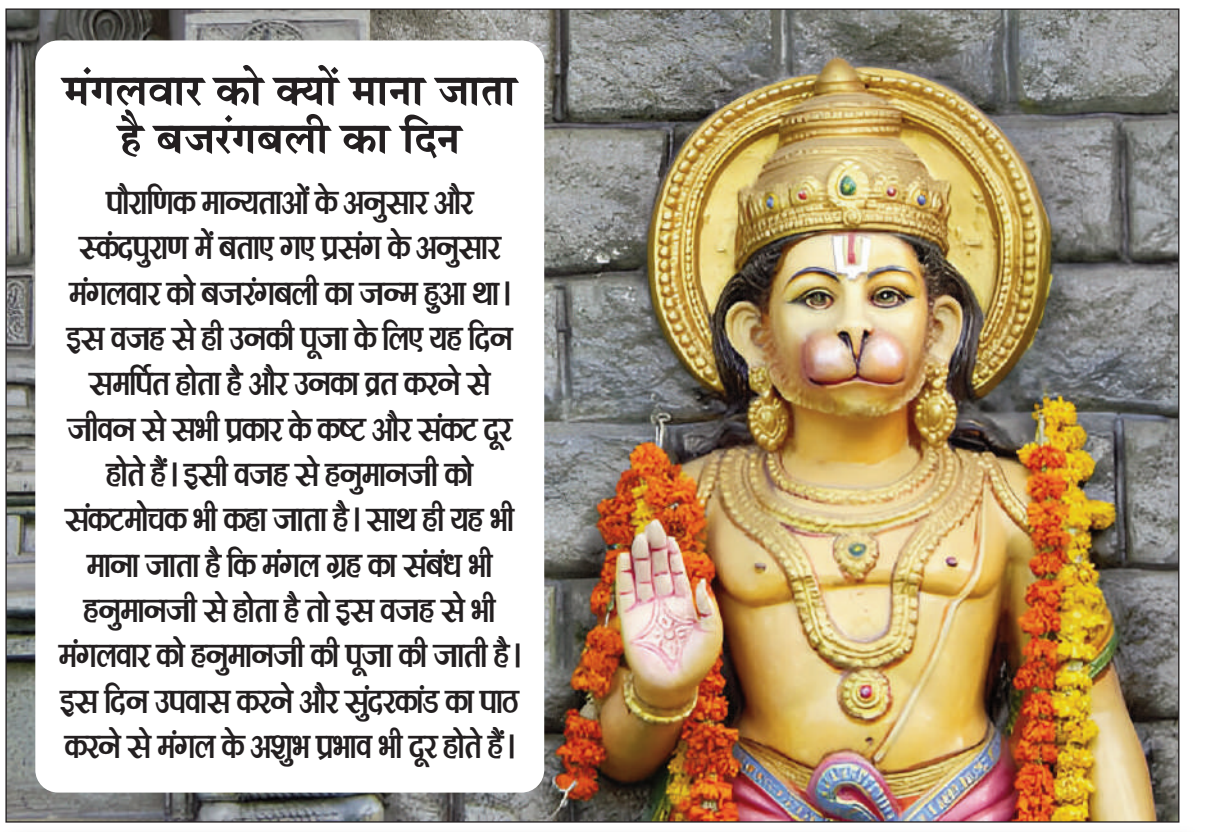

मंगलवार को क्यों माना जाता है बजरंगबली का दिन

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार और स्कंदपुराण में बताए गए प्रसंग के अनुसार मंगलवार को बजरंगबली का जन्म हुआ था। इस वजह से ही उनकी पूजा के लिए यह दिन समर्पित होता है और उनका व्रत करने से जीवन से सभी प्रकार के कष्ट और संकट दूर होते हैं। इसी वजह से हनुमानजी को संकटमोचक भी कहा जाता है। साथ ही यह भी माना जाता है कि मंगल ग्रह का संबंध भी हनुमानजी से होता है तो इस वजह से भी मंगलवार को हनुमानजी की पूजा की जाती है। इस दिन उपवास करने और सुंदरकांड का पाठ करने से मंगल के अशुभ प्रभाव भी दूर होते हैं।

हनुमानजी की आरती

आरती कीजै हनुमान लला की। दुष्ट दलन रघुनाथ कला की।।

जाके बल से गिरिवर कांपे। रोग दोष जाके निकट न झांके।।

अंजनि पुत्र महाबलदायी। संतान के प्रभु सदा सहाई।।

दे बीरा रघुनाथ पठाए। लंका जारी सिया सुध लाए।।

लंका सो कोट समुद्र सी खाई। जात पवनसुत बार न लाई।।

लंका जारी असुर संहारे। सियारामजी के काज संवारे।।

लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे। आणि संजीवन प्राण उबारे।।

पैठी पताल तोरि जमकारे। अहिरावण की भुजा उखाड़े।।

बाएं भुजा असुर दल मारे। दाहिने भुजा संतजन तारे।।

सुर-नर-मुनि जन आरती उतारे। जै जै जै हनुमान उचारे।।

कंचन थार कपूर लौ छाई। आरती करत अंजना माई।।

लंकविध्वंस कीन्ह रघुराई। तुलसीदास प्रभु कीरति गाई।।

जो हनुमानजी की आरती गावै। बसी बैकुंठ परमपद पावै।।

आज के दिन करें ये काम, समस्याएं होगी दूर

सप्ताह में मंगलवार का दिन हनुमान जी की पूजा अर्चना को समर्पित है। इस दिन उनकी उपासना करने से भक्तों को कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं। माना जाता है कि यदि सच्चे प्रेम भाव से मंगलवार के दिन पवन पुत्र हनुमान जी आराधना की जाए तो भक्तों के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं और करियर से जुड़ी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। धार्मिक ग्रंथों में बजरंगबली को शक्ति, शांति, बुद्धि, और भक्ति का देवता माना जाता है। वहीं ज्योतिष में उन्हें मंगल ग्रह का देवता कहा जाता है। उनके शुभ प्रभाव से व्यक्ति को नौकरी, व्यापार और निवेश में अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं। इस दौरान हनुमान जी की विशेष कृपा पाने के लिए कुछ उपाय करना लाभकारी हो सकता है, आइए इनके बारे में जानते हैं।

राम रक्षा स्तोत्र
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मंगलवार के दिन राम परिवार संग बजरंगबली की पूजा करें। पूजा के दौरान राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें। ऐसा करने पर हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है और सभी बिगड़े काम भी बनने लगते हैं।

बूंदी का प्रसाद
ऐसा माना जाता है कि मंगलवार के दिन हनुमान जी को बूंदी का प्रसाद चढ़ाने से वह प्रसन्न होते हैं, और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते है। मान्यता है कि लगातार 5-6 मंगलवार को इस उपाय को करने से धन वृद्धि के योग बनते हैं, साथ ही सभी प्रकार के दोष से छुटकारा मिलता है।

इस मंत्र का 108 बार जाप
मंगलवार के दिन ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः मंत्र का 108 बार जाप करने से साधक के बल में वृद्धि होती है, साथ ही मन से सभी तरह के डर भय समाप्त होते हैं।

हनुमान चालीसा का पाठ
ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान जी की विधि विधान से पूजा करें। पूजा के दौरान देसी घी जलाकर 'हनुमान चालीसा' का पाठ करें। ऐसा करने से धीरे-धीरे धन से जुड़ी समस्याएं समाप्त होती हैं।

लाल रंग के फल चढ़ाएं
मंगलवार के दिन लाल रंग के वस्त्र धारण करें। फिर हनुमान जी की पूजा करें और उन्हें लाल रंग के फल और फूल चढ़ाएं। ऐसा करने पर जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के उपाय

- राम नाम का जाप- हनुमान जी के परम भक्त होने के नाते, मंगलवार को हनुमान मंदिर जाकर राम नाम का जाप करना अत्यंत प्रभावी माना जाता है। इससे हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और जीवन के सभी संकटों का निवारण होता है।
- राम रक्षा स्तोत्र का पाठ- इस दिन राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करना अत्यधिक लाभकारी होता है। इसके साथ ही हनुमान जी को गुड़ और चने का भोग अर्पित करें, ताकि उनकी कृपा बनी रहे और जीवन में समृद्धि आए।
- मंगलवार का व्रत- यदि संभव हो तो मंगलवार का व्रत रखें और इस दिन गरीबों को भोजन कराने का कार्य करें। ऐसा करने से न केवल हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है, बल्कि जीवन में धन और अन्न की कभी कमी नहीं होती। इसके अलावा, यह उपाय कुंडली में मंगल ग्रह को भी मजबूत करता है।
- हनुमान जी को चोला चढ़ाना और सुंदरकांड का पाठ- मंगलवार को हनुमान मंदिर में जाकर हनुमान जी को चोला चढ़ाएं और साथ ही सुंदरकांड का पाठ करें। यह उपाय हनुमान जी की विशेष कृपा प्राप्त करने का एक उत्तम तरीका है।
- वट वृक्ष से पत्ते का उपाय- ब्रह्म मुहूर्त में उठकर एक वट वृक्ष का पत्ता लाएं, उसे गंगाजल से धोकर उस पत्ते पर लाल रंग से अपनी इच्छा लिखें और हनुमान जी के चरणों में अर्पित करें। ऐसा करने से आपकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं।
- रोजगार और धन प्राप्ति के उपाय- यदि आप रोजगार की तलाश में हैं, तो हनुमान जी को पान का बीड़ा अर्पित करें। इससे जल्द ही सफलता मिलती है। वहीं, धन प्राप्ति के लिए हनुमान जी को केवड़े का इत्र और गुलाब के फूलों की माला अर्पित करें।

निगरानी और यातायात प्रबंधन प्रणाली के लिए आवश्यक यातायात संकेत और गति सीमा सुनिश्चित करने के निर्देश

नगर निगम और गमाडा को पुलिस के सहयोग से सड़कों पर जेब्रा क्रॉसिंग, स्टॉप लाइन और गति सीमा के संकेत लगाने को कहा

उपायुक्त ने ट्रैफिक लाइटों का नियंत्रण कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को देने के सुझाव पर विचार करने को कहा

संवाददाता
मोहाली

साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) शहर में नए शुरू किए गए सिटी सर्विलांस एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम में आवश्यक यातायात संकेतों और बुनियादी जरूरतों की कमी के बारे में शहर निवासियों की शिकायत के बाद विधायक कुलवंत सिंह ने सोमवार को जिला प्रशासन के साथ एक आपातकालीन बैठक की और नगर निगम और गमाडा को पुलिस के सहयोग से सड़कों पर यातायात संकेत तुरंत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सोमवार को जिला प्रशासनिक परिसर में डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल, एसएसपी दीपक पारीक तथा नगर निगम कमिश्नर परमिंदर पाल सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि सीसीटीवी निगरानी केवल राजस्व वसूली का जरिया नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका उद्देश्य आम लोगों को आरामदायक परिवहन सुविधा प्रदान करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों ने इस नई प्रणाली के कारण जेब्रा क्रॉसिंग, स्टॉप लाइन और गति सीमा के बारे में स्पष्टता की कमी के कारण हो रही असुविधा की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया है, जिसके कारण उन्होंने जिला प्रशासन, जिला पुलिस, नगर निगम, गमाडा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को बैठक आयोजित करने और समयबद्ध तरीके से इस मुद्दे को हल करने के निर्देश दिए हैं।

विधायक कुलवंत सिंह द्वारा उठाए गए बिंदुओं से सहमति जताते हुए डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने नगर निगम को एक सप्ताह के भीतर तथा गमाडा को दो सप्ताह के भीतर उपरोक्त सभी कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जेब्रा क्रॉसिंग दोनों तरफ खुली होनी चाहिए और किसी फुटपाथ, खंभे या अन्य संरचना के कारण पैदल चलने वालों को कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्टॉप लाइनों को पुनः चिह्नित करने के लिए भी कहा ताकि धुंधली रेखाएं जनता को स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकें। डीसी ने चंडीगढ़ की तर्ज पर गति सीमा संबंधी साइनबोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए ताकि हल्के व भारी वाहनों की गति सीमा निर्धारित हो और लोगों को स्पष्टता मिले।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की गति सीमा अधिसूचना के अनुसार नगर निगमोंध्नगर पालिकाओं में गति सीमा अधिकतम 50 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है, जिसे मोहाली में ट्राइसिटी की तर्ज पर तय किया जाएगा और सरकार को अनुरोध भेजा जाएगा। एसएसपी दीपक पारीक ने ट्रैफिक लाइटों की टाइमिंग बढ़ाने/घटाने के नियंत्रण को सोहाना थाने में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि इन 17 बिंदुओं पर यातायात सिग्नलों का नियंत्रण एकीकृत कमांड सेंटर के अधीन आ जाए तो सड़क यातायात को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकेगा। उपायुक्त ने नगर निगम आयुक्त को ट्रैफिक लाइटों का नियंत्रण कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को देने के सुझाव पर विचार करने को कहा। इस अवसर पर एसएसपी ने अनुभव के आधार पर शहर में यातायात के पीक आवर्स के दौरान कुछ सड़कों पर भारी वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने का भी सुझाव दिया, जिस पर उपायुक्त ने विचार करने का आश्वासन दिया। बैठक में एसडीएम मोहाली दमनदीप कौर, एसपी (ट्रैफिक) एचएस मान, कृषि परिवहन अधिकारी प्रदीप सिंह ढिल्लों, कार्यकारी इंजीनियर नगर निगम और कार्यकारी इंजीनियर गमाडा, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रतिनिधि के अलावा जिला सड़क सुरक्षा समिति के गैर-सरकारी सदस्य हरप्रीत सिंह भी उपस्थित थे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने 'जल शक्ति अभियान कैच द रेन' 22 को होने वाले कार्यक्रम को लेकर की बैठक

अग्रवाल ने ताऊ देवीलाल स्टेडियम का दौरा कर तैयारियों का लिया जायजा

संवाददाता
पंचकूला

सिंचाई एवं जल संसाधन के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल ने 'जल शक्ति अभियान कैच द रेन' को लेकर 22 मार्च को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम बैठक की अध्यक्षता की व ताऊ देवीलाल स्टेडियम सेक्टर-3 का दौरा कर कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण की चेयरपर्सन केशनी आनंद अरोड़ा भी उपस्थित थी।

अग्रवाल ने बताया कि पंचकूला के सेक्टर-3 स्थित ताउ देवी लाल स्टेडियम के मल्टीपर्पज हाल में 22 मार्च को जल शक्ति अभियान कैच दी रेन कार्यक्रम का राज्य स्तरीय आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल मुख्यातिथि के रूप में व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल शक्ति अभियान-कैच द रेन को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जल शक्ति अभियान कैच दी रेन विशेष थीम के साथ 22 मार्च से 30 नवंबर तक मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में विश्व जल दिवस का थीम 'नारी शक्ति से जल शक्ति' था। विभिन्न प्रयासों द्वारा भूजल पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन और समग्र जल स्थिरता में बहुत योगदान प्राप्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोई भी कार्यक्रम जनभागीदारी के बिना सफल होना मुश्किल है, अभियान को सफल बनाने के लिए हम सभी को सार्वजनिक भागीदारी बढाना आवश्यक है। अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के जिन लोगों ने जल संचय व जल शक्ति अभियान से जुड़कर उत्कृष्ट कार्य किया है, उनको भी समारोह में मुख्यातिथि द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

बैठक में एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश विश्वनाथ, पब्लिक रिलेशन के अतिरिक्त निदेशक (फील्ड) रणबीर सिंह सांगवान, सिंचाई विभाग के इंजीनियर इन चीफ डॉ सतबीर सिंह, इंजीनियर इन चीफ बिरेंद्र सिंह, राकेश चैहान, डिप्टी सिविल सर्जन डॉ विकास गुप्ता, जिला खेल अधिकारी नील कमल, नगर निगम, विकास एवं पंचायत विभाग, पीडब्ल्यूडी बी एंड आर, जनस्वास्थ्य एवं अभियंत्रिकी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम विश्वकर्मा योजना के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

संवाददाता
चंडीगढ़

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) भारत सरकार के सचिव की चंडीगढ़ में मंगलवार को आगामी यात्रा से पहले सोमवार को उपायुक्त-सह-सचिव उद्योग, चंडीगढ़ निशांत यादव की अध्यक्षता में एक पूर्ववर्ती समीक्षा बैठक बुलाई गई थी। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रगति का आकलन करने के लिए एस्टेट कार्यालय, सेक्टर 17 में बैठक आयोजित की गई थी। निदेशक, उद्योग विभाग, चंडीगढ़ ने हितधारक विभागों के प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक में सक्रिय रूप से भाग लिया। एमएसएमई-डीएफओ लुधियाना, आरडीएसडीई, सीएसडीएम, एनयूएलएम, एनएसडीसी और सीएससी के प्रतिनिधियों के साथ एलडीएम, पीएनबी और जिला कार्यान्वयन समिति के सम्मानित डोमेन विशेषज्ञ उपस्थित थे।

बैठक में चंडीगढ़ में पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पंजीकरण की संख्या को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रशिक्षण बैचों के तेजी से गठन और ट्रेडों की एक विस्तृत श्रृंखला शुरू करने के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण संस्थानों की पहचान पर चर्चा की गई। एक प्रमुख चिंता कारीगरों द्वारा अपने ऋण आवेदनों के लिए आवश्यक दस्तावेज एकत्र करने में आने वाली चुनौतियों पर थी।

योगासन एसो. चंडीगढ़ द्वारा अस्मिता योगासन सिटी लीग आयोजित

चंडीगढ़। योगासन एसोसिएशन चण्डीगढ़, जो योगासन भारत (एनवाईएसएफ) से संबद्ध है, ने अस्मिता योगासन सिटी लीग 2024-25 का आयोजन गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ योग एजुकेशन एंड हेल्थ, सेक्टर 23-ए में किया। एसोसिएशन के सचिव रोशन लाल ने बताया कि भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा शुरू की गई अस्मिता योगासन सिटी लीग में दो आयु वर्गों (12-18 वर्ष और 18-55 वर्ष) में पारंपरिक योगासन और कलात्मक योगासन एकल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। पारंपरिक योगासन प्रतियोगिता के आयु वर्ग 12-18 वर्ष में गुरकिरत कौर प्रथम, कृतिक्या द्वितीय, कुमकुम तृतीय तथा आयु वर्ग 18-55 वर्ष में पूनम प्रथम, सिमरन द्वितीय, काजल तृतीय रहीं। कलात्मक योगासन एकल प्रतियोगिता के आयु वर्ग 12-18 वर्ष में अग्रिमा उनियाल प्रथम, गुरकिरत कौर द्वितीय, कृतिक्या तृतीय तथा आयु वर्ग 18-55 वर्ष में सिमरन शर्मा प्रथम, मनीषा शर्मा द्वितीय, डॉ. प्राची मान तृतीय रहीं।

समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का कराएं समाधान: उपायुक्त मोनिका गुप्ता

उपायुक्त ने मोरनी के ग्रामीणों की डंगे लगाने की मांग पर संज्ञान लेते हुए जिला वन अधिकारी को मौके का मुआयना कर जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में मोरनी की सरपंच सुषमा रानी व ग्रामीणों की भूमि कटाव को रोकने के लिए डंगे लगाने की मांग पर संज्ञान लेते हुए जिला वन अधिकारी को मौके का मुआयना कर जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिले की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक कार्यदिवस को जिला में प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य जिला की जनता की समस्याओं का मौके पर व जल्द से जल्द समाधान करना हैं। उपायुक्त ने अधिकारियों को कहा कि हम सभी यहां जिलावासियों की समस्याओं के समाधान के लिए एकत्रित हुए है। उन्होने निर्देश दिए कि जिले की जनता को बार बार अपने कार्यों के लिए चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने आज जिला के 8 लोगों की समस्याएं सुनी व संबंधित अधिकारियों से प्राथमिकता के आधार पर लोगों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने जिलावासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का जल्द से जल्द निवारण करवाने की अपील की। इस अवसर पर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, जिला विकास एवं पंचायत विभाग, राजस्व विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, बाल कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, मत्सय विभाग, पुलिस विभाग, माईनिंग, पीडब्लयूडी बीएंड आर, सिंचाई विभाग, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, यूएचबीवीएन, नगर निगम कालका व पंचकूला के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

लाखों के गबन मामले में फरार आरोपी पर नकद ईनाम घोषित

चंडीगढ़। ए.सी.बी. अम्बाला द्वारा फरार आरोपी स्टालियनजीत (ठेकेदार) पुत्र हरबेल सिंह निवासी म.न. 5284/ए सैक्टर 38 पश्चिम चण्डीगढ हाल म.न. 66 शर्मा गार्डन, जिला यमुनानगर की गिरफ्तारी पर 25,000/- रुपए नकद ईनाम राशी देने की घोषणा। ए.सी.बी. की अम्बाला टीम द्वारा आरोपी स्टालियनजीत निवासी म.न. 5284/ए सैक्टर 38 पश्चिम चण्डीगढ हाल म.न. 66 शर्मा गार्डन, जिला यमुनानगर द्वारा वर्ष 2020 से 2023 की अवधि के दौरान सहकारिता विभाग कैथल आईसीडीपी के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ योजनाबद्व तरीके से पैक्सों में निम्न स्तर का सामान जैसे सोलर, फर्नीचर, कम्पयूटर इत्यादि खरीद में मिलीभगत करके फर्जी बिलो के आधार पर लाखो रुपए की सरकारी राशि गबन करने का आरोप है। गबन बारे आरोप के सम्बन्ध में आरोपी स्टालियनजीत उपरोक्त के विरूद्ध अभियोग संख्या 06 दिनांक 31.01.2024 धारा 409, 420, 120बी भा.द.स. व 7, 8, 12 व 13 पी.सी. एक्ट 1988 थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला दर्ज है। इस अभियोग में आरोपी स्टालियनजीत निवासी म.न. 5284/ए सैक्टर 38 पश्चिम चण्डीगढ हाल म.न. 66 शर्मा गार्डन जिला यमुनानगर फरार है। आरोपी को पकड़वाने की ऐवज में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला द्वारा 25,000/-रू. नकद ईनाम देने की घोषणा की है। ए.सी.बी. (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) हरियाणा द्वारा आम जनता से अपील की जाती है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला में दर्ज किये गये अभियोग उपरोक्त के फरार आरोपी स्टालियनजीत निवासी म.न. 5284/ए सैक्टर 38 पश्चिम चण्डीगढ हाल म.न. 66 शर्मा गार्डन, जिला यमुनानगर को पकडवाने में सहयोग करें। यदि कोई व्यक्ति फरार आरोपी स्टालियनजीत उपरोक्त को पकड़वाने बारे सूचना ए.सी.बी. को देता है तो उस व्यक्ति को नकद ईनाम दिया जाएगा तथा उस व्यक्ति का नाम व पता भी गुप्त रखा जाएगा।

प्रतियोगिता में आईटीबीपी के घुड़सवार प्रथम स्थान पर

पंचकूला। 43वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता एवं घुड़सवार पुलिस ड्यूटी मीट - 2024-25 का आज का दिन इन जांबाजों के नाम रहा। Police Horse Test प्रथम स्थान पर रहे आईटीबीपी के अश्व अंबर के साथ घुड़सवार हैड कांस्टेबल राकेश कुमार, द्वितीय स्थान पर रहे दिल्ली पुलिस के अश्व तिलक के साथ घुड़सवार हैड कांस्टेबल संदीप खटाना तथा तृतीय स्थान पर रहे बी.एस.एफ. के अश्व जशन के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल ध्रुव सिंह। Medley Relay प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे सशस्त्र सीमा बल के 'बी' टीम के अश्व अप्पू के साथ घुड़सवार सुरेन्द्र सिंह, अश्व रेवा के साथ घुड़सवार अमन पाठक तथा अश्व चैम्पियन के साथ घुड़सवार यशपाल कद्वितीय स्थान पर रहे बी.एस.एफ की 'ए' टीम के अश्व बिल्लू के साथ घुड़सवार कांस्टेबल दिनेश कुमार, अश्व समर प्लेस के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल तेज प्रसाद जोशी तथा अश्व प्रेम के साथ घुड़सवार कांस्टेबल आकाश कुमार और तृतीय स्थान पर रहे चंडीगढ़ पुलिस की 'ए' टीम के अश्व किरण के साथ घुड़सवार प्रवीण, अश्व सम्राट के साथ घुड़सवार अमित कुमार तथा अश्व जूलिएट के साथ घुड़सवार चंदर शेखर आजाद। इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के घुड़सवारों ने भाग लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विभिन्न इवेंट्स में विजेताओं को पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए। हमें उम्मीद है कि यह प्रतियोगिता हमारे देश के घुड़सवारी खेल के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और सुरक्षा बलों के बीच एकता और सहयोग को बढ़ावा देगी।

योगोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक जीवन में योग अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी

संवाददाता
पंचकूला

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला में आयुष मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के लिए 'योगोत्सव' नामक काउंटडाउन इवेंट 17 मार्च 2025 को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस आयोजन के माध्यम से आईडीवाई 2025 के लिए 96 दिन शेष रहने का संकेत दिया गया और योग के दैनिक जीवन में महत्व को बढ़ावा दिया गया। यह आयोजन कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, डीन प्रो. गुलाब चंद पमनानी, एवं डीन-इन-चार्ज प्रो. सतीश गंधर्वे के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अश्विनी शर्मा, सह राज्य प्रभारी एवं योग शिक्षक, युवा भारत इकाई, चंडीगढ़, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार, और डॉ. गौरव कुमार गर्ग, डीएमएस, की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद डॉ. शिन्शा पी, मेडिकल ऑफिसर द्वारा पतंजलि वंदना का सस्वर गायन किया गया। डॉ. पूजा हसन जी, सहायक प्रोफेसर, स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग, ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. सतीश गंधर्वे ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि और योग के महत्व पर प्रकाश डाला। सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का अभ्यास अश्विनी शर्मा के नेतृत्व में किया गया, जिसमें ईश्वर दत्त जोशी, योग शिक्षक एवं सदस्य, युवा भारत इकाई, पंचकूला, और जितेंद्र, राष्ट्रीय स्तर के योग खिलाड़ी, ने योग अभ्यास का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों, जिनमें संकाय सदस्य, कर्मचारी, छात्र और स्वास्थ्य साधक शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अतिरिक्त, जितेंद्र ने उन्नत योग आसनों का प्रदर्शन कर प्रतिभागियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया। डॉ. गौरव कुमार गर्ग, डीएमएस, ने समापन उद्बोधन दिया और योग के निरंतर अभ्यास के महत्व को रेखांकित किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अपर्णा दिलीप, सहायक प्रोफेसर, कौमारभृत्य विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया और कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दुष्कर्म व ब्लैकमेलिंग के आरोप में अविवाहित युवक के खिलाफ के दर्ज

लालड़ू। डेराबस्सी ब्लॉक के एक गांव की 32 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म व उसे ब्लैकमेलिंग के आरोप में 35 वर्षीय एक अविवाहित युवक के खिलाफ के दर्ज किया है। पीड़िता एक विधवा और तीन बच्चों की मां है जो इंस्टाग्राम के जरिए उक्त युवक के संपर्क में आई थी। उसका आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसे कई बार दुष्कर्म का शिकार बनाया। लालड़ू पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर अगली कार्रवाई के लिए अंबाला कैंट पुलिस थाने भेज दी है। जानकारी मुताबिक शिकायतकर्ता महिला तीन बच्चों की मां है जिसके पति की अप्रैल 2021 में देहांत हो गया था। अपनी शिकायत में उसने बताया कि इंस्टाग्राम के जरिए विशाल वासी तेलीपुरा जिला यमुनानगर उसके संपर्क में आया और शादी का झांसा देकर उसे कई बार अंबाला कैंट के बस स्टैंड के साथ होटल ले जाता रहा और उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। इस दौरान आरोपी विशाल ने उसके कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें भी खींच ली थी जिनके दम पर वह पीड़िता को ब्लैकमेल करने लगा था।

बाढ, भूचाल, आग, ट्रेफिक, हवाई हमले जैसी आपदाओं के बारे में बेसिक ट्रेनिंग शुरू

21मार्च तक इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में सेक्टर 14 में होगी ट्रेनिंग

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में सरकारी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट सेक्टर 14 पंचकुला में आपदाओं जैसे बाढ, भूचाल, आग, ट्रेफिक, हवाई हमले के बारे में बेसिक ट्रेनिंग शुरू की गई जो 17 से 21/03/25 तक चलेगी।

सिविल डिफेंस के कंपनी कमांडर अधीक्षक सुखदीप सिंह द्वारा हवाई हमले और भूचाल से अपने आप को कैसे बचाना तथा दूसरे को कैसे बचाना हैं। जिसमें 8 तरीके बताए गये है तरीकों में एक आदमी द्वारा और दो आदमियों द्वारा रेस्क्यू तरीके करके दूसरों को कैसे बचाना हैं। इस दौरान अधीक्षक सुखदीप सिंह ने बताया कि इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के टीचरों ने भी बढ़-चढ़ कर सभी तरीके सीखे। बच्चों को जिंदगी में काम आने वालीं ज्ञान की बाते भी बतायी गयी। इस दौरान टीम में रवीन्द्र सिंह और दिलबाग सिंह भी शामिल रहे।

भारत में वस्त्र क्षेत्र की क्रांति: एक उदीयमान उपभोक्ता पावरहाउस की गाथा

परिवर्तन का एक दशक - समृद्ध भारत का उदय

एक दशक पूर्व भारत की जनसंख्या लगभग 125 करोड़ थी। उपभोक्ताओं का खर्च मुख्य रूप से इच्छा के बजाय आवश्यकता से प्रेरित होता था। खरीदारी का पूवार्नुमान लगाना बहुत ही आसान था। त्योहारों के लिए नए कपड़े, सावधानीपूर्वक योजना आधारित खर्च और फिजूलखर्ची की बजाय बचत पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। लक्जरी ब्रांडों की दूर से प्रशंसा की जाती थी। उच्च श्रेणी का फैशन अभिजात वर्ग तक ही सीमित था। आज देश की जनसंख्या लगभग 142 करोड़ हो गई है। मध्यम वर्ग तेजी से बढ़त की ओर है। वही परिवार पूरे आत्मविश्वास से प्रीमियम स्टोर में कदम रखता है। वही परिवार आसानी से ऑनलाइन खरीदारी करता है। इतना ही नहीं, अपने जीवन में अनेक अवसरों को उत्सव के तौर पर देखता है। भारत अब न केवल आगे बढ़ रहा है, बल्कि यह समृद्ध भी हो रहा है।

बढ़ती क्रय शक्ति, विकसित हो रही उपभोक्ता मानसिकता और अंतिम-मील डिजिटल कनेक्टिविटी ये तीनों इस बदलाव के मुख्य वाहक हैं। आर्थिक सुधार अभूतपूर्व रहा है। इसे बढ़ती आय, सरकार समर्थित विनिर्माण पहल और डिजिटल रूप से सशक्त भारत के माध्यम से पंख लगे हैं। 2020 में 'आत्मनिर्भर भारत' योजना शुरू की गई। इस विजन ने आत्मनिर्भरता की नींव रखी। इसे प्रोडकशन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्कों द्वारा और सशक्त किया गया। जैसे-जैसे विनिर्माण में उछाल आया, रोजगार सृजन हुआ और इसके साथ ही डिस्पोजेबल आय में वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप भारतीयों के खर्च करने के तरीके बदल गए। उपभोग अब भारत के विकास की गाथा के केंद्र में है, जो कपड़ा क्षेत्र को स्वर्ण युग में ले जाने के लिए तैयार है।

एक सशक्त भारत झ्र आत्मविश्वास से परिपूर्ण, साहसी और आकांक्षी

पिछले कई वर्षों में, आकांक्षाएं सचमुच वास्तविकता से आगे निकल गईं। लोगों ने कड़ी मेहनत की, बड़े सपने देखे, फिर भी अवसर पहुंच से बाहर लगे। फिर नीति-संचालित परिवर्तन के एक दशक ने महत्वाकांक्षा को उपलब्धि में बदल दिया। इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हुआ, डिजिटल इंडिया ने आकार लिया और आर्थिक सुधार मूर्त विकास का इंजन बन गए। इसके प्रभाव से भारत एक गुणवत्ता, शैली और सुविधा को अपनाने के लिए तैयार आत्मविश्वासी उपभोक्ताओं वाले देश के रूप में विकसित हो गया।

आय में उछाल आया है। प्रति व्यक्ति आय 2014-15 में 72,805 रुपए से बढ़कर 2023-24 में 1.88 लाख रुपए हो गई है और 2030 तक 3.5 लाख रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। आज छह करोड़ भारतीय सालाना 8.3 लाख रुपए से अधिक कमाते हैं - 2015 की संख्या से दोगुने से भी अधिक है। यह बढ़ती समृद्धि फैशन, कपड़ा और जीवन शैली वाले उत्पादों की अभूतपूर्व मांग को बढ़ावा दे रही है। 2027 तक, भारत चौथा सबसे बड़ा उपभोक्ता टिकाऊ बाजार होगा, जो न केवल सामर्थ्य बल्कि आकांक्षाओं से प्रेरित होगा।

गिरिराज सिंह
केन्द्रीय वस्त्र मंत्री

कोविड के बाद उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव एक गेम-चेंजर रहा है। डिजिटल पहुंच बढ़ी, ऑनलाइन रिटेल फला-फूला और यूपीआई लेनदेन आसमान छू गया। वित्त वर्ष 2013-14 में 220 करोड़ से इस डिजिटल परिवर्तन ने शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाट दिया है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि चाहे मेट्रो शहर में रहें या छोटे शहर में, भारतीयों के पास अब वैश्विक और स्थानीय फैशन तक निर्बाध पहुंच है।

भारत की फैशन क्रांति - परंपरा का महत्वाकांक्षा से मिलन

कभी पश्चिमी अवधारणा, फास्ट फैशन अब युवा भारतीयों के लिए जीवन का एक तरीका है। जो कभी अनन्य था, वह अब पहुंच के भीतर है। इसका श्रेय ज्यूडियो, रिलायंस ट्रेंड्स और शीन जैसे ब्रांडों को जाता है। ये ब्रांड 10 बिलियन डॉलर के उद्योग को बढ़ावा दे रहे हैं। यह कारोबार 2030 तक 50 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के लिए तैयार है। लेकिन यह बदलाव केवल सामर्थ्य के बारे में नहीं है - लक्जरी और विरासत वाले वस्त्र फास्ट फैशन के साथ-साथ फल-फूल रहे हैं। जैसे-जैसे आकांक्षी परिवार 2027 तक 100 मिलियन का आंकड़ा पार कर रहे हैं, हस्तनिर्मित कपड़े, रेशम की साड़ियां और उच्च श्रेणी के डिजाइनर परिधान फिर से उभर रहे हैं।

यह क्रांति कोई संयोग भर नहीं है। यह सरकार द्वारा संचालित पहलों का प्रत्यक्ष परिणाम है। बिचौलियों को खत्म करके कारीगरों के प्लेटफार्मों को डिजिटल बनाकर और सीधे ग्राहक-से-कारीगर कनेक्शन को सक्षम करके, डिजिटल इंडिया ने फैशन को खरीदने और बेचने के तरीके को बदल दिया है। महाराष्ट्र की पैठणी, कश्मीर की पश्मीना - अब एक बटन के क्लिक पर उपलब्ध है। फैशन का यह लोकतंत्रीकरण कारीगरों को सशक्त बना रहा है। इससे विरासत शिल्प को पुनर्जीवन मिल रहा है, और भारत की वस्त्र विरासत को वैश्विक मंच पर सबसे आगे आ रहा है।

विलासिता और विरासत - पहले की तुलना में अधिक सुलभ

भारतीय शादियां हमेशा भव्य रही हैं। किंतु, आज वे अरबों-खरबों डॉलर की आर्थिक शक्ति हैं। 45 बिलियन डॉलर का विवाह उद्योग पारंपरिक बुनाई क्लस्टरों में नई जान फूंक रहा है। इसमें परिवार बड़े पैमाने पर उत्पादन के बजाय कलात्मकता को चुन रहे हैं। विलासिता अब लेबल के बारे में नहीं है, यह विरासत के बारे में है। दुल्हन और दूल्हे विशिष्टता का विकल्प चुन रहे हैं। वे हाथ से बुने हुए बनारसी रेशम, जटिल कांजीवरम और भारत की समृद्ध वस्त्र विरासत का जश्न मनाने वाले डिजाइन का चयन कर रहे हैं।

लेकिन परिवर्तन केवल परिधान तक ही सीमित नहीं है। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, वैसे-वैसे इसकी सुंदरता की चाहत भी बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2019-23 के बीच रियल एस्टेट की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और बड़े, अधिक परिष्कृत घरों के साथ हस्तनिर्मित साज-सज्जा, डिजाइनर असबाब और विरासत सजावट की मांग बढ़ गई है। आधुनिक घर अब भारतीय शिल्प कौशल का प्रदर्शन बन गए हैं। इसके परिणाम स्वरूप हाथ से बने वस्त्रों की मांग फैशन से परे इंटीरियर और लक्जरी लिविंग में बढ़ रही है।

भारत के वैश्विक फैशन नेतृत्व की शुरूआत

भारत का कपड़ा उद्योग अब केवल उत्पादन के बारे में नहीं है। यह नवाचार, डिजाइन और वैश्विक प्रभाव के बारे में है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, 'मेक इन इंडिया' 'डिजाइन इन इंडिया' में विकसित हुआ है, जहां भारतीय रचनात्मकता अंतरराष्ट्रीय फैशन को आकार देती है। अनुसंधान और विकास पर सरकार का ध्यान और एक संपन्न स्टार्टअप इको-सिस्टम को बढ़ावा देने से बेजोड़ आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। तीन टी झ्र टैक्सटाइल (वस्त्र), टूरिज्म (पर्यटन) और टैक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) - पर काम करते हुए अपना देश अब एक विकसित भारत की नींव रख रहा है।

हाल ही में बजट में वस्त्र उद्योग को प्राथमिकता दिए जाने के साथ, 136 बिलियन डॉलर का घरेलू उद्योग 2030 से पहले ही 250 बिलियन डॉलर को पार कर जाएगा। इससे वैश्विक अग्रणी के रूप में भारत के स्थान की पुष्टि होती है। निजी खपत 2013 में 87 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 में 183 लाख करोड़ रुपए हो गई है। 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद 635 लाख करोड़ रुपये को छूने का अनुमान है। निजी खपत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा होगी। यह बदलाव भारत को वैश्विक खपत शक्ति बना देगा, जो अमेरिका, चीन और जर्मनी जैसे विकसित देशों से भी आगे निकल जाएगा।

लेकिन भारत का उदय केवल इस बारे में नहीं है कि कितना उपभोग किया जा रहा है। यह इस बारे में है कि इसे क्या महत्व दिया जा रहा है। भारतीय कपड़ा उद्योग को कभी उत्पादन केंद्र के रूप में देखा जाता था। अब इसे वैश्विक फैशन ट्रेंड तय कर रहा है। दुनिया भारत को न केवल इसके शिल्प कौशल के लिए, बल्कि इसकी दूरदर्शिता, लालित्य और विरासत के आधुनिकता के साथ मिलन की क्षमता के लिए भी देखती है।

यह नया भारत है - निडर, स्व-निर्मित और अजेय

लेकिन यह तो बस शुरूआत है। नया भारत अवसरों का इंतजार नहीं करता, बल्कि उन्हें बनाता है। फैशन अब एक जुनून भर नहीं रह गया है। यह एक करियर बन गया है। युवा भारतीय सिर्फ ट्रेंड का अनुसरण नहीं कर रहे हैं। वे उन्हें स्थापित भी कर रहे हैं। वे ब्रांड लॉन्च कर रहे हैं, व्यवसाय बना रहे हैं और अर्थव्यवस्था को आकार दे रहे हैं।

भारत के युवाओं से कहना है, वे नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। आपकी शैली, आपकी महत्वाकांक्षा, आपके विचार - यही भारत की अर्थव्यवस्था का भविष्य है।

और यह केवल पहनावे तक ही सीमित नहीं है। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इसकी सुंदरता की चाहत भी बढ़ रही है। बढ़ती आय, डिजिटल पहुंच में वृद्धि और बढ़ती जनसंख्या के साथ, भारत सिर्फ वैश्विक फैशन उद्योग में भाग नहीं ले रहा है - बल्कि इसका नेतृत्व भी कर रहा है। पिरामिड के निचले हिस्से से लेकर ऊपर तक, आकांक्षाएं बढ़ रही हैं, विकल्प बढ़ रहे हैं और एक नए भारत को सीमाओं से नहीं, बल्कि संभावनाओं से निर्धारित किया जा रहा है।